MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 24 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-111

बंगाल 92.64% - तमिलनाडु 85.13%

95% मुस्लिम ममता

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान ने नया इतिहास रच दिया है। पहले चरण में 16 जिलों की 152 विधानसभा सीटों पर इतना बंपर मतदान हुआ कि पिछले सभी आंकड़े ढह गए। 2021 के चुनाव में कुल 77.99 फीसदी मतदान हुआ था। शाम 8 बजे तक कुल 92.64 प्रतिशत मतदान हो चुका था। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि यह आजादी के बाद बंगाल में सबसे ज्यादा मतदान है।

मुर्शिदाबाद की मुस्लिम बहुल सीटों पर रिकॉर्ड मतदान

इस चुनाव में मुसलमान मतदाताओं का क्या रुख रहा, इसकी झलक मुर्शिदाबाद की चार मुस्लिम बहुल सीटों के रुझान देखकर लगाई जा सकती है। यहां कम से कम चार मुस्लिम बहुल सीटें ऐसी हैं, जहां मतदान का प्रतिशत 95 फीसदी को पार कर गया है। यह मुस्लिम मतदाताओं का नया रुझान साफ दिखाता है।

आंकड़ों के मुताबिक, मुर्शिदाबाद में रघुनाथगंज विधानसभा सीट पर भारी संख्या में मतदान हुआ है। शाम 5 बजे तक मतदान का प्रतिशत 95.64 को पार कर गया था। चाणक्या के मुताबिक, इस सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 79.9 फीसदी है। इस लिहाज से देखें तो अधिकतर मतदाताओं ने इस बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

इसी तरह भगवानगोला सीट पर कुल मतदाताओं में मुस्लिम समुदाय की संख्या 85.7 फीसदी बताई जाती है। इस बार चुनाव में शाम 5 बजे तक वहां 95.31 फीसदी मतदान दर्ज किया जा चुका था।

लालगोला सीट पर भी बंपर मतदान हुआ है। यहां कुल मतदाताओं में 77.3 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं, जबकि इस चुनाव में मतदान करने वालों की संख्या 95.07 प्रतिशत से आगे निकल गई है।

अब शमशेरगंज सीट का भी रुझान देख लीजिए। शाम 5 बजे तक के मतदान के आंकड़े देखें तो यहां 95.34 फीसदी से ज्यादा मतदाता मतदान के लिए निकले। चाणक्या के अनुसार, इस सीट पर 79.8 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं।

2011 की जनगणना के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में मुस्लिम समुदाय की आबादी लगभग 27 फीसदी थी। राज्य के मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर दिनाजपुर जिलों को मुस्लिम बहुल माना जाता है।

टीएमसी को मुस्लिम वोटों से उम्मीद

2021 के विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को मुस्लिमों के प्रभाव वाली सीटों पर भर-भरकर वोट मिले थे। इस चुनाव में मुस्लिम बहुल 85 सीटों में से 75 पर टीएमसी को जीत मिली थी। देखना है कि इस बार राज्य के मतदाता ममता बनर्जी पर मेहरबान होते हैं या फिर नए बदलाव की पटकथा लिखते हैं। इसके लिए 4 मई तक का इंतजार करना होगा।

ज्ञानेश ने किया सलाम

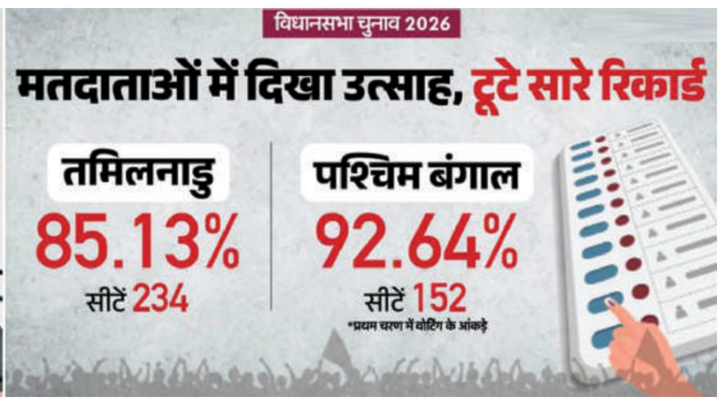

कोलकाता/चेन्नई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने वोटिंग को लेकर आज तक के तमाम रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के तहत 92.64 फीसदी मतदान हुआ है, जबकि तमिलनाडु में कुल मतदान प्रतिशत 85.13 फीसदी रहा। दोनों राज्यों में यह आज तक हुए तमाम चुनावों में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इन दोनों राज्यों में रिकॉर्ड मतदान को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इन दोनों राज्यों के मतदाताओं को मेरा सलाम है। आजादी के बाद से पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक का सबसे ज्यादा मतदान प्रतिशत है। ईसीआई पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के हर मतदाता को सलाम करता है।

आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में इस बार कुल 85.13 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो वर्ष 2021 के 71.8 प्रतिशत मतदान की तुलना में 12.8 प्रतिशत अधिक है। वहीं, पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 2026 में 92.64 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 84.6 प्रतिशत रहा था। इस तरह पश्चिम बंगाल में पहले चरण में मतदान प्रतिशत 7 फीसदी ज्यादा है। आपको बता दें कि पहले चरण में पश्चिम बंगाल में शाम 5 बजे तक कुल 89.93 फीसदी मतदान हुआ है, जो 2021 के 77.99 फीसदी की तुलना में 11.91 फीसदी ज्यादा था। कहा जा रहा है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं का फायदा किसी एक दल को ज्यादा हो सकता है। अगर ऐसा हुआ तो किसी एक दल के लिए बड़े अंतर से जीत दर्ज करना सिर्फ एक औपचारिकता भर हो सकती है। चार मई को यह साफ हो जाएगा कि इस बार आखिर जनता ने बदलाव के लिए मतदान किया है या फिर दीदी को एक बार फिर सत्ता तक पहुंचाने के लिए। लेकिन फिलहाल जिस तरह से इस गर्मी में भी मतदाता अपने घरों से निकल रहे हैं, वह कहीं न कहीं राज्य में राजनीति की नई रूपरेखा जरूर तय करेगी।

उत्तर बंगाल रहा बीजेपी का गढ़

वहीं, विधानसभा चुनाव-2021 में उत्तर बंगाल की 54 सीटों पर बीजेपी का दबदबा रहा था। बीजेपी ने कूचबिहार उत्तर, अलीपुरद्वार और फालाकाटा जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर बड़े अंतर से जीत दर्ज की।

▶8पर

भारत से जंग और ईरान में शांति ने बदली किस्मत

वाह रे मुनीर तेरी शान

इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज आसीम मुनीर के सितारे पिछले एक साल से बुलंद हैं। उनकी पाकिस्तान के किसी भी प्रधानमंत्री से ज्यादा विदेशों में पूछ-परख है, खासकर मुस्लिम देशों में। इसका प्रमुख कारण पिछले साल मई में हुआ भारत-पाकिस्तान संघर्ष और इस साल ईरान-अमेरिका के बीच हुआ संघर्षविराम है। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ सीजफायर खत्म होने के चंद घंटे पहले इसे आगे बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इसके लिए पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज आसीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अनुरोध किया था। ट्रंप कई बार सार्वजनिक मंचों से आसीम मुनीर को अपना फेवरेट फील्ड मार्शल भी बता चुके हैं।

सीजफायर में मुनीर मुख्य चेहरा

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, 8 अप्रैल को अमेरिका और ईरान ने पाकिस्तान की मध्यस्थता से दो हफ्ते के सीजफायर की घोषणा की थी। यह घोषणा बैकचैनल बातचीत के बाद हुई, जिसमें असीम मुनीर की अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, ▶8पर

पाकिस्तानी परेशान

पाकिस्तान की रेलवे व्यवस्था इस वक्त गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है, जहां बहुत कम संसाधनों के बावजूद यात्री और मालगाड़ी सेवाओं को किसी तरह से चलाया जा रहा है। यह परिस्थिति न सिर्फ सेवाओं पर असर डाल रही है, बल्कि यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंताएं पैदा कर रही है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, संसाधनों की कमी की वजह से मेनटेनेंस और ऑपरेशन्स में गंभीर समझौते किए जा रहे हैं। अधिकारियों का तो यहां तक कहना है कि फंड की कमी के कारण ट्रेन के इंजन, कोच, वैगन और रेलवे ट्रैक जैसे महत्वपूर्ण ढांचों को काफी ज्यादा नुकसान हो रहा है और इससे दुर्घटनाओं का ▶8पर

आरटीसी कर्मियों हठताल छोड़ो!

वार्ता के लिए पाँच मंत्री मैदान में

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई तेलंगाना कैबिनेट की बैठक में तेलंगाना स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (आरटीसी) के कर्मचारियों से हड़ताल वापस लेने और वार्ता में शामिल होने की अपील की गई, साथ ही उनकी मांगों के समाधान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आश्वासन दिया गया। मीडिया को जानकारी देते हुए मंत्री पोंगुलेति श्रीनिवास रेड्डी, एन उत्तम कुमार रेड्डी और वाकिति श्रीहरी ने कहा कि कैबिनेट ने आरटीसी मुद्दे पर विस्तृत विचार-विमर्श किया और इसे औपचारिक एजेंडे से पहले ही प्राथमिकता दी।

उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का की अगुवाई में एक पांच सदस्यीय मंत्रीय समिति शुक्रवार को आरटीसी संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के नेताओं के साथ वार्ता करेगी। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों से कोई जल्दबाजी या चरम कदम न उठाने का आग्रह किया, इस बात पर जोर देते हुए कि ऐसे कदम समस्याओं का समाधान नहीं करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार शिकायतों को संवाद के माध्यम से दूर करने के प्रति ईमानदारी से प्रतिबद्ध है और एक सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने में सहयोग के लिए यूनियनों से अपील की। कर्मचारी कल्याण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण घोषणा में, कैबिनेट ने यह निर्णय लिया कि यदि आवश्यक हो, तो मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बकाया भुगतान को चुकाने में मदद के लिए उपयोग किया जा सकता है। सरकार ने माना कि हजारों करोड़ रुपये के बकाये अभी भी बचे हुए हैं और कहा कि संसाधन जुटाने और एक निर्धारित समय सीमा के भीतर उन्हें चुकाने के लिए प्रयास जारी हैं। ▶8पर

आत्मदाह की कोशिश से आंदोलन उग्र अब सकल जनुला सम्मे की ओर

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): आरटीसी जॉइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) ने गुरुवार को हड़ताल के दूसरे दिन अपने आंदोलन को और तेज कर दिया। इस दौरान कथित तौर पर तीन कर्मचारियों द्वारा आत्महत्या के प्रयास की खबरें सामने आईं, जिससे स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है। डिपो पर बस सेवाएं पूरी तरह ठप रहीं, जिससे लाखों यात्री प्रभावित हुए। इस बीच, निजी ऑपरेटरों ने जिला सेवाओं के लिए सामान्य से तीन गुना अधिक किराया वसूला, जबकि सरकार ने बातचीत की पेशकश की है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा, सरकार आरटीसी की समस्याओं का समाधान करेगी। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 26^0

ट्रंप धंधा पानी डॉट कॉम

बार-बार बयान बदलने के पीछे सट्टेबाजी

वाशिंगटन , 23 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान में सेना भेजेंगे? क्या वे हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य का नाम बदलकर अपने नाम पर रखेंगे? क्या वे फिर से अल्लाह की प्रशंसा में पोस्ट करेंगे? इन सवालों के जवाब किसी को नहीं पता, लेकिन ट्रंप की नीतियों और बयानों पर दांव लगाने की सुविधा देने वाली ऑनलाइन सट्टेबाजी कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं, जिनमें से कुछ को उनके सबसे बड़े बेटे का समर्थन प्राप्त है। सट्टेबाजी कंपनियां राष्ट्रपति की अनिश्चितता को पसंद करती हैं। अपने अगले कदम या सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में

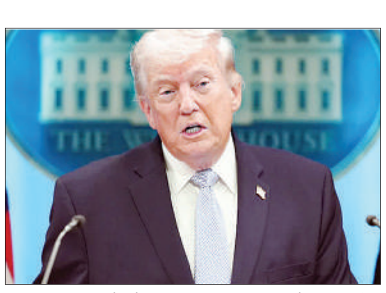

अनुमान लगाने के लिए मजबूर करने की ट्रंप की आदत के चलते लोग सट्टेबाजी स्थलों पर अधिक दांव लगाते हैं और उन्हें अधिक शुल्क मिलता है। इनमें पॉलीमार्केट भी शामिल है, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की हिस्सेदारी है, और कालशी, एक कंपनी जिसे वे सलाह देते हैं। इन साइटों को हर दिन मौजूदा घटनाओं पर नए सट्टेबाजी के विकल्प तैयार करने होते हैं, और ट्रंप जूनियर ऐसे सवालों का एक समृद्ध स्रोत साबित हुए हैं। जब पॉलीमार्केट पर एक सट्टेबाजी प्रतियोगिता में यह पूछा गया कि क्या ट्रंप ईरान में सेना भेजने की संभावना रखते हैं, तो 8 अप्रैल को लगभग 100,000 दांव लगाए गए, जिससे उस दिन तक का साल का सबसे बड़ा व्यापारिक दिन बन गया। ट्रंप की नीतियां और सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियां युद्ध से संबंधित दांवों से परे ▶8पर

'भारत नरक' के पीछे घटियापन

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक ऐसी पोस्ट को री-शेयर कर दिया, जिसमें भारत और चीन को नरक जैसा गड्ढा (हेल-होल) बताया गया था। ट्रंप के इस पोस्ट को री-शेयर करने के बाद भारत में यूएस दूतावास ने इस बात पर सफाई देते हुए कहा कि भारत एक महान देश है और पीएम मोदी को राष्ट्रपति ट्रंप का बहुत अच्छा दोस्त बताया। ट्रंप के पोस्ट री-शेयर करने के बाद और यूएस दूतावास की सफाई के बाद अब भारतीय विदेश मंत्रालय का बयान भी सामने आया है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने ट्रंप का सीधे तौर पर जिक्र किए बिना, गुरुवार शाम एक बयान में कहा कि ये टिप्पणियां निश्चित रूप से भारत-यूएस संबंधों की असलियत को नहीं दिखातीं, जो लंबे समय से आपसी सम्मान और साझा हितों पर आधारित हैं। एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने उन टिप्पणियों को देखा है और इसके बाद यूएस दूतावास की तरफ से जारी किए गए बयान को भी। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, ये टिप्पणियां साफ तौर पर बिना जानकारी के अनुचित और खराब ▶8पर

ईंधन की भारी कमी से बांग्लादेश में मोबाइल नेटवर्क बंद होने का खतरा

बिजली संकट से गारमेंट उद्योग प्रभावित, उत्पादन में 30 फीसदी गिरावट

तेहरान

दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्गों में से होर्मुज पर अमेरिका और ईरान के बीच अब भी संघर्ष चल रहा है और हाल फिलहाल में कोई राहत भी मिलती नहीं दिख रही है। ऐसे में कई देशों में हालात बाद से बदतर होते जा रहे हैं। भारत के पड़ोस में बांग्लादेश में तो अब इंटरनेट ठप पड़ने के हालात बन पड़े हैं। ईंधन की भारी कमी के चलते बांग्लादेश में मोबाइल नेटवर्क पर बड़े स्तर पर बंद होने के खतरा मंडरा रहा है।

बता दें करीब 17 करोड़ की आबादी वाले बांग्लादेश के लिए हालात इसीलिए बिगड़ गए हैं क्योंकि वह अपनी तेल और गैस जरूरतों का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसमें से ज्यादातर तेल मिडिल ईस्ट से ही आता है। अब होर्मुज में शिपिंग रूट बाधित होने से बांग्लादेश में हाहाकार मच गया है। ढाका समेत कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर 12-12 घंटे लंबी कतारें लग रही हैं। हालात को संभालने के लिए सरकार ने हाल ही में डीजल की कीमतों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी भी की है। बिजली संकट के कारण गारमेंट उद्योग पहले ही प्रभावित हो चुका है, जहां उत्पादन में करीब 30 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है। अब इसकी आंच इंटरनेट तक पहुंच गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते सोमवार को बांग्लादेश के मोबाइल टेलीकाम आपरेटर्स के संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने तुरंत दखल नहीं दिया, तो मौजूदा हालात में सेवाओं को जारी रखना संभव नहीं रह जाएगा। बता दें टेलीकाम कंपनियां बिजली कटौती के दौरान अपने डेटा सेंटर और नेटवर्क टावर चलाने के लिए डीजल जनरेटर पर निर्भर रहती हैं, लेकिन अब रोजाना 5 से 8 घंटे की बिजली कटौती हो रही है, जिससे स्थिति बिगड़ गई है। एएमटीओबी के मुताबिक केवल डेटा सेंटर ही हर घंटे करीब 500 से 600 लीटर डीजल खपत करते हैं। संगठन के महासचिव मोहम्मद जुल्फिकार ने कहा कि डेटा सेंटर आपरेटर का दिमाग होता है। अगर यह बंद हो गया, तो पूरा नेटवर्क ठप हो जाएगा। अगर नेटवर्क बंद हुआ, तो सिर्फ काल और इंटरनेट ही नहीं, बल्कि एसएमएस और बैंकिंग सेवाएं भी ठप हो सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईरान की अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रंप का दावा- कैश के लिए तरस रहा ईरान हर दिन करीब 50 करोड़ डालर का हो रहा नुकसान

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक छोटे से पोस्ट के जरिए अपने अंदाज में ईरान की बदहाली बयां की। उन्होंने कहा कि ईरान कैश के लिए तरस रहा है और हर दिन करीब 50 करोड़ डालर का नुकसान झेल रहा है, जिससे वह होर्मुज को खुलवाना चाहता है। वहां के नौसैनिक और पुलिस को वेतन नहीं मिल रहा है और वो सब दुखी हैं। ट्रंप के मुताबिक अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी ने ईरान की तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार को बुरी तरह प्रभावित किया है। दरअसल, ईरान की अर्थव्यवस्था इस जलमार्ग और तेल निर्यात पर अत्यधिक निर्भर है। एक अनुमान के मुताबिक नाकेबंदी के कारण ईरान को रोजाना करीब 43.5 करोड़ डालर का नुकसान हो सकता है, जो तेल निर्यात और व्यापार रुकने से जुड़ा है। हालात को और गंभीर बनाते हुए रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ईरान का 90 फीसदी से ज्यादा समुद्री व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में लंबे समय तक नाकेबंदी रहने पर आर्थिक गतिविधियां करीब ठप हो सकती हैं, जिससे मुद्रा पर दबाव, महंगाई और बैंकिंग संकट जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जहां पहले रोजाना 100 से ज्यादा जहाज इस मार्ग से गुजरते थे, वहीं अब यह संख्या बेहद सीमित रह गई है। कई टैंकर और जहाज खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर भी असर पड़ा है।

नाव हादसे में मारे गए मोसाद एजेंट ने हालिया ईरान आपरेशन में निभाई थी अहम भूमिका

तेल अवीव। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद से जुड़ा एक बड़ा खुलासा सामने आया है। इजराइली जासूसी एजेंसी मोसाद के प्रमुख डेविड बार्निया ने दावा किया है कि 2023 में इटली में नाव हादसे में मारे गए एक एजेंट ने हालिया ईरान आपरेशन में अहम भूमिका निभाई थी। अभी जो कामयाबी ईरान में इजराइल को मिली है, उसका बड़ा श्रेय उसी एजेंट के किए कामों को जाता है। यह एजेंट जिसे केवल उसके नाम के पहले अक्षर एम से पहचाना गया, मई 2023 में इटली की लेक माजियोरे में हुए एक नाव हादसे में मारा गया था। उस हादसे में कुल चार लोगों की मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उस वक्त इस एजेंट की पहचान एरेज शिमोनी (50) के रूप में की गई थी, जिसे एक नकली नाम माना जाता है। वह 30 साल तक मोसाद का एजेंट रहा। उसकी असली पहचान सार्वजनिक नहीं की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक मोसाद प्रमुख ने मेमोरियल डे के मौके पर एजेंसी मुख्यालय में कहा कि एम ने इजरायल की सुरक्षा के लिए लंबे समय तक गुप्त रूप से काम किया और हाल ही में ईरान के खिलाफ आपरेशन में उसकी भूमिका बेहद अहम रही।

इजरायल का लेबनान के साथ कोई गंभीर मतभेद नहीं - इजरायल के विदेश मंत्री

तेल अवीव। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा कि बेरूत और यरुशलम के बीच गुरुवार को

वाशिंगटन में होने वाली बातचीत के अगले दौर से पहले, इजरायल का लेबनान के साथ कोई गंभीर मतभेद नहीं है। यरूशलम में विदेशी डिप्लोमैटिक कार्प्स के लिए स्वतंत्रता दिवस के रिसेप्शन में सार ने कहा, हमने 40 से ज्यादा सालों के बाद लेबनान के साथ सीधे बातचीत करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। विदेश मंत्री सार ने कहा, बदकिस्मती से, लेबनान एक नाकाम देश है। एक ऐसा देश जो असल में हिज्बुल्लाह के जरिए ईरान के कब्जे में है। लेकिन, इससे यह नतीजा भी निकलता है कि हिज्बुल्लाह इजरायल और लेबनान का एक आम दुश्मन है। जैसे यह इजरायल की सुरक्षा के लिए खतरा है, वैसे ही यह लेबनान की को नुकसान पहुंचाता है और उसके भविष्य के लिए खतरा है। इजरायली विदेश मंत्री ने कहा कि इजरायल का लेबनान के साथ कोई गंभीर मतभेद नहीं है। कुछ छोटे-मोटे बार्डर विवाद हैं, जिन्हें सुलझाया जा सकता है। देशों के बीच शांति और नार्मलाइजेशन में एक ही रुकावट है, हिज्बुल्लाह। अगले राउंड की वार्ता से पहले उन्होंने लेबनान सरकार से अपील की है कि हिज्बुल्लाह ने आपके इलाके में जो आतंकी राज बनाया है, उसके खिलाफ मिलकर काम करें। इस सहयोग की जरूरत आपको हमसे भी ज्यादा है। इसके लिए नैतिक तौर पर साफ सोच और जोखिम उठाने की हिम्मत चाहिए। लेकिन, आपके और हमारे लिए शांति का भविष्य सुनिश्चित करने का कोई असली विकल्प नहीं है। आपके लिए, लेबनान के लिए संप्रभुता, ादी और ईरानी कब्जे से ादी का भविष्य है।

क्या वाकई शाहबाज और मुनीर के आग्रह पर ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्धविराम को निश्चितकाल के लिए बढ़ाया

वाशिंगटन

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अहम कूटनीतिक घटनाक्रम हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के अनुरोध पर ईरान के साथ जारी युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। इस पर सवाल किया जा रहा है क्या सच में ऐसा हुआ होगा कि शहबाज और मुनीर कहें और ट्रंप बात मान लें। दरअसल यह फैसला तब लिया गया जब पहले घोषित दो सप्ताह का युद्धविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे शेष थे।

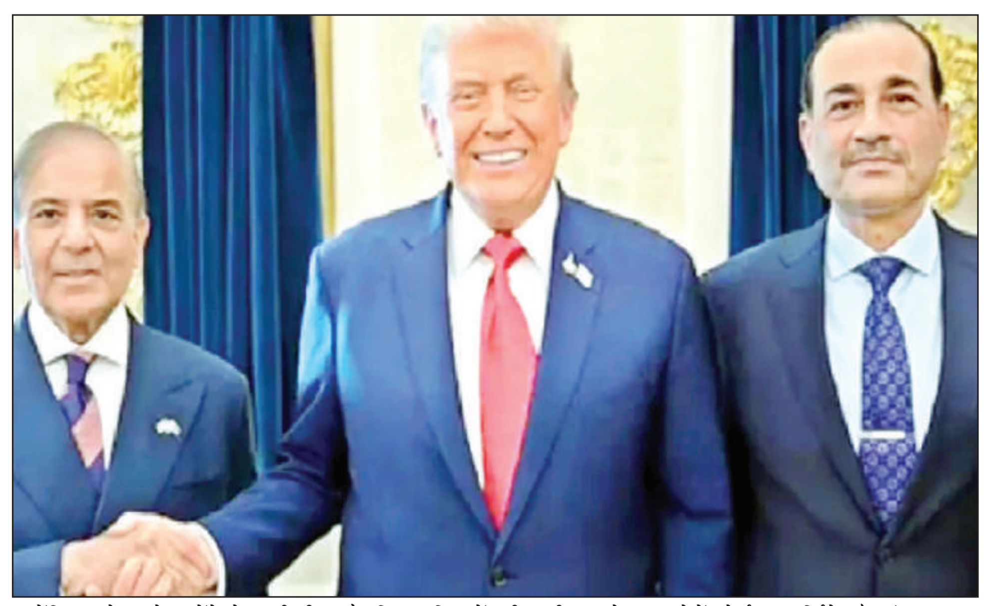

ट्रंप ने अपने बयान में बताया था, कि यह कदम पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर के व्यक्तिगत अनुरोध के बाद उठाया गया। यह युद्धविराम 8 अप्रैल को शुरू हुआ था और इसके समाप्त होने से पहले ही आगे बढ़ा दिया गया। इस बीच, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में प्रस्तावित अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की इस्लामाबाद यात्रा भी स्थगित की गई है। इस प्रतिनिधिमंडल में विशेष दूत स्टीव विटकाफ और जेरेड कुशन रभी शामिल थे, जो ईरानी अधिकारियों के साथ संभावित शांति वार्ता में भाग लेने वाले थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान पर सैन्य कार्रवाई से तब तक परहेज करेगा, जब तक ईरान की ओर से एक ठोस और समेकित प्रस्ताव सामने नहीं आता। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि आर्थिक दबाव जारी रहेगा, विशेष रूप से ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी के माध्यम से। उन्होंने अमेरिकी सेना को पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

इस पूरे घटनाक्रम को ट्रंप के रुख में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि इससे पहले उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि समझौता नहीं हुआ, तब सैन्य कार्रवाई हो सकती है। वहीं, पाकिस्तान ने फैसले का स्वागत किया है। शहबाज ने ट्रंप का आभार जताकर उम्मीद जाहिर की कि यह कदम व्यापक शांति समझौते की दिशा में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और वार्ता के जरिए स्थायी समाधान निकालने की कोशिश जारी रखेगा। दूसरी ओर, अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने ईरान, तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात से जुड़े 14 व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन पर ईरानी शासन के लिए हथियारों की खरीद-फरोख्त और परिवहन में शामिल होने का आरोप है।

अमेरिका का उद्देश्य ईरान की आर्थिक क्षमता को कमजोर करना और उसे वार्ता के लिए मजबूर करना है। खासतौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर तनाव बना हुआ है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इस क्षेत्र में अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखी गई है। कुल मिलाकर, यह घटनाक्रम दर्शाता है कि सैन्य टकराव के बजाय कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता दी जा रही है, हालांकि स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है।

इस बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने ईरान, तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात स्थित 14 व्यक्तियों, संस्थाओं और विमानों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। उन पर ईरानी शासन की ओर से हथियार या हथियारों के पुर्जों की खरीद-फरोख्त और उनके परिवहन में शामिल होने का आरोप है। बेसेंट ने कहा, ईरानी शासन को वैश्विक ऊर्जा बाजारों से जबरन लाभ उठाने और मिसाइलों व ड्रोन से नागरिकों को निशाना बनाने के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान के खार्ग द्वीप स्थित तेल भंडारण केंद्र कुछ ही दिनों में भर सकते हैं, जिससे तेल कुओं को बंद करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, ईरान के समुद्री व्यापार पर रोक सीधे उसके राजस्व के मुख्य स्रोतों पर चोट है।

अत्यधिक स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों में वर्चुअल आटिज्म की समस्या

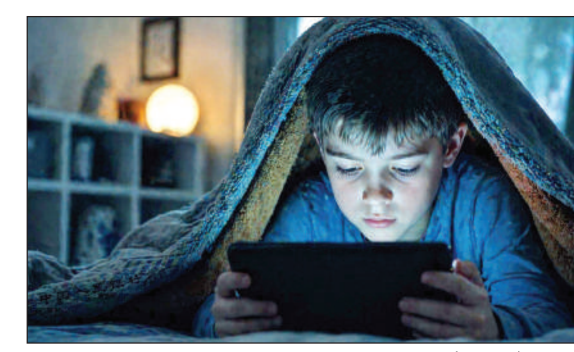

लंदन

अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों में वर्चुअल आटिज्म नामक एक गंभीर स्थिति को जन्म दे रहा है, जो उनके तंत्रिका तंत्र और सामाजिक विकास पर गहरा और नकारात्मक असर डाल रही है। यह कोई जन्मजात विकार नहीं है, बल्कि डिजिटल उपकरणों के बेतहाशा इस्तेमाल से पैदा हुई एक समस्या है, जिससे बच्चे बाहरी दुनिया से कटकर एक आभासी संसार में सिमटते जा रहे हैं। यह कहना है हेल्थ विशेषज्ञों का। आज के डिजिटल युग में, बच्चों को व्यस्त रखने के लिए माता-पिता द्वारा मोबाइल, टैबलेट और टेलीविजन जैसे गैजेट्स का सहारा लेना एक आम चलन बन गया है। हालांकि, विशेषज्ञ अब इस आदत को लेकर गंभीर चेतावनी दे रहे हैं। विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, जब बच्चे घंटों तक निर्जीव स्क्रीन से चिपके रहते हैं, तो वे बाहरी मानवीय संवेदनाओं से खुद को पूरी तरह अलग कर लेते हैं। यह अलगाव उनके सामाजिक विकास में बाधा डालता है, जिससे वे लोगों से बातचीत करने, आँखों में आँखें डालकर संवाद करने या भावनात्मक प्रतिक्रिया देने में हिचकिचाते हैं। उनकी दुनिया केवल गैजेट्स के भीतर ही सीमित होकर रह जाती है।

उनका कहना है कि बच्चों की रुचि किताबों से हटकर अब पूरी तरह से गैजेट्स की ओर स्थानांतरित हो रही है, जहाँ वे चीजों को अलग तरीके से सीख रहे हैं। हालांकि, यह भी स्वीकार किया गया कि यह बदलाव बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर सकता है और उनके सामाजिक कौशल को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। जब बच्चा मानवीय संवेदनाओं की बजाय निर्जीव स्क्रीन से जुड़ जाता है, तो वह बाहरी दुनिया से कटकर वर्चुअल दुनिया में सिमटा रह जाता है, जिससे उसका बौद्धिक विकास भी ठीक से नहीं हो पाता है। वर्चुअल आटिज्म के संकेतों को पहचानना माता-पिता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों ने बताया कि यदि आपका बच्चा किसी से आँखें नहीं मिलाता, बार-बार बुलाने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता, या अपने गैजेट में पूरी तरह लीन रहता है, तो यह वर्चुअल आटिज्म की ओर इशारा कर सकता है। ऐसे बच्चे बाहरी दुनिया से कटकर एक आभासी दुनिया में कैद हो जाते हैं, जिससे उनका बौद्धिक और भावनात्मक विकास रुक जाता है।

ब्रिटेन में 2008 के बाद जन्मे लोग तंबाकू नहीं खरीद पाएंगे

लंदन। ब्रिटेन ने धूम्रपान को रोकने के लिए बहुत सख्त कदम उठाया है। अब वहां नई पीढ़ी के लोगों के लिए सिगरेट खरीदना हमेशा के लिए बंद करने की तैयारी हो गई है। सरकार ने टोबैको एंड वेप्स बिल पास कर दिया है। इसके तहत 2008 के बाद पैदा हुए लोग जिंदगी भर तंबाकू से जुड़ी चीजें नहीं खरीद पाएंगे। संसद से बिल पास हो चुका है और अब सिर्फ किंग चार्ल्स तृतीय की औपचारिक मंजूरी बाकी है, जिसके बाद यह कानून बन जाएगा। यह पूरे ब्रिटेन यानी इंग्लैंड, स्काटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड में लागू होगा। सरकार ने यह बिल 2024 में पेश किया था और इसे अपनी बड़ी प्राथमिकताओं में रखा था। नए नियम के अनुसार, 1 जनवरी 2027 से यह कानून लागू होगा।

ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी ईरान की आर्थिक ताकत को कमजोर करने अपनाई गई

वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा तनाव फिलहाल थमा गया है, लेकिन हालात अभी भी नाजुक बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी सीजफायर बढ़ाने का ऐलान कर दिया है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि ईरान पर सैन्य नाकेबंदी जारी रहेगी। ट्रंप के मुताबिक यह फैसला पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर के अनुरोध पर किया गया है। दोनों नेताओं ने अमेरिका से अपील की थी कि बातचीत को मौका देने के लिए हमले टाले जाएं। इसी वजह से अमेरिका ने हमला रोककर सीजफायर बढ़ाया है, लेकिन सैन्य तैयारियां जारी रखी गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने अपने सबसे बड़े दबाव वाले हथियार नाकेबंदी को बरकरार रखा है। खासतौर पर होर्मुज और ईरानी बंदरगाहों के आसपास लागू यह नाकेबंदी व्यापार और तेल सप्लाई पर असर डाल रही है। अमेरिकी ट्रेजरी से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक यह रणनीति ईरान की आर्थिक ताकत को

कमजोर करने के लिए अपनाई गई है। यहां तक कहा गया है कि खर्ग आइलैंड पर तेल स्टोरेज कुछ ही दिनों में भर सकता है, जिससे ईरान के पास तेल स्टोर करने की जगह नहीं होगी और उसके तेल के कुएं बंद हो जाएंगे। इससे तेल कारोबार पर और दबाव बढ़ेगा। इस बीच, कूटनीतिक मोर्चे पर भी अनिश्चितता बनी हुई है। इस्लामाबाद में प्रस्तावित अगली वार्ता अभी तक तय नहीं हो सकी है. ईरान ने अमेरिका के रुख को विरोधाभासी बताया है और साफ किया है कि वह जल्दबाजी में बातचीत के लिए तैयार नहीं है। ईरान की ओर से भी सख्त चेतावनी दी गई है। एक वरिष्ठ सलाहकार ने ट्रंप के सीजफायर विस्तार को बेकार बताया, जबकि ईरानी नेतृत्व ने कहा कि बातचीत के दौरान किसी भी हमले को वैश्विक स्तर पर खतरनाक उदाहरण माना जाएगा। उधर, यूरोप भी इस संकट को लेकर सक्रिय हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही सीजफायर लागू है, लेकिन जमीन पर हालात अभी भी शांति के नीचे छिपी जंग जैसे हैं।

दुनिया में महंगाई और मंदी दे सकती हैं एक साथ दस्तक

वाशिंगटन

वर्तमान वैश्विक हालात और विशेषकर भू-राजनीतिक तनावों के कारण आर्थिक मंदी के खतरे की आशंका बढ़ती जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का डेटा दिखा रहा है कि अमेरिका-ईरान जैसे भू-राजनीतिक संघर्षों के कारण तेल आपूर्ति को जो नुकसान पहुंचा है, वह इस स्टैगफ्लेशन का कारण बन सकता है।

मौजूदा हालात में सबसे बड़ा दबाव ऊर्जा कीमतों से आ रहा है। तेल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट, मैन्युफैक्चरिंग और रोजमर्रा के खर्च सब बढ़ जाते हैं। यह एक क्लासिक चेन रिएक्शन है, जहां तेल की कीमतें बढ़ते ही महंगाई ऊपर जाती है और साथ ही खर्च कम होने से मांग घटती है, जिससे आर्थिक वृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ता है। ग्लोबल डेटा भी इस संकट के शुरुआती संकेत दे रहा है। आगामी पीएमआई डेटा (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) से पता चलेगा कि यूरोप की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं जैसे जर्मनी, फ्रांस और यूके में आर्थिक गतिविधियां कमजोर पड़ सकती हैं, जबकि अमेरिका अपेक्षाकृत स्थिर रह सकता है। यदि ऐसा होता है, तो यह साफ संकेत होगा कि दुनिया स्टैगफ्लेशन जैसे दौर में प्रवेश कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रमुख क्रिस्टालिना जार्जीवा ने साफ कहा है कि इस संकट का असर पहले ही अर्थव्यवस्था में शामिल हो चुका है। उनके मुताबिक, भले ही युद्ध जल्दी खत्म हो जाए, लेकिन इसका आर्थिक झटका लंबे समय तक बना रहेगा। उन्होंने इसे स्थायी अनिश्चितता का दौर बताया, जहां नीति-निर्माण और भी मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में केंद्रीय बैंकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। यदि वे आर्थिक वृद्धि को बचाने के लिए ब्याज दरें घटाते हैं, तो महंगाई और बढ़ सकती है। वहीं, अगर महंगाई काबू करने के लिए दरें बढ़ाई जाती हैं, तो आर्थिक गतिविधियां और धीमी हो सकती हैं। यही दुविधा इस पूरे संकट को और जटिल बना रही है। स्टैगफ्लेशन आखिरी बार बड़े स्तर पर 1970 के दशक में देखा गया था, जब तेल संकट ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला दिया था।

अब एक बार फिर वही हालात बनते नजर आ रहे हैं। आने वाले समय में पीएमआई डेटा, महंगाई के आंकड़े और उपभोक्ताओं का व्यवहार सबसे अहम संकेत होंगे, जिनसे साफ होगा कि हालात कितने बिगड़ सकते हैं। कुल मिलाकर, धीमी वृद्धि, उच्च महंगाई और अनिश्चितता का यह मिश्रण आने वाले समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकता है। मालूम हो कि दुनिया एक ऐसी आर्थिक चुनौती की ओर बढ़ रही है, जहां महंगाई और मंदी एक साथ दस्तक दे सकती हैं। इस स्थिति को स्टैगफ्लेशन कहते हैं, यानी जब वस्तुओं और सेवाओं के दाम बढ़ रहे हों (मुद्रास्फीति), लेकिन लोगों के पास खरीदने की सामर्थ्य न हो और आर्थिक गतिविधियां ठप पड़ जाएं (मंदी)। यह किसी भी केंद्रीय बैंक या सरकार के लिए एक बड़ी दुविधा पैदा करती है, क्योंकि दोनों समस्याओं से एक साथ निपटना बेहद मुश्किल हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप आपको आत्मविश्वास से साथ दिन की शुरुआत करने की जरुरत हैं आप एक से अधिक प्रोजेक्ट में शामिल होंगे और समय की कमी भी महसूस कर सकते हैं. वित्तीय स्थिति में सुधार होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त रास्ता भी मिल सकता है. यदि आप परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी स्थिति को बढ़ाना चाहते हैं तो अपने मन को एकाग्र रखें प्रत्येक बिंदु पर ध्यान देने की जरुरत हैं । आपको अपने जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा. प्रेम संबंध मजबूत होंगे. व्यायाम करते रहें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार की शुरुआत कुछ धीमी रहेगी आपको अपने क्रोध पर संयम बरतने की आवश्यकता हैं, वरना व्यर्थ विवाद में फंस सकते हैं. दोपहर के बाद धन का आगमन होगा. किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है. संतान की शिक्षा पर व्यय बढ़ेगा. आपकी निर्णय लेने की क्षमता और पराक्रम में वृद्धि होगी. आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने के भी योग हैं प्रेमी जोडों को आपस मे मिलने का सही समय हैं एक दूसरे को मन की बात कहने से पीछे नही हटना चाहिए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन आपकी परेशानी को दूर करेगा आपकी सारी इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है. बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा हो सकती है. साथ ही यात्रा सुखद रहेगी. संतान पक्ष से सुख की अनुभूति हो सकती है, जिससे आपके खुशियों में इजाफा होगा. ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलेगा, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा. गणेश जी के मंत्र का जप करें कार्यसिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन सफलता वाला रहेगा श्रेष्ठ परिणाम रहेंगे . परीक्षा या नौकरी की तलाश करने वाले या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों को सतत प्रयास करने जरुरत हैं. क्योंकि आने वाले समय में सफलता आपके साथ होगी. व्यवसाय विस्तार की योजना संभव है. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. आप अपने समर्पण और कड़ी मेहनत से दूसरों से आगे रहेंगे. पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण होगा और पारीवारिक सदस्यों के मध्य एकता रहें । आप का परिवार का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है और इसके कारण आप अधिक तनाव मे रहेंगे और बेचैन होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. कोई बड़ा काम होगा. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. यात्रा लाभदायक रहेगी. आपके छोटे भाई या बहन का समर्थन आप को आत्मविश्वास देगा. अतिरिक्त काम में किसी की मदद मिल सकती है. पुराने कुछ मामलों में अनबन खत्म हो सकती है. दूसरो की समज को भी नजरअंदाज नही करना चाहिए

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज एकाएक आपको अचानक धन लाभ होगा. ऑफिस के कुछ सहकर्मी आपके काम में सपोर्ट करेंगे, जिससे आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा. किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आगे आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा. आपके सोचे हुए काम आसानी से पूरे होंगे. नौकरी या बिजनेस में आप जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें आपको पूरा सफलता मिलेगी. अपनी सामर्थ्य अनुसार मंदिर मे दान करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को सामाजिक तौर पर फायदा होगा राजनीति क्षेत्र मे जमीन तलाश कर सकते हैं जीवन में कुछ बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिनका उपयोग आप अपने लाभ के लिए कर सकते हैं. किसी बुद्धिमान व्यक्ति से मिलने वाली महत्वपूर्ण सलाह पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि आप उससे अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं. विचारों का आदान–प्रदान भी आपको बहुत लाभ दिला सकता है. आपको अपने पिता के सुझाव का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि यह आपके लिए कुछ नए वित्तीय मार्ग खोलने में मदद कर सकते हैं. परिवार की महिला का स्वास्थ्य आप को चिंता मे डाल सकता है.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज किसी पर भी आप को भरोसा नही करना चाहिए पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. अपने आत्मविश्वास पर आप को आगे बढना चाहिए उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें. रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है.गाय को गुड खिलाए और चिंटियों शक्कर डालें

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह धार्मिक ग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए विचारों मे सात्विकता रहेगी मित्रो के साथ समय बितेगा , जिससे घर में खुशियों का माहौल बन जायेगा. आप बच्चों को कुछ उपहार जरूर दें बच्चे पढ़ाई में महनत करते रहेंगे टीचर्स भी सहायता करेंगे. जिससे बच्चों का रुझान पढ़ाई में बढ़ेगा. आप कोई नया काम करने की सोचेंगे. शिवजी के सन्मुख तिल के तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप अपने अलग अलग व्यापार का एक मे विलय कर सकते. कठिन समय है, कार्य स्थल पर बार–बार परिवर्तन आपको भ्रमित कर सकता है. प्रेम संबंधों के लिए यह एक अच्छा समय है. आप का परिवार के साथ तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनेगा विवाहित सम्बन्ध मे तनाव हो सकता हैं परंतु आप का मौन और संयम तनाव का अंत सुखद बना देगा बच्चे आपको व्यस्त और खुश रखेंगे. स्वास्थ्य मजबूत रहेगा । शाम के समय मे मन भी प्रफुल्लित रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सभी ओर से खुशी का वातावरण रहेगा पारिवारिक जीवन मे संतुष्टि रहेगी एवं आपस मे सौहार्दपूर्ण माहौल रहेगा. जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा. छोटी–मोटी नोंक–झोंक को नजरअंदाज करना चाहिए दूसरों के काम में दखल न दें. झंझटों से दूर रहें. विवाद को बढ़ावा न दें । आज आप व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें.आप के प्रयास धन की किल्लत को दूर करेंगे नौकरी की समस्या हल होगी ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज किसी मित्र के यहा हवन का आयोजन बन सकता हैं आप की व्यस्तता भी रहेगी फिर भी आपका दिन खुशनुमा रहेगा. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. ऑफिस में आपके काम को लेकर सीनियर्स आपकी तारीफ कर सकते हैं. छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. साथ ही कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है. नंदी को चावल का भूसा खिलाए आर्थिक संकट दूर होगा

आज का पंचांग

दिनांक : 24 अप्रैल 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 07:24 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 08:15 तक
योग : शूल रात्रि 01:23 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:04 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , श्री बगलामुखी जयंती, भद्रा प्रातः 08:01 तक , गण्डमूल रात्रि 08:15 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कोरुट्ला माइनॉरिटी स्कूल में अभिभावक0शिक्षक सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

कोरुट्ला, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): सहयोग और साझा दृष्टिकोण की भावना को आगे बढ़ाते हुए कोरुट्ला माइनॉरिटी स्कूल में आज अभिभावक1शिक्षक सम्मेलन बड़ी सफलता के साथ आयोजित किया गया। समग्र शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए इस कार्यक्रम में विद्यालय परिसर सुबह से ही अभिभावकों और संरक्षकों की सक्रिय उपस्थिति से जीवंत बना रहा।

सम्मेलन का शुभारंभ प्रार्थना से हुआ, जिसने आगे की चर्चाओं के लिए एकता और उद्देश्य की भावना प्रदान की। समर्पित शिक्षकगणों ने सभी अभिभावकों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानाचार्य ने शिक्षकगणों के साथ मिलकर इस शैक्षणिक वर्ष में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की। नवीन शिक्षण विधियों के उपयोग, शैक्षणिक एवं सह–पाठ्यचर्या क्षेत्रों में छात्रों की उपलब्धियों तथा आगामी शैक्षणिक वर्ष की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जिसमें अभिभावकों को अपनी आकांक्षाएँ, सुझाव और चिंताएँ रखने का अवसर मिला। शिक्षकों ने प्रत्येक छात्र के विकास पर व्यक्तिगत रूप से विचार साझा किए, जिससे संवाद में पारदर्शिता और विश्वास बढ़ा। इस खुले आदान1प्रदान ने हर बच्चे की क्षमता को निखारने के लिए सामूहिक प्रयास का संदेश दिया।

प्रबंधन द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से कई नई पहलें घोषित की गईं। इनमें डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा, करियर गाइडेंस कार्यशालाएँ, तथा स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं।

कक्षा 5 से कक्षा 9 तक के छात्रों की वार्षिक परीक्षा की प्रगति रिपोर्ट वितरित की गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित कर उनकी सराहना की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानाचार्य जे. रामुलु ने कहा, अभिभावकों की भागीदारी के बिना शिक्षा अधूरी है। आज के सम्मेलन ने इस भावना को और मजबूत किया है।

इस कार्यक्रम में स्कूल कोऑर्डिनेटर शरीन फातिमा, शिक्षकगण सहित विद्यालय के अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया। सभी के संयुक्त सहयोग से यह सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आसिफाबाद में हिंदू सम्मेलन के लिए बाइक रैली

आसिफाबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): आसिफाबाद नगर की सड़कों पर हिंदू सम्मेलन समिति के नेतृत्व में भव्य बाइक रैली निकाली गई। इस रैली में बड़ी संख्या में हिंदू बंधुओं ने भाग लेकर उत्साह और उमंग के साथ शहर का भ्रमण किया।

समिति सदस्यों ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सभी हिंदू बंधुओं से अपील की कि वे कल शाम होने वाले हिंदू सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हों।

रैली के दौरान मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष उबेद बिन याहिया (तारिक) ने प्रतिभागियों को ठंडे पेय और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराकर सामाजिक सद्भाव की मिसाल पेश की।

इस रैली में भोनागिरी सतीश बाबू, कांड्रे विशाल, वेणुगोपाल, नागुल शीनिवास, वाराणसी शीनिवास, सुरेश चारी सहित कई समिति सदस्य व सहभागी उपस्थित रहे।

जिले में अक्रीडेशन समिति की पहली बैठक सम्पन्न

आसिफाबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): कोमुराम भीम आसिफाबाद जिले में अक्रीडेशन समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के पत्रकारों से संबंधित कई मुद्दों को जिला कलेक्टर के संज्ञान में लाया गया।

इस अवसर पर बैठक में मुख्य रूप से योग्य पत्रकारों को अक्रीडेशन देने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। पत्रकारों की समस्याओं और उनकी मांगों पर समिति द्वारा विचार किया गया।

बैठक में जिला कलेक्टर हरिता ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए पत्रकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों के समाधान का आश्वासन दिया।

पत्रकारों के मुद्दों पर प्रतिक्रिया देने वाले कलेक्टर हरिता तथा डीपीआरओ संपत कुमार को टीयूडब्ल्यू (एच) जिला संयोजक रवि नायक ने आभार व्यक्त किया।

घोष कमीशन पर हाई कोर्ट के फैसले को लेकर बीआरएस का जोरदार हमला

कालेश्वरम पर झूठे प्रचार का पर्दाफाश

पेद्दापल्ली, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): पेद्दापल्ली जिले में इठड पार्टी ऑफिस में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेद्दापल्ली के पूर्व चडअ और चुनाव क्षेत्र के इंचार्ज दसारी मनोहर रेड्डी गारू ने घोष कमीशन पर हाई कोर्ट के फैसले को लेकर सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला सरकार के लिए तमाचा है और कालेश्वरम प्रोजेक्ट को लेकर किए गए झूठे प्रोपेगैंडा का पर्दाफाश कर देता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कमीशन बनाने की मंशा शुरुआत से ही संदिग्ध रही और हाई कोर्ट ने माना कि कमीशन की रिपोर्ट नेचुरल जस्टिस, फंडामेंटल राइट्स और इंक्वायरी एक्ट 1952 के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने इसे राज्य सरकार के लिए कड़ी चेतावनी बताते हुए कहा कि अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर पर लगाए गए आरोपों को गलत ठहराने की तरफ संकेत दिया है।

दसारी मनोहर रेड्डी गारू ने कहा कि कालेश्वरम प्रोजेक्ट दुनिया के बड़े मल्टी–स्टेज लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट्स में शामिल है, जिसमें तीन बैराज, कई रिज़र्वॉयर और लिफ्ट सिस्टम के जरिए लाखों एकड़ क्षेत्र को सिंचाई का पानी देने की क्षमता है। साथ ही यह प्रोजेक्ट हैदराबाद और उद्योगों के लिए पीने के पानी की सप्लाई में भी अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने मेडिगड्डा बालाजी के दो पिलर में बताई गई कथित तकनीकी कमियों के आधार पर पूरे प्रोजेक्ट को गलत ठहराने और राजनीतिक इस्तेमाल पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि सरकार को झूठा प्रचार बंद कर प्रोजेक्ट को जल्दी ठीक करके लोगों के लिए सुलभ बनाना चाहिए।

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व जिला लाइब्रेरी चेयरमैन ठाकुर रघुवीर सिंह, पेड्डापल्ली टाउन प्रेसिडेंट उप्पू राज कुमार, पार्षद वेन्नम रविंदर, सुजाता, नेता वंगला तिरुपति रेड्डी, नुनेती संपत, तनिपार्थी मोहनराव, संदीप राव, बायरेड्डी राम रेड्डी, बोइनी राजमल्लू, सलेंद्र रामुलु, सरपंच पोल राजू कनकम्मा सहित बीआरएस नेता और अन्य लोग उपस्थित थे।

भुभारती आवेदनों का पारदर्शी और प्रभावी निपटारा सुनिश्चित करें : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): जिले में भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भुभारती राजस्व सम्मेलनों में प्राप्त आवेदनों का निपटारा पूरी पारदर्शिता तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाए।गुरुवार को कलेक्टर ने बेल्लमपल्ली मंडल मुख्यालय स्थित सब–कलेक्टर कार्यालय का दौरा कर सब–कलेक्टर मनोज के साथ भुभारती आवेदनों के निपटारे की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी आवेदनों की रिकॉर्ड के आधार पर जांच, तथा आवश्यक होने पर मौके पर सत्यापन कर जल्द समाधान कराने के निर्देश दिए।इसके बाद कलेक्टर ने कन्नेपल्ली तहसील कार्यालय का निरीक्षण करते हुए रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड और लंबित आवेदनों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने प्रक्रिया में तेजी लाने और पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दौरा कर प्रहारी दीवार एवं भोजनशाला निर्माण कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने और विद्यालय में शौचालय निर्माण कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने नेनेल और तांडूर मंडलों के तहसील कार्यालयों का भी निरीक्षण कर भुभारती आ–वेदनों के निपटारे की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी कार्य सरकारी नियमों के अनुसार हों और आम लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समन्वय के साथ काम करते हुए आवेदनों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सावधानी बरतें, बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करें : नितिका पंत

आसिफाबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): गर्मी की छुट्टियों की शुरुआत को देखते हुए जिला एसपी नितिका पंत ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों की सुरक्षा को विशेष रूप से ध्यान में रखें, खासकर तैराकी के दौरान। उन्होंने कहा कि थोड़ी–सी लापरवाही बच्चों की मौज–मस्ती को हादसे में बदल सकती है।

एसपी ने बताया कि पानी की गहराई का अंदाज़ा न होने पर कई बार दुर्घटनाएँ हो जाती हैं। तैराकी सिखाते समय बच्चों पर अभिभावकों या बड़ों की प्रत्यक्ष देखरेख आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि दुर्घटना होने के बाद तुरंत प्रतिक्रिया देने से बेहतर है कि पहले से सुरक्षा उपाय किए जाएँ।

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में अभिभावकों और ग्रामीणों से अपील की कि कुओं और तालाबों के पास सुरक्षा नियमों का पालन करें ताकि संभावित हादसों को रोका जा सके। साथ ही उन्होंने बच्चों को घर पर पढ़ाई और सकारात्मक गतिविधियों में व्यस्त रखने की सलाह दी। इसके अलावा, एसपी ने आम जनता को चेताया कि गर्मी के मौसम में बाहर निकलते समय लू और तेज़ धूप से बचाव के उपाय अपनाएँ।

नियमों के तहत ही विकास कार्य करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई: पी. चंद्रैया

मंचेरियाल, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) पी. चंद्रैया ने कहा कि सभी विकास कार्य सरकारी नियमों के अनुसार ही किए जाने चाहिए। गुरुवार को उन्होंने चेनूर नगर में विकसित किए जा रहे लेआउट क्षेत्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आंतरिक सड़कें, ड्रेनेज सिस्टम, पार्क और अन्य मूलभूत सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुसार विकसित की जाएं। साथ ही उन्होंने लेआउट स्वीकृति की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने, तथा पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। इसके बाद अतिरिक्त कलेक्टर ने प्रधानमंत्री1अजय योजना के तहत चयनित गांवों कत्तेरसाला, नरसक्कापेट और पागेपल्ली का दौरा किया। वहां चल रहे स्वच्छता कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। दिन में जलती स्ट्रीट लाइट्स पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई करने को कहा।

उन्होंने एससी कॉलोनी में ड्रेनेज कार्य जल्द शुरू करने, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था सुधारने और खराब पाइपलाइन व पानी टैंक की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर सुविधाओं को बेहतर करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान एक खाद दुकान में ट्रेड लाइसेंस लंबित पाए जाने पर अतिरिक्त कलेक्टर ने तुरंत बकाया जमा कराने के निर्देश दिए। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली में बहुजन राज्य की अपील

पेद्दापल्ली, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक पार्टी, पेद्दापल्ली के डिस्ट्रिक्ट कन्वीनर कोलिपाका श्रीनिवास ने कहा कि पेद्दापल्ली में जो राजनीतिक माहौल बन रहा है, वह बहुजन राज्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गुरुवार को डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर में आयोजित मीडिया कॉन्फ्रेंस में उन्होंने यह बात कही।

कोलिपाका श्रीनिवास ने कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता मोहम्मद मेहराज को पार्टी का स्कार्फ पहनाकर ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया।

कोलिपाका श्रीनिवास ने पेद्दापल्ली चुनाव क्षेत्र के सभी एससी, एसटी, बीसी और माइनॉरिटी समुदायों से भविष्य में एक साथ आने और बहुजन राज्य की ओर कदम बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे सभी बहुजनों को एकजुट करेंगे और लोगों के आशीर्वाद से आगामी विधानसभा चुनाव में पेद्दापल्ली से एमएलए के रूप में चुनाव लड़ेंगे।

साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक बहुजन बच्चे को भी आशीर्वाद दें और उसे जिताएं।

कांग्रेस पार्टी के सीनियर एक्टिविस्ट मोहम्मद मेहराज ने कहा कि कांग्रेस सरकार छह गारंटी लागू करने में असफल रही है। इसी कारण वे फॉरवर्ड पार्टी में शामिल हुए। उन्होंने यह भी कहा कि उनका संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक कोलिपाका श्रीनिवास के नेतृत्व में पूरा बहुजन समुदाय एकजुट नहीं हो जाता और एक बीसी बच्चे को एमएलए नहीं बना दिया जाता।

इस कार्यक्रम में कुक्का श्रवण कुमार, गुलाम खाजा पाशा, कुक्का कनकराजू बोंकुरी नरेंद्र, कुक्का अशोक, इरुगुराला राजू, कुक्का श्रीनाथ, वड्डेपल्ली तिरुमल, राज कुमार तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

सौंदर्य

त्वचा के लिए खूबसूरती प्रदान करता है आयुर्वेद

आयुर्वेद मानव जीवन के लिए वरदान है।

आजकल अधिकांश लोग खुद को खूबसूरत बनाने के लिए ढेरों कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में कई बार उन्हें इन प्रोडक्ट के रिएक्शन भी झेलने पड़ते हैं। साथ ही, त्वचा पर कई दूरगामी नकारात्मक प्रभाव भी पड़ते हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए हमें अब अपनी जड़ों तक जाना होगा, यानी सदियों से चला आ रहा परंपरागत आयुर्वेदिक ज्ञान अपनाना होगा। आज हम कुछ चुनिंदा आयुर्वेदिक नुस्खों का जिक्र करेंगे, जिनका उपयोग करके सालों से महिलाएं अपना सौंदर्य निखारती आई हैं।

ग्लोइंग स्किन के लिए खीरा

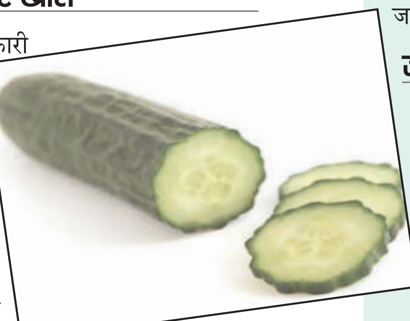

खीरा एक ऐसी गुणकारी चीज़ है, जिसका सेवन सप्ताह में एक बार जरूर करना चाहिए। साथ ही, खीरा स्किन के लिए भी बहुत लाभदायक माना जाता है। इसे खाने से शरीर की गर्मी छंट जाती है। स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए चेहरे पर खीरे का जूस बनाकर या खीरे का पेस्ट बनाकर लगाएं।

आलू भगाए चेहरे से दाग-धब्बे

आलू सिर्फ खाने के लिए नहीं, त्वचा पर लगाने के भी काम आता है। यदि आपके चेहरे पर काले धब्बे हैं तो आलू की स्लाइस लेकर हल्के-हल्के से मसाज करें। आलू का जूस चेहरे पर लगाएं। रोज इसे चेहरे पर लगाने से चेहरा निखर जाता है।

जुबान ही नहीं त्वचा को भी भाए नारियल पानी

नारियल पानी बहुत ही गुणकारी होता है। इसीलिए रोजाना नारियल पानी पीने से चेहरा चमकने लगता है। नारियल पानी से चेहरा धोने से दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं। नारियल का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखरने लगता है। आयुर्वेद का ये असरदार नुस्खा आप जरूर आजमाएं।

टमाटर चमकाए चेहरा

टमाटर सिर्फ आपकी सब्जी का ही स्वाद नहीं बढ़ाते बल्कि आपकी त्वचा को भी एक नया रंग देते हैं। दो चम्मच टमाटर का रस और आधा चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट के बाद धो लें। चेहरा कांतिवान दिखेगा। साथ ही, आपके चेहरे से दाग-धब्बे भी धीरे-धीरे खत्म हो जाएंगे। ऑयली स्किन वालों के लिए ये बहुत खास आयुर्वेदिक नुस्खा है।

त्वचा के लिए शहद का नुस्खा

कई इलाकों में पारंपरिक हर्बल वैद्य शहद के साथ फेस पैक तैयार करते हैं। इन जानकारों के अनुसार, बेसन, शहद, जैतून, दूध मलाई को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इस मिश्रण में 3 चम्मच बेसन, शहद, दूध मलाई और जैतून के तेल का 1-1 चम्मच मिलाएं। चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद इसे साफ पानी से धो लें।

पके केले से त्वचा पर निखार

केला त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। पके हुए केले को अच्छी तरह से मैश कर लें। उसे चेहरे पर फेस पैक की तरह लगाएं। करीब 15 मिनट बाद इसे धो लें। चेहरा धुल जाने के बाद रक्त चंदन का लेप करें। माना जाता है कि ऐसा करने से चेहरे की त्वचा में जबरदस्त निखार आता है।

नींबू से त्वचा की अंदरूनी सफाई

नींबू स्किन के लिए एक चमत्कारी दवा की तरह काम करता हैं। रंग निखारने के लिए नींबू का रस चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरा धो लें। नींबू के रस में टमाटर का रस मिलाकर लगाने से भी त्वचा की सफाई हो जाती है और रंग गोरा होने लगता है।

घर के आगे इन चीजों का होना होता है अशुभ

वास्तु

हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर सुख-समृद्धि से भरा रहे, हर किसी की जरूरतें पूरी हों और किसी भी तरह की आर्थिक तंगी से जूझना ना पड़ा। इसके लिए हम कड़ी मेहनत तो करते ही हैं, साथ वास्तु में यकीन करने वाले उसके अनुसार अपने घर को भी रखते हैं ताकि सिर्फ सकारात्मक उर्जा का संचार हो। मगर आपको बता दें कि सिर्फ घर के अंदर मौजूद चीजें ही नहीं बल्कि घर के आगे या आस-पास मौजूद चीजें भी वास्तु दोष उत्पन्न करती हैं और ये घर में रहने वालों की शारीरिक, मानसिक व आर्थिक परेशानी बढ़ाती हैं। इसलिए चलिए आपको ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जो अगर आपके घर के आगे या आस-पास हैं तो तुरंत उन्हें हटा दीजिए-

- घर के आगे गंदे पानी का जमाव वास्तु दोष उत्पन्न करता है। अगर यह जमाव पश्चिम की ओर हो तब धन का नुकसान तो होता ही है बदनामी भी होती है।
- घर के आगे पत्थरों का जमा होना भी वास्तु के अनुसार अनुकूल नहीं होता है। इससे जीवन में तरक्की की रफ्तार कम हो जाती है। व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में बाधाओं का सामना करना पड़ता है।
- कांटेदार पौधे घर के आगे होने का मतलब आपके विरोधियों की संख्या बढ़ रही है। यह पारिवारिक जीवन में मतभेद बढ़ाने का काम करता है, साथ ही स्वास्थ्य संबंधी नुकसान भी झेलना पड़ता है।
- वास्तु के अनुसार घर के आगे दूध निकलने वाले पौधे का होना भी कष्टकारी होता है।
- घर के आगे कूड़ेदान का होना वास्तु के अनुसार कष्टकारी होता है।
- बिजली का खंभा मुख्य द्वार के सामने उन्नति में बाधक माना जाता है।
- घर के आगे घना वृक्ष का होना वास्तु दोष उत्पन्न करता है।
- घर के आगे से बेल का ऊपर चढ़ना भी शुभ नहीं माना जाता है। वास्तु के अनुसार इससे विरोधियों और शत्रुओं की संख्या बढ़ती है और उन्नति में बाधा आती है।
- वास्तु के अनुसार घर की दहलीज यानी मुख्य द्वार से ऊंची सड़क का होना भी कष्टकारी होता है। इससे घर में रहने वालों की सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहता है। घर की महिलाओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना होता है और रिश्तों में तालमेल की कमी होती है।

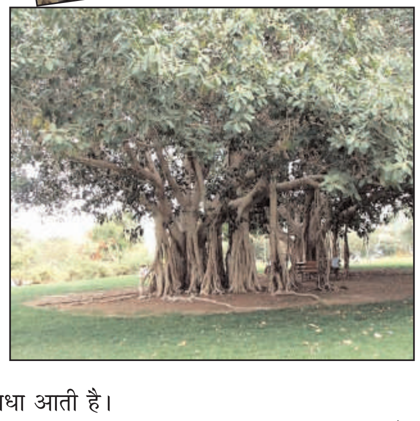

गले में खाना अटके तो हो जाएं सावधान

गले में खाना अटकने और दर्द होने पर नजरअन्दाज न करें। यह गले की नली में होने वाले कैंसर का मुख्य लक्षण हो सकता है। कुछ भी खाने पर अटकना, गले से कड़वा पानी निकलना, बार-बार उल्टी का अहसास होना, दर्द, सूजन और धीरे-धीरे इस समस्या के बढ़ने पर एक समय बाद पानी पीना भी बेहद मुश्किल हो जाता है। ये सारे लक्षण कार्सिनोमा ईसोफेगोस्टोम यानी ग्रासनली के कैंसर के हैं। यह जानकारी शुक्रवार को मुंबई से आए टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डॉ. सीएस प्रमेश ने दी। वह केजीएमयू सर्जरी विभाग में हुए लेक्चर में मेडिकोज को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि भारत में पुरुषों में होने वाला चौथा कॉमन कैंसर हैं। वहीं महिलाओं में छठा है। नली में गांठ का हो जाना, तम्बाकू, ऐल्कॉहॉल लेने और बैलेंस डाइट के न लेने के कारण यह बिमारी होती है।

बड़ी बीमारियों के कारण भी हो सकता पीलिया-केजीएमयू के डॉ. विशाल गुप्ता ने बताया कि पेट दर्द, भूख कम लगना, अनीमिया, कमजोरी होने पर विशेषज्ञ से सम्पर्क करना चाहिए। ऐसे लक्षण द्वारा पैनक्रियाज का कैंसर होने की संभावना रहती है। बड़ी बीमारियों के होने का एक मुख्य कारण पीलिया भी होता है। पीलिया होने पर अल्ट्रासाउन्ड और खून की जांच करवाना चाहिए। वहीं सीटी स्कैन द्वारा कैंसर की पकड़ की जाती है। ड्रिंकिंग, स्मोकिंग, पुश्तों या घर में यह बिमारी किसी को होने पर पैनक्रियाज कैंसर तेजी से पनपता है।

कैंसर सेल्स छूटने पर होता है दोबारा कैंसर-मेदान्ता अस्पताल के डॉ. आदर्श चौधरी ने बताया कि पेट के कैंसर की पुष्टि हो जाने पर सर्जरी कर प्रभावित भाग को निकालने के बाद मरीज को कीमोथेरपी दी जाती है। कीमोथेरपी देने के बावजूद भी 10 से 15 प्रतिशत मरीजों में दोबारा कैंसर होने की संभावना रहती है। उन्होंने बताया कि एचबी का कम होना, भूख न लगना, कमजोरी महीने में दस बार से अधिक पेट दर्द होना इस बिमारी का कारण होता है।

वो चमत्कारी कुंड, जहां स्नान करने से मिलता है संतान का सुख

हम आपको घूमने की जगहों के बारे में तो बताते रहते हैं, इस बार आपको उस जगह ले चलते हैं जहां मान्यता है कि वहां स्नान कर संतान सुख प्राप्त किया जा सकता है। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं वो घर ही क्या, जहां बच्चे की किलकारियां ना गूंजती हों। मगर कई ऐसे लोग हैं जो शादी के सालों बाद भी संतान सुख से वंचित हैं। ऐसे लोगों को जरूर इस चमत्कारी कुंड में स्नान करने जाना चाहिए, जहां स्नान करने से घर में किलकारियां गूंजने लगती हैं। ऐसी प्राचीन मान्यता है और कहते हैं इस कुंड को खुद कृष्ण और राधा ने बनवाया था।

जी हां, और अब तक तो आप समझ ही गए होंगे कि हम यहां मथुरा की बात कर रहे हैं जिसे भगवान कृष्ण का ही एक रूप माना जाता है। यह पूरा शहर ही उनकी भक्ति और कृपा से भरा हुआ है और यहीं गोवर्धन गिरिधारी की परिक्रमा मार्ग में एक चमत्कारी कुंड पड़ता है राधा कुंड जिसके बारे में मान्यता है कि अगर नि:संतान दंपति अहोई अष्टमी (कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी) की मध्य रात्रि को यहां एक साथ स्नान करें तो उनके घर बच्चे की किलकारी गूंज सकती है। ऐसा कहा जाता है की यहां महिलाएं अपने केश खोलकर राधा जी से संतान का वरदान मांगती हैं। यहां स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं।

ये कथा है प्रचलित

कुंड से संबंधित एक कथा के अनुसार कंस ने भगवान श्रीकृष्ण का वध करने के लिए अरिष्टासुर नामक दैत्य को भेजा था। अरिष्टासुर बछड़े का रुप लेकर श्रीकृष्ण की गायों में शामिल हो गया और ग्वालों को मारने लगा था। भगवान श्रीकृष्ण ने बछड़े के रुप में छिपे दैत्य को पहचान लिया। श्रीकृष्ण ने उसको पकड़कर जमी पर पटक पटककर उसका वध कर दिया। यह देखकर राधा ने श्रीकृष्ण से कहा कि उन्हें गौ हत्या का पाप लग गया है। इस पाप से मुक्ति हेतु उन्हें सभी तीर्थों के दर्शन करने चाहिए। राधा की बात सुनकर श्रीकृष्ण ने देवर्षि नारद से इसका उपाय पूछा। देवर्षि नारद ने उन्हें उपाय बताया कि वह सभी तीर्थों का आह्वान करके उन्हें जल रूप में बुलाएं और उन तीर्थों के जल को एकसाथ मिलाकर स्नान करें, जिससे उन्हें गौ हत्या के पाप से मुक्ति मिल जाएगी। देवर्षि के कहने पर श्रीकृष्ण ने एक कुंड में सभी तीर्थों के जल को आमंत्रित किया और कुंड में स्नान करके पापमुक्त हो गए। उस कुंड को कृष्ण कुंड कहा जाता है, जिसमें स्नान करके श्रीकृष्ण गौहत्या के पाप से मुक्त हुए थे। माना जाता है कि इस कुंड का निर्माण श्रीकृष्ण ने अपनी बांसुरी से किया था। देवर्षि नारद के कहने पर श्रीकृष्ण ने अपनी बांसुरी से एक छोटा सा कुंड खोदा और सभी तीर्थों के जल से उस कुंड में आने की प्रार्नाथ की। श्रीकृष्ण के आवाह्न पर सभी तीर्थ वहां जल रुप में आ गए। माना जाता है कि तभी से सभी तीर्थों का अंश जल रूप में यहां है। श्रीकृष्ण द्वारा बने कुंड को देख राधा ने भी उस कुंड के पास ही अपने कंगन से एक और छोटा सा कुंड खोदा। भगवान श्रीकृष्ण ने जब उस कुंड को देखा तो उन्होंने प्रतिदिन उसमें स्नान करने व उनके द्वारा बनाए कुंड से भी अधिक प्रसिद्ध होने का वरदान दिया। देवी राधा द्वारा बनाए कुंड राधा कुंड के नाम से प्रसिद्ध हुआ। माना जाता है कि अहोई अष्टमी तिथि को इन कुंडों का निर्माण हुआ था, जिसके कारण अहोई अष्टमी को यहां स्नान करने का विशेष महत्व है। प्रति वर्ष यहां बड़ी संख्या में भक्त स्नान हेतु आते हैं। कृष्ण कुंड और राधा कुंड की अपनी एक विशेषता है कि दूर से देखने पर कृष्ण कुंड का जल काला और राधा कुंड का जल सफेद दिखाई देता है जो कि श्रीकृष्ण के काले वर्ण के होने का और देवी राधा के सफेद वर्ण के होने का प्रतीक है।

यूं बनाएं अंडे की मजेदार डिश

रेसिपी

एग्ज फ्लॉरेंटाइन स्वास्थ्य स्वाद्य पदार्थों का एक बेहतर मिश्रण है। अंडे और पालक से बनी यह डिश बेहतर ब्रेक फस्ट हो सकती है। आइये जानते हैं, इसको कैसे तैयार करें...

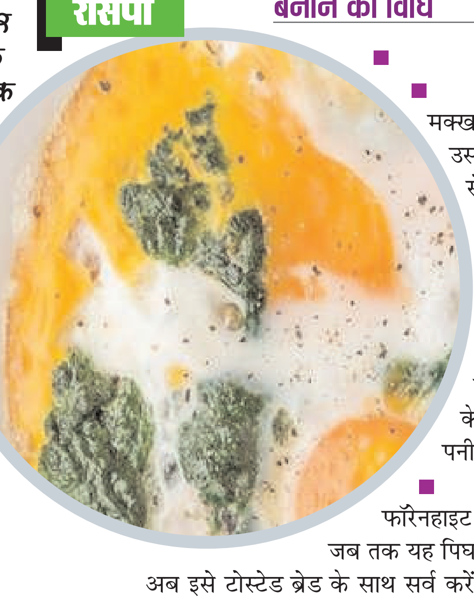

जरूरी सामग्री

- 10 औंस कटा हुआ पालक
- 2 चम्मच आटा
- 1 चुटकी नमक
- 2 चम्मच पिसा हुआ पनीर
- 1/4 कप मक्खन
- 8 अंडे
- थोड़ी सी काली मिर्च

बनाने की विधि

- पालक को पकाएं।
- सफेद चटनी तैयार करने के लिए मक्खन को एक छोटी सॉसपैन में पिघलाएं। उसके बाद आटा डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। जब तक मिश्रण गाढ़ा न हो जाए और बुलबुले न आने लगें, इसे हिलाते रहें।
- अब पालक को एक हल्की उथली हुई बेकिंग डिश में डालें। उसके बाद अंडे को पालक के ऊपर रख दें और सफेद चटनी अंडों के ऊपर डालें। नमक, काली मिर्च और पनीर का छिड़काव करें।
- दो से तीन मिनट तक 400 फॉरेनहाइट पर अंडों को उस समय तक पकाएं जब तक यह पिघल न जाएं और हल्का भूरा न हो जाए। अब इसे टोस्टेड ब्रेड के साथ सर्व करें।

ऐनिसथीजिया देते समय अनीमिक बच्चों का रखें ध्यान

तीन दिवसीय बाल ऐनिस्थीजिया पर शुक्रवार को कन्वेशन सेंटर में सेमिनार हुआ। केजीएमयू में पहली बार हुई नैशनल कान्फ्रेंस के पहले दिन डॉ. अनीता मलिक ने बताया कि बच्चों की सर्जरी के दौरान बेहोशी की दवाओं को निर्धारित मात्रा में ही देना चाहिए। सही तरह से और सही मात्रा में दिया जाने वाले ऐनिस्थीजिया से बच्चों को सर्जरी के बाद दर्द कम होता है और जल्दी डिस्चार्ज होगा। आईसीयू स्टे कम होगा और चोट के निशान भी जल्द ठीक होंगे। बच्चों की सर्जरी के समय देने वाले ऐनिस्थीजिया पर बच्चों को पहले पूरी तरह से एग्जामिन करना चाहिए। उनमें पैदाइशी कोई बीमारी हो तो ऐसे में विशेषज्ञ ऐनिस्थेटिस्ट की मौजूदगी जरूरी है।

डॉ. संजय ने बताया कि बेंगलुरु की अपेक्षा यूपी में ऐनिस्थेटिस्ट की कमी है, जिसके लिए जाएरूकता कार्यशालाओं का आयोजन कर नए-नए कोर्स खुलवाने चाहिए, जिससे इनकी संख्या में इजाफा होगा।

पीडियाट्रिक ऐनिस्थीजिया ट्रेनिंग के लिए खुलेगा नया विभाग

केजीएमयू में बाल विभाग ऐनिस्थीजिया के लिए ऐनिस्थेटिस्ट को पीएम कोर्स की ट्रेनिंग जल्द ही दी जाएगी। इसके लिए अलग से एक नया विभाग खोलने की बात की जा रही हैं, जिसमें केजीएमयू में काम कर रहे ऐनिस्थेटिस्ट को इस विशेष कोर्स का डिप्लोमा भी मिलेगा। केजीएमयू के वीसी ने इस प्रस्ताव को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया को भेजा गया है, जिसकी मंजूरी मिलते ही नए विभाग को खोला जाएगा। पीएम का यह कोर्स तीन वर्ष का होगा। अभी तक केवल मुम्बई में ही इस कोर्स को कराया जा रहा है।

वर्कशॉप में डेलिगेट्स ने सीखीं नई तकनीकें

वर्कशॉप में अल्ट्रासाउंड गाइडेड नर्व ब्लॉक, सिमुलेशन, काड्रियोपल्मोनरी रिसर्च और डिसिकल्ट एअरवे ऐनिस्थीजिया के बारे में डेलिगेटस मौजूद रहे, जिन्होंने क्रिटिकल केस, सर्जरी के पहले और बाद में आने वाली कठिनाइयों के बारे में जानकारी ली।

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या, जानिए इससे बचने के उपाय... गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण किडनी उचित मात्रा में यूरिन को शरीर से बाहर नहीं निकाल पाती है। ऐसे में यूटीआई का खतरा बढने़ की आशंका रहती है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इसके मामले अधिक हैं। जिसका कारण बैक्टीरियल इंफेक्शन है। ये बैक्टीरिया यूरेथ्रा के जरिए यूरीनरी ट्रैक में प्रवेश कर रोग का कारण बनते हैं। यूटीआई की समस्या एक्यूट और क्रांनिक दोनों तरह से हो सकती है। इसका खतरा उम्रवार सभी वर्गों को अलग-अलग कारणों से प्रभावित करता है।

महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या

कारण बच्चों में

बच्चों में यूरीनरी ट्रैक इंफेक्शन का कारण यूरिन के रास्ते में रुकावट, न्यूरोजेनिक ब्लैडर व अन्य जन्मजात विकृतियां हैं। उनमें यूरेथ्रा से यूरीनरी ट्रैक तक बैक्टीरिया का हमला इस रोग की वजह बनता है।

पुरुषों में

पुरुषों में 50 साल की उम्र के बाद यूटीआई की समस्या अधिक होती है। जिसकी मुख्य वजह प्रोस्टेट का बढना़ है। ऐसे में यूरिन पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाता व लगातार स्टोर होने से इंफेक्शन का खतरा रहता है। डायबिटीज रोग में लापरवाही से पेंक्रियाज शुगर के स्तर को असामान्य कर देता है जिससे यूटीआई की आशंका रहती है। ब्लैडर/किडनी संबंधी परेशानी या कमजोर इम्युनिटी से भी यूटीआई होता है।

महिलाओं में

यौन संबंधों व अंग के आसपास इंफेक्शन होने और लंबे समय तक यूरिन रोकने की आदत क्रांनिक यूटीआई की समस्या को बढ़ाती है। यूरिन को रोके रखने की क्षमता वाली मांसपेशी कमजोर होने लगती हैं। इसे ओवर एक्टिव ब्लैडर कहते हैं। कई मामलों में सिजेरियन, सर्जरी व महिला का बार-बार गर्भधारण करना भी यूटीआई की आशंका बढ़ा देता है।

लक्षण

एक्यूट यूटीआई में यूरिन करने के तुरंत बाद ही बार-बार यूरिन आने, रोकने की क्षमता कम होने, यूरिन करते समय दर्द व जलन और हल्का बुखार आता है। क्रांनिक यूटीआई में इलाज के बाद भी इंफेक्शन बार-बार होता है।
मूत्रतंत्र से जुड़े अन्य अंग प्रभावित होते हैं जिससे गहरे रंग का यूरिन आने, पेट व पीठ के निचले हिस्से में दर्द के साथ ही ब्लैडर के आसपास भी दर्द होता है।

अन्य कारण

पानी की कमी : गर्मियों में पानी की पर्याप्त मात्रा न पीने से पेशाब कम बनता है और शरीर में मौजूद फ्लूड पसीने के जरिए निकल जाता है। संक्रमण : गंदे अंडरगारमेंट्स पहनने, साफ-सफाई के अभाव वाले टांयलेट या जगहों पर यूरिन करने से भी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा दूषित भोजन व पानी के संपर्क में आने के दौरान बाहरी कीटाणु यूरेथ्रा में पहुंचकर इंफेक्शन बढ़ाते हैं।

तनाव

कई बार तनाव की स्थिति में यूरिन पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाता या व्यक्ति को बार-बार यूरिन आने की इच्छा होती है।

ध्यान रखें

दिन में 4-5 लीटर पानी पीएं ताकि कीटाणु बाहर निकल जाएं। फलों का जूस पीते रहें। कब्ज न होने दें, पेट साफ रखें। यूरिन को लंबे समय तक न रोकें।

जांच

यूरिन एग्जाम व यूरिन कल्चर टैस्ट कर इसका कारण का पता करते हैं।

इलाज

एक्यूट की स्थिति में 2-3 दिन तक एंटीबायोटिक दवा और क्रांनिक यूटीआई की स्थिति में लो डोज में प्रोफाइलेक्सिस गर्भावस्था के दौरान या डायबिटिक को यह समस्या है तो 2-3 हफ्ते तक दवा देते हैं।

गुणों से भरपूर है गन्ने का रस

भारत में सबसे ज्यादा गन्ना उगाया जाता है। गन्ने के रस से ज्यादा पोषक और स्वस्थ रखने वाला कोई और रस नहीं हो सकता। अगर आप दिर-भर की थकान को दूर करने के लिए एक गिलास गन्ने का रस पीएगें तो आपको स्वाद भरी ताजगी मिल जाएगी।

गन्ने का रस में सेहत के लिए बहुत गुणकारी है। यह रस विटामिन ए,सी ,बी, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, और कॉपर से भरपूर होता है। इसे पीने से हड्डियां मजबूत बनती हैं और दांतों की समस्या भी कम होती है। आज हम आपको बताएगें कि कैसे गन्ने का रस दूर करता है इन बिमारीयों से।

- **कैंसर से बचाव करता है:** गन्ने के रस में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन और मैंगनीज जैसे तत्व अच्छी मात्रा में हैं जो शरीर को कैंसर जैसी बिमारी से लड़ने के लिए सहायक होता हैं।
- **मुहांसों से छुटकारा:** गन्ने का रस पीने से त्वचा को अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड मिलता है जो मुहांसे दूर करने और सेहतमंद त्वचा के लिहाज से फायदेमंद है।
- **किडनी के लिए फायदेमंद:** गन्ने के रस में प्रोटीन अच्छी मात्रा में है। इसमें नींबू और नारियल पानी मिलाकर पीने से किडनी की युरीन इन्फेक्शन, एसटीडी और पत्थर जैसी समस्यामए दूर होती है।
- **पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पाचन तंत्र के साथ-साथ पेट की बीमारियों के लिए भी बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसमें पोटैशियम की मात्रा ज्यादा होती है। इसे पीने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है।
- **नाखूनों में आती है चमक :** यह रस पीने से नाखूनों पर से सफेद धब्बे हटाते है और नाखून चमकदार होते हैं।

वजन बढ़ाने वाला पाउडर खाने से पहले जान लें साइड इफैक्ट्स

इस तेज रफ्तार और टैक्नोलॉजी से भरपूर जमाने में लोग फटाफट से हर काम को करना चाहते हैं। बात सिक्स पैक, बढ़ते हुए वजन को कम करने की हो या फिर दूबले शरीर को मोटा करने की, लोग किसी काम में भी इंतजार नहीं करना चाहते। सिक्स पैक, बॉडी, वजन बढ़ाने की चाहत में वह प्रोटीन शेक या बांडी सप्लीमेंट्स लेने तक लेने शुरू कर देते हैं लेकिन शायद वह इनसे होने वाले साइड इफैक्ट्स के बारे में नहीं जानते। एक्सरसाइज, वर्कआउट और योग का हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन गलत चीजों से बांडी बनाने से हम तरह तरह की बीमारियों को खुद ही न्योता देते हैं जो कि सही नहीं है।

क्यों लेते हैं वजन बनाने वाले पाउडर? : हमारे शरीर को विटामिन, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर अगर सही मात्रा में मिल जाएं तो हमारा शरीर तंदुरुस्त रह सकता है लेकिन बिगड़ती लाइफस्टाइल, वर्कआउट न करने और संपूर्ण आहार न लेने के कारण ही लोग वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने लगते हैं। आज हम आपको बताते हैं कि वजन बढ़ाने वाल पाऊडर लेने से हमारे शरीर में किस तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने से किडनी (गुर्दे) को खतरा होता है। क्रिएटीन व कैल्शियम ज्यादा मात्रा में लेने से गुर्दे की पथरी की भी समस्या हो सकती है।

डांस थेरेपी नाचें और स्वस्थ रहें

नृत्य का अब मनोरंजन के प्राचीन माध्यम से चिकित्सा के अत्याधुनिक औजार तौर पर इस्तेमाल किया जाने लगा है। डांस थेरेपी की शुरुआत बेशक कुछ दशकों पुरानी हो चुकी है, लेकिन इधर के वर्षो में दुनिया भर में इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है और शारीरिक तथा मानसिक रोग निवारण में इसकी खुराक अचूक रही है।

जिम के साथ डांस क्लास

देश में डांस थेरेपी की छोटे बड़े दर्जनों संस्थान संचालित हैं, जिसमें पंजीकरण कराने वालों में 23 से 45 वर्ष के युवावर्ग की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। व्यायाम में डांस थेरेपी का दखल एरोबिक एक्सरसाइज के साथ बढ़ा, जिसमें केवल वेस्टर्न ध्वनि पर शरीर की अतिरिक्त कैलोरी बर्न करने को ही डांस थेरेपी का हिस्सा माना जाता था, लेकिन संगठित जिम संचालन की तरह ही अब डांस थेरेपी का क्षेत्र भी व्यापक हो गया है।

कुछ प्रचलित डांस विधियां

रूंबा मांसपेशियों का बेहतर सामंजस्य और मस्तिष्क की एकाग्रता के लिए रूंबा डांस कारगर माना गया है। साधारण व्यायाम से डांस थेरेपी की शुरुआत करने के बाद रूंबा की नियमित 20 से 30 मिनट की ट्रेनिंग फुर्तिला बनाती है, जिसे बैन बोन और कॉलर बोन के दर्द के लिए भी कारगर माना गया है।

क्या हैं डांस के सीधे फायदे

कार्डियोवस्कुलर समस्याओं को दूर रखने के लिए डांस को बेहतर माना गया है, जिससे न सिर्फ कैलोरी बर्न होती है, बल्कि रक्तप्रवाह सही रहने से हार्ट अटैक की संभावना को दूर किया जा सकता है। बैले व सालसा डांस आत्मविश्वास बढ़ाता है, मस्तिष्क की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए भी डांस थेरेपी को सबसे सटीक माना गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित डांस अभ्यास से नकारात्मक विचारों को दूर किया जा सकता है। डांस के साथ योग व आसान का प्रयोग स्वस्थ रहने का सबसे कारगर तरीका है। नियमित व्यायाम की अपेक्षा डांस को वजन कम करने का अधिक बेहतर उपाय माना गया है। डांस थेरेपी व्यायाम का अधिक रुचिकर विकल्प बनकर उभरा है, जिससे वजन को नियंत्रित रखा जा सकता है।

स्वास्थ्य संस्थानों में भी बढ़ा दखल

जाने माने स्वास्थ्य संस्थानों के पुनर्निवास केन्द्र में डांस मूवमेंट थेरेपी डीएमटी का प्रयोग शुरू कर दिया गया है। इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर में वैकल्पिक चिकित्सा विधि के तहत मरीजों की डांस क्लास लगाई जाती है। फिजियोथेरेपिस्ट के सान्निध्य में मरीजों को शुरु में मामूली स्टेप सिखाए जाते हैं, जिसके बाद मांसपेशियों में खिंचाव व दोबारा मूवमेंट शुरू करने के लिए तीन से चार सप्ताह की क्लास लगाई जाती है। पार्किन्सन व सीएचडी बीमारियों के लिए डांस थेरेपी का चिकित्सीय प्रयोग शुरू किया जा चुका है।

जीवा: बोन डेन्सिटी को मजबूत करने के लिए जीवा की अहम भूमिका है। कार्डियोवस्कुलर समस्या को भी जीवा के जरिए ही दूर किया जाता है। देखा गया है कि श्वसन तंत्र संबंधी परेशानियां भी जीवा के नियमित अभ्यास से ठीक हो जाती हैं।

सांबा: कूल्हे की समस्याओं के निजात के लिए सांबा को किसी एक पार्टनर के साथ किया जाता है। पेलविस और पैरों की मांसपेशियों की दिक्कतों के लिए भी सांबा का प्रयोग बेहतर माना गया है।

पास्को डोबल: पास्को सिंगापुर का सबसे प्रसिद्ध डांस स्टेप है, जिसे रशियन संगीत के साथ किया जाता है। पास्को के लिए वजन का नियंत्रित होना जरूरी है। कैलोरी बर्न करने और शरीर की टोनिंग के लिए पास्को से बेहतर और कोई डांस स्टेप नहीं हो सकता।

सालसा: तनाव मुक्ति के लिए सालसा को सबसे सटीक माना गया है। डांस विशेषज्ञ की मानें तो 70 फीसदी युवा सालसा को तनाव दूर करने व आत्मविश्वास करने के लिए करते हैं, जिसके सफल परिणाम भी देखे गए हैं।

नोट इसके अलावा, वाल्ट्ज, फॉक्स ट्रॉट, क्विक, टैंगो, वाइनेक्स और बैल्बो जैसे पश्चिमी नृत्य स्वस्थ रहने की कुंजी माने जाने लगे हैं।

हाई हील से सेहत का कचूमर

कॉरपोरेट दुनिया हो या स्कूल कॉलेज की, पार्टी या फिर रैंप पर चलने की बात हो, पहनावे में हाई हील के जूते या सैंडल पहनना आम बात है। इन्हें पहन कर लगता है कि उनका आत्मविश्वास बढ़ गया है। चाल तो बदलेगी ही, लेकिन उन्हें पहन कर लटक-मटक के साथ चलने के लिए उन्हें क्या-क्या दांव पर लगाना पड़ता है, इसका अंदाजा पहले नहीं हो पाता। बाद में जब पैरों से लेकर रीढ़ की हड्डी तक में दर्द की शिकायत होने लगती है तो पता चलता है कि यह फैशन बड़ा ही दुखदायी है। चाल व शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है।

आजकल की किशोरियों में यह खतरा अधिक माना जाता है क्योंकि वे छोटी आयु से ही ऊंची एड़ी के जूते पहनने लगती हैं। बड़े होने पर उन्हें कूल्हों का दर्द से लेकर कमर दर्द का जोखिम अधिक रहता है क्योंकि किशोरावास्था में उनकी मेरुदंड पर अधिक प्रभाव पड़ता है।

इससे मोच की समस्या आम तौर पर हो जाती है क्योंकि एड़ी उठा कर चलना कोई आसान काम नहीं है। परिणामस्वरूप स्प्रेन ऑफ द फुट यानी पैर में मोच। यह एक आम समस्या है जो अक्सर हाई हील के कारण ही होती है। यह समस्या 20 से लेकर 35 वर्ष तक की युवतियों को ज्यादा होती है क्योंकि आजकल ज्यादातर युवतियां फैशन परस्त हैं और अपने आप को मॉडर्न दिखाने के लिए हाई हील पहनना उनका शौक बनता जा रहा है।

शुरुआत में तो इसका प्रभाव सिर्फ पैरों में सूजन के रूप में देखने को ही मिलता है, लेकिन साल दो साल बाद लगातार हील पहनने की वजह से पांव में लगातार दर्द, नसों में खिंचाव, पीठ दर्द और घुटनों में दर्द के रूप में दिक्कतें सामने आती हैं। शुरुआत में बार-बार पांव में मोच आती है और गंभीर रूप से दर्द होता रहता है। इलाज के रूप में जो भी पहनते हैं, उसमें मैट्रोसॉल बार लगानी पड़ती है।

कदम-कदम पर परेशानी

हाल के अनुसंधान से पता चलता है कि लंबे समय तक 'किलर हील्स' पहनने वाली एक-तिहाई महिलाओं की पैरों की अंगुलियों के फूलने (हैमरटोज) से लेकर टांग की नसों में गोखरू (बनियोन) जैसी दर्दनाक स्थायी बीमारियां होने लगती हैं। ऊंची एड़ी के जूतों से पूरे पैर में परेशानी शुरू हो जाती है। जब पैर का बड़ा अंगूठा ठीक से घूम नहीं सकता तो उसकी भरपाई करने के लिए घुटने को घुमाना पड़ता है। परिणामस्वरूप घुटने पर दबाव आने से स्थाई नुकसान हो सकता है। कुछ महिलाएं इस परेशानी से बचने के लिए अपनी चाल को बदल लेती हैं, लेकिन इससे कमर के निचले हिस्से में दर्द होने लगता है।

पांव की शेप का सत्यानाश

हील किसी भी रूप में पहनी जाए तो वह पैर के अगले हिस्से को चौड़ा कर देती है। हाई हील पहनना किसी भी स्त्री के लिए कितना खतरनाक हो सकता है, यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि वो कितना चलती है और कितने समय तक खड़ी रहती है।

अस्पताल ले जाती हैं हाई हील

हाई हील पहनने की वजह से पैरों में सूजन भी रहने लगती है और सबसे ज्यादा असर तो रीढ़ की हड्डी पर पड़ता है। हील पहनने से उस पर प्रेशर पड़ता है जिस कारण हड्डी के एक हिस्से में लगातार दर्द रहने लगता है। एक सर्वे के अनुसार देश की बीस लाख औरतें किसी न किसी रूप में हाई हील के कारण दुर्घटनावश अस्पताल पहुंचती हैं। चिकित्सकों के मुताबिक लंबे समय तक ऊंची एड़ी के जूते या सैंडिल पहनना खतरे से खाली नहीं है। लंबे समय तक ऊंची एड़ी के जूते पहनने से होने वाले नुकसान को लेकर विशेषज्ञों की चिंता बढ़ रही है।

दिक्कत है, दर्द है, मगर फैशन है

दस में से एक महिला सप्ताह में कम-से-कम तीन दिन ऊंची एड़ी के जूते पहनती हैं और हाल के सर्वे से पता चला है कि उनमें से एक-तिहाई महिलाएं ऊंची एड़ी के जूतों की वजह से गिर जाती हैं। ऊंची एड़ी के जूते पहनने से आपकी एड़ी ऊंची हो जाती है और ऐसे जूते पहनते ही आपके शरीर का झुकाव आगे की ओर हो जाता है।

कौन करेगा पैरोकारी

ऊंची एड़ी के जूतों की पैरवी में कुछ नहीं कहा जा सकता। औसत महिलाएं ऊंची एड़ी के जूते नहीं पहनतीं, यह उनके लिए बेशक अच्छी बात है। जब आपकी कमर का निचला हिस्सा आगे की ओर झुकता है तो इसका संतुलन बनाए रखने के लिए आपको मेरुदंड की स्थिति में बदलाव करना पड़ता है। इससे पीठ की नसों पर दबाव पड़ता है और इसकी वजह से स्थिति और बदतर हो जाती है। इसकी वजह से साइटिका नामक बीमारी हो सकती है जिसमें नसें खिंच जाती हैं और पैर के नीचे की ओर दर्द रहता है और वह सुन्न हो जाता है।

कभी-कभी पहनें हील

जो महिलाएं अधिकतर ऊंची एड़ी के जूते पहनती हैं, उन्हें नस खिंचने की बीमारी हो जाती है क्योंकि जैसे ही एड़ी ऊपर की ओर उठती है, वैसे ही नस खिंचने लगती है। इसे पुनः खींचकर फैलाना बहुत पीड़ाजनक हो सकता है। तीन या अधिक महिलाओं का एचिली टेंडन खिंच सकता है। यह स्थिति तब की है जब वे प्रतिदिन ऊंची एड़ी नहीं पहनतीं या सप्ताह में एक या दो बार पहनती हैं। कई महिलाओं को हैमरटोज भी हो जाता है क्योंकि टाइट फिटिंग वाले जूते पैर की अंगुलियों को मोड़ देते हैं, अंदर की मांसपेशियां छोटी होने से अंगुलियां हमेशा के लिए मुड़ जाती हैं। अन्य आम शिकायतों में गोखरू, गलत फिटिंग वाले जूतों से अंगूठे के नीचे की हड्डी का बढ़ना, तथाकथित पम्प-बम्प शामिल है जिसमें बम्प स्टाइल के जूतों के फीतों तथा कठोर बैक से एड़ी की हड्डी बढ़ती है।

समस्या होने पर क्या करें

- हाई हील के बजाए फुटवियर के रूप में प्लेन चप्पल पहनें, जिसमें एक समान बोझ पैर पर पड़े।
- अगर दर्द बढ़ने लगे तो डॉक्टर की सलाह लें।
- पैरों, घुटनों, रीढ़ की हड्डी में दर्द होने पर सिकाई करें। चाहें तो गर्म पानी में नमक डालकर सेंक सकते हैं।
- डॉक्टर का सलाह से एक्सरसाइज भी की जा सकती है।
- ज्यादा दर्द रहने पर सलाह से ही दर्द निवारक दवाएं लें।

ऊंची एड़ी के जूतों से होने वाले जोखिम को कम करने के लिए थोड़ी-सी मोटी एड़ी वाले जूते पहनें क्योंकि इससे भार अधिक समानता से फैलेगा। अंदर नरम इंसोल्स पहनने से घुटनों पर पड़ने वाले प्रभाव में कमी आती है। ध्यान रखें आपके जूते की फिटिंग सही हो ताकि वह आगे की ओर न फिसलें। ऐसा होने से उंगलियों पर अधिक दबाव पड़ता है।

नियमित रूप से ऊंची एड़ी के जूते पहनना स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा नहीं होता। औपचारिक अवसरों पर थोड़ी देर के लिए उनका उपयोग करना ठीक हो सकता है। यदि आप कुछ घंटे के लिए ऊंची एड़ी के जूते पहनें तो कोई नुकसान नहीं होगा।

कुछ चर्चित केस

- विक्टोरिया बैकहम को भला कौन नहीं जानता। ऊंची एड़ी के जूते पहनना उनका ट्रेडमार्क है, लेकिन ऊंची एड़ी के जूते के प्रति उनके इस प्रेम ने उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया था। छह इंच की स्टिलैटो पहनने की वजह उनके पैर में गोखरू हो गया और उनका चलना-फिरना मुश्किल हो गया। लेकिन उनका हाई हील प्रेम इतना जबर्दस्त है कि वे इसे छोड़ना नहीं चाहतीं, बेशक इसकी वजह से उनके पैरों में दर्द रहता है। उनकी पहचान ही यही है।
- रैम्प पर चलते हुए एक मॉडल लड़खड़ा कर गिर गई। हाई हिल की वजह से उसके पैर में सूजन और नस खिंचाव की समस्या हो गई है।
- कई लड़कियां ऑफिस जाने के लिए हाई हील को प्राथमिकता देती थीं। उन्हें क्या पता था कि हाई हील का यह शौक उन्हें रीढ़ की हड्डी की बीमारी दे देगा।

संपादकीय

शहर के लिए आपका मत

स्थानीय निकाय चुनावों के प्रथम चरण का बिगुल बज गया है और तपती दोपहरी के आलम में इस बार मुद्दे कितने तपेंगे यह देखने के लिए आचार संहिता शुरू हो गई। यह दीगर है कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव अभी अपनी फेहरिस्त के दरवाजे नहीं खोल पाए, फिर भी हिमाचल में कुछ दिनों तक चुनावी चाशनी व चटनी एक साथ परोसी जाएगी। राजनीतिक फलक पर बिखरे संवाद, टूटे धागे और नए समीकरणों के आगोश में राजतिलक की तैयारियां। जाहिर है हिमाचल अपने 51 शहरों के गठजोड़ से शहरीकरण की फिर से व्याख्या करेगा। नगर निकाय नेतृत्व के कई सवाल बांसुरी बजा रहे हैं, तो सियासत की सीढियों पर नजरें गड़ाए कई लोग शिरकत करेंगे। सुखद पहलू यह कि गांव से नगर पंचायत, नगर पंचायत से नगर परिषद और नगर परिषदों से नगर निगमों के सफर पर निकले शहर अब शहरी जरूरतों के अलग से मुद्दे चुनने लगे हैं, लेकिन पार्षदों की पहचान में अभी हिमाचल परिपक्व नहीं हुआ, नतीजतन नगर निगम स्तर पर भी केवल खिचड़ी ही पक रही है। कम से कम जनता तक यह संदेश कौन देगा कि शहरीकरण के माध्यम से जीने की परीक्षा और अस्तित्व की पहचान में फर्ज अदायगी ही क्यों बढ़ जाती है। यहां गांव के चूल्हा कर से शहर के प्रापर्टी टैक्स की जरूरत को लंगड़ी मारने का अभिप्राय यह कि जनता निरंकुश घोंसलों में रहना चाहती है। तीसरे चुनाव के करीब पहुंचे नगर निगम धर्मशाला में सम्मिलित इलाकों के बाशिंदे, अगर प्रापर्टी टैक्स देने की न नुकर में इतिहास लिख रहे हैं, तो शहर आगे बढ़ेंगे कैसे। आश्चर्य यह भी है कि शहरीकरण की चुनौतियों के सामने भविष्य का कोई स्पष्ट खाका नहीं बना है। जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति, जल निकासी, सीवरेज, शहरी परिवहन, आधुनिक बाजार, पार्क व पार्किंग जैसी आधारभूत सुविधाओं के खाके ही अधूरे हैं, तो आगे बढऩे की दृष्टि कैसी होगी। केवल राजनीति का एक अखाड़ा बनकर, कांग्रेस बनाम भाजपा साबित होने की मंशा ही अगर चुनाव हैं, तो नागरिक समाज कैसे रेखांकित होगा। नगर निगम चुनाव के प्रत्याशी अधिकतम एक लाख रुपया ही खर्च पाएंगे, तो आदर्शवाद की ये लोरियां केवल सुनने में ही अच्छी लगती हैं, जबकि हकीकत यह है कि राजनीतिक चुनाव चिन्ह को जिंदा रखने के लिए अब खर्च के आदर्श ही बदल गए हैं। आम चुनावों की तरह नगर निकाय के चुनावी युद्ध में चारित्रिक विध्वंस के कई पड़ाव सामने आने लगे हैं। ऐसे में न शुचिता और न ही शुद्धता की देखरेख में चुनावी परिपाटी आगे बढ़ेगी। यह दीगर है कि प्रदेश का सियासी मूड और राजनीतिक पार्टियों की शैलियां रूबरू होंगी। उम्मीद करनी चाहिए कि सत्तारूढ़ व विपक्षी दल, शहरीकरण के लिहाज से अपने वादे सामने रखें और यह बताएं कि उनके मॉडल क्या हैं। महिला आरक्षण की नई ताजपोशियां और समाज के समानांतर राजनीति अखाड़ों की मिट्टी से कई खिलौने बनाए जाएंगे। सियासत अपने चेहरे देखेगी, विपक्ष को एक नया अवसर तथा चुनाव की तलहटी में बिछे मुद्दों को आक्सीजन मिलेगी, तो नागरिक अधिकारों का मुद्दा कहीं बहुत पीछे रह जाएगा। देखना यह होगा कि अपनी छोटी इकाइयों में हिमाचल क्या खुद को सुशासन में ढाल पाएगा। आर्थिक मोर्चे पर शहरीकरण से उपजे रोजगार के प्रति हम क्या कर पाते हैं। आश्चर्य यह कि हिमाचल के शिमला और धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजनाएं अपना मकसद पूरा नहीं कर पाईं। टीसीपी कानून की झंडियां शहरीकरण की मूल भावना नहीं समझ पाईं। चूल्हा और प्रापर्टी टैक्स से बचते नागरिक शहरीकरण के मूल सिद्धांत को ही अस्वीकार कर रहे हैं, तो निकाय चुनावों के परिणामों से हम क्या आशा करेंगे।

नगर निकाय नेतृत्व के कई सवाल बांसुरी बजा रहे हैं, तो सियासत की सीढ़ियों पर नजरें गड़ाए कई लोग शिरकत करेंगे। सुखद पहलू यह कि गांव से नगर पंचायत, नगर पंचायत से नगर परिषद और नगर परिषदों से नगर निगमों के सफर पर निकले शहर अब शहरी जरूरतों के अलग से मुद्दे चुनने लगे हैं, लेकिन पार्षदों की पहचान में अभी हिमाचल परिपक्व नहीं हुआ, नतीजतन नगर निगम स्तर पर भी केवल खिचड़ी ही पक रही है। कम से कम जनता तक यह संदेश कौन देगा कि शहरीकरण के माध्यम से जीने की परीक्षा और अस्तित्व की पहचान में फर्ज अदायगी ही क्यों बढ़ जाती है। यहां गांव के चूल्हा कर से शहर के प्रापर्टी टैक्स की जरूरत को लंगड़ी मारने का अभिप्राय यह कि जनता निरंकुश घोंसलों में रहना चाहती है। तीसरे चुनाव के करीब पहुंचे नगर निगम धर्मशाला में सम्मिलित इलाकों के बाशिंदे, अगर प्रापर्टी टैक्स देने की न नुकर में इतिहास लिख रहे हैं, तो शहर आगे बढ़ेंगे कैसे। आश्चर्य यह भी है कि शहरीकरण की चुनौतियों के सामने भविष्य का कोई स्पष्ट खाका नहीं बना है। जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति, जल निकासी, सीवरेज, शहरी परिवहन, आधुनिक बाजार, पार्क व पार्किंग जैसी आधारभूत सुविधाओं के खाके ही अधूरे हैं, तो आगे बढ़ने की दृष्टि कैसी होगी। केवल राजनीति का एक अखाड़ा बनकर, कांग्रेस बनाम भाजपा साबित होने की मंशा ही अगर चुनाव हैं, तो नागरिक समाज कैसे रेखांकित होगा। नगर निगम चुनाव के प्रत्याशी अधिकतम एक लाख रुपया ही खर्च पाएंगे, तो आदर्शवाद की ये लोरियां केवल सुनने में ही अच्छी लगती हैं, जबकि हकीकत यह है कि राजनीतिक चुनाव चिन्ह को जिंदा रखने के लिए अब खर्च के आदर्श ही बदल गए हैं।

परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है

छात्रों का आत्मघातः सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी?

ललित गर्ग

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा गहरा प्रश्नचिह्न हैं। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है। एक बड़ा सवाल है कि इस तरह छात्रों का आत्मघात करना क्या सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी? आज भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा जिस मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दबे हैं, वह अभूतपूर्व चिन्ताजनक है। कोटा जैसे शिक्षा नगरों में हर वर्ष दर्जनों छात्र आत्महत्या करते हैं। इन घटनाओं को हम आंकड़ों में बदल देते हैं, लेकिन हर आंकड़े के पीछे एक जीवित सपना, एक संघर्षरत परिवार और टूटती उम्मीदों की कहानी होती है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य शिक्षा केंद्रों में बढ़ती आत्महत्याएं इस बात का संकेत हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में कुछ मूलभूत त्रुटियां हैं। यह केवल पढ़ाई का दबाव नहीं है, यह उस मानसिक संरचना का संकट है, जिसमें सफलता को जीवन का पर्याय बना दिया गया है और असफलता को जीवन का अंत। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 2018 से 2023 के बीच उच्च शिक्षण संस्थानों में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें सबसे अधिक घटनाएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुईं, इसके बाद एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का स्थान है। यह तथ्य इस धारणा को तोड़ता है कि केवल कमजोर छात्र ही मानसिक तनाव का शिकार होते हैं। सच्चाई यह है कि सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील छात्र ही अक्सर सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि वे स्वयं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखते हैं और असफलता को स्वीकार नहीं कर पाते। यहां प्रश्न केवल संस्थानों का नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भी है जिसने सफलता को एक संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया है। परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है। अभिभावक अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर कोचिंग संस्थानों में बच्चों को भेजते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं और अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के मन पर इतना भारी पड़ता है कि वे स्वयं को एक प्रोजेक्ट की तरह देखने लगते हैं, एक इंसान की तरह नहीं। जब यह प्रोजेक्ट असफल होता है, तो उन्हें लगता है कि उनका अस्तित्व ही निरर्थक हो गया है। शिक्षा व्यवस्था का ढांचा भी इस संकट के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को ज्ञान तो देती है, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखाती। उन्हें बताया जाता है कि गणित कैसे हल करना है, लेकिन यह नहीं सिखाया जाता कि जीवन की समस्याओं का समाधान कैसे करना है। उन्हें भौतिकी के नियम याद कराए जाते हैं, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखना है। परिणामस्वरूप, जब वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों से सामना करते हैं तो वे टूट जाते हैं। आज के शिक्षण संस्थानों में शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध भी बदल गया है। पहले शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और संरक्षक होते थे। आज यह संबंध औपचारिक हो गया है। कई शिक्षक अपनी भूमिका को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखते हैं। वे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके भावनात्मक संघर्षों और उनके आंतरिक द्वंद्व को समझने का प्रयास नहीं करते। यह दूरी छात्रों को और अधिक अकेला बना देती है। विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निर्माताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि उच्च शिक्षण संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं। राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास द्वारा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन केवल जांच समितियां बनाना समस्या का समाधान नहीं है। समितियां रिपोर्ट दे सकती हैं, लेकिन वे खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकतीं। आवश्यकता इस बात की है कि हम समस्या की जड़ तक पहुंचें और उसे दूर करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक उपाय करें। छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को केवल मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह एक व्यापक सामाजिक संकट है, जिसमें शिक्षा प्रणाली, पारिवारिक संरचना, सामाजिक अपेक्षाएं और व्यक्तिगत मनोविज्ञान सभी शामिल हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहां सफलता की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को पीछे छोड़ दिया है। यहां हर कोई आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन यह भूल जाता है कि इस दौड़ में पीछे छूटने वाले भी इंसान हैं। इस समस्या का समाधान केवल नीतिगत बदलावों से नहीं होगा, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें शिक्षा की परिभाषा को बदलना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संतुलित और सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। छात्रों को यह सिखाया जाना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। दूसरे, अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि वे उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, न कि उनकी सफलता। उन्हें बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ नहीं डालना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। तीसरे, शिक्षण संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझना होगा। उन्हें केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। हर संस्थान में प्रभावी काउंसलिंग सिस्टम होना चाहिए, जहां छात्र बिना किसी डर या संकोच के अपनी समस्याएं साझा कर सकें। शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे छात्रों के व्यवहार में होने वाले बदलावों को पहचान सकें और समय रहते उनकी सहायता कर सकें। निश्चिततौर पर समाज को भी अपनी संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करना होगा। हमें यह समझना होगा कि हर जीवन अमूल्य है और किसी भी सफलता से अधिक महत्वपूर्ण है। हमें एक ऐसा वातावरण बनाना होगा, जहां बच्चे बिना किसी भय के अपने सपनों का पीछा कर सकें और असफल होने पर भी सम्मान के साथ जी सकें। यदि हम इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाते, तो यह संकट और गहराता जाएगा। हर आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि हमारे समाज की विफलता का प्रमाण होती है। अब समय आ गया है कि हम इस विफलता को स्वीकार करें और इसे सुधारने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। तभी हम अपने युवाओं को इस आत्मघाती मार्ग से बचा सकेंगे और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकेंगे।

कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा गहरा प्रश्नचिह्न हैं। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है।

देश दुनिया से

वैश्विक औसत से बहुत दूर है सत्ता में महिलाओं की भागीदारी

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का बिल गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी और विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताई है। हांलाकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर यह अलग बहस का विषय हो सकता है। पर एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामलें में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विष्लेषण करे तो हमारे देश का स्थान 147 वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 महिला राष्ट्राध्यक्ष महिलाएं है तो दुनिया के केवल 8 देश ही ऐसे हैं जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनावों में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी 19 राज्यों केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी और करने की रही है, यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला। एक बात साफ हो जानी चाहिए राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहे या महिलाओं को आगे लाने की कितनी भी बात करें पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक महिलाओं की बढ़ नहीं पाई है। महिला प्रतिनिधित्व का वैश्विक औसत जहां 27.5 प्रतिशत है वहीं हमारे देश में अभी तक यह 14-15 प्रतिशत तक पहुंच पाया है। रौचक बात यह है कि 2009 की 15 वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी नहीं पहुंचा था। 15 वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। हांलाकि 1977 में आपातकाल के ठीक बाद की लोकसभा में सबसे कम भागीदारी केवल 3.5 प्रतिशत ही रह गई थी। पर 1977 के हालात अलग थे और उनको अलग करके देखा जाना चाहिए। उस समय आपातकाल के बाद की स्थितियां थी। 18 वीं लोकसभा में 17 वीं लोकसभा की तुलना में 3 महिला सांसद कम है। इस तरह से 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही। जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्य सभा में टीएमसी दल की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो कांग्रेस की भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। जहां तक राज्यों का प्रश्न है तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में है। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य है। त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य है। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं है। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है जहां सबसे कम महिला सदस्य है। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य है। खैर इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा। इसका जीता जागता उदाहरण पंचायतीराज व स्थानीय स्वशासन संस्थाएं है। जहां महिलाओं की सीटे आरक्षित होने से आज तस्वीर ही बदल गई है। आज सरपंच पति या प्रधान पति वाली बात भी नहीं रही है। पिछले चुनाव परिणाम भी यह साफ कर चुके हैं कि आज महिलाएं अपने निर्णय स्वयं लेती है। यही कारण है कि सरकार बनने और बनाने में महिलाओं मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रही है। आने वाले समय में इसमें और अधिक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। ऐसे में एक बात साफ हो जानी चाहिए कि बिना आरक्षित सीटों के विधानसभाओं या संसद में महिला सदस्यों की हिस्सेदारी बढ़ने की कल्पना करना बेमानी होगी। यह तो संवैधानिक बाध्यता से ही संभव हो पाएगा। यह सभी राजनीतिक दलों को समझना होगा।

आप का नज़रिया

'तार्किक विसंगति' कौन चिडिया?

भारत के चुनाव आयोग का आदर्श वाक्य रहा है-'एक भी मतदाता छूटना नहीं चाहिए।' आज के दौर में यह आदर्श वाक्य 'अनादर्श' में तबदील होकर गायब हो गया है। हम चुनाव आयोग के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का विश्लेषण करते आए हैं और हमने सवाल भी उठाए हैं। जिस संविधान ने चुनाव आयोग को विशेष शक्तियां दी हैं, उसी संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार दिए हैं। मताधिकार उन्हीं में से एक है। मताधिकार हमारे लोकतंत्र की संजीवनी है, रीढ़ है, क्योंकि मताधिकार के जरिए ही हम अपने जन-प्रतिनिधियों को चुनते हैं। वे संसद और विधानसभा में बैठ कर लोकतंत्र की राष्ट्रीय व्यवस्था संचालित करते हैं। इससे भयानक, क्रूर विडंबना और लोकतंत्र का दुर्भाग्य क्या होगा कि चुनाव आयोग ही मताधिकार छीन रहा है और असंख्य मतदाताओं के नाम काट चुका है। आज गुरुवार, 23 अप्रैल, पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का मतदान है, 152 सीटों पर लोग मताधिकार का प्रयोग करके अपना जनादेश तय करेंगे, लेकिन 14,28,771 मतदाताओं को 'तार्किक विसंगति' की श्रेणी में रख कर उनके मताधिकार को अधर में लटका दिया गया है। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। इसके संदर्भ में 12,87,622 मतदाताओं के नाम पर 'लाल लकीर' फेर दी गई है। आखिर यह 'तार्किक विसंगति' किस चिडिया का नाम है? संविधान में इसके तहत कोई और विशेषाधिकार निहित नहीं हैं। ऐसे सवाल देश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त भी उठा रहे हैं और आयोग के आदर्श वाक्य पर हैरान और क्षुब्ध हैं। बंगाल में 27 लाख से अधिक मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार छीन लिए गए, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने सीधा, स्पष्ट आदेश नहीं दिया है कि विचाराधीन लोगों को कमोबेश वोट डालने दिया जाए, क्योंकि वे मतदाता सूचियों में दर्ज रहे हैं। ऐसी विशेष शक्तियां संविधान ने न्यायपालिका, खासकर सर्वोच्च अदालत को भी दी हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह तो आदेश दिया था कि जिनकी अपील स्वीकार हो जाती है, उन मतदाताओं की एक पूरक सूची 21 अप्रैल और 27 अप्रैल को प्रकाशित की जाए और उन्हें वोट देने का पूरा संवैधानिक अधिकार है। सवाल है कि मतदान तो शुरू हो चुका है, लेकिन पूरक सूची कहां है? चुनाव आयोग कमोबेश प्रेस वार्ता कर यह स्पष्ट कर सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार खामोश क्यों रहते हैं? जब राजनीतिक प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलने जाते हैं, तो वह फटकार कर उन्हें बोल देते हैं-दफा हो जाओ! यह क्या है? क्या ज्ञानेश कुमार सामंतवादी, एकाधिकारवादी हैं? सवालिया यह भी है कि अपील सुनने वाले सभी 19 ट्रिब्यूनल भी कहां हैं? यह सवाल सर्वोच्च अदालत ने कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भी पूछा है। 'तार्किक विसंगति' अन्य राज्यों के एसआईआर में तो तय नहीं की गई। उप्र में भी 2.89 करोड़ मतदाता विचाराधीन थे। वहां मामला कैसे निपट गया? इसके अलावा, 85 लाख और मतदाता कहां से आ गए? बिहार में भी 10,000 से कम मतदाताओं के नाम सवालिया थे, लिहाजा विचाराधीन थे। वहां तो 'तार्किक विसंगति' नहीं बनाई गई। दरअसल अंग्रेजी में लिखे नामों की वर्तनी (स्पेलिंग) कई तरह से लिखी जाती है। मसलन-'चौधरी' शब्द की वर्तनी ही दसियों तरीके से लिखी जाती है। क्या महज इसी आधार पर किसी का मताधिकार छीना जा सकता है? यदि माता-पिता की उम्र अथवा दादा-दादी की उम्र में अंतर हैं, तो अगली पीढ़ी को मताधिकार से वंचित कैसे रखा जा सकता है? मताधिकार तो प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक, मौलिक अधिकार है। चुनाव आयोग ने जिन लाखों लोगों के नाम काट दिए हैं, क्या वे अब देश के नागरिक नहीं हैं? क्या जनगणना में उनके नाम नहीं गिने जाएंगे? क्या उन्हें, देर-सबेर, देश से बाहर कर दिया जाएगा? नागरिकता तय करना कोई चुनाव आयोग की 'चैरिटी' नहीं है, न ही विशेषाधिकार है। 'तार्किक विसंगति' की श्रेणी में जो मतदाता हैं, उनमें करीब 66 फीसदी मुसलमान हैं और 32 फीसदी हिंदू हैं।

हम चुनाव आयोग के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का विश्लेषण करते आए हैं और हमने सवाल भी उठाए हैं। जिस संविधान ने चुनाव आयोग को विशेष शक्तियां दी हैं, उसी संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार दिए हैं। मताधिकार उन्हीं में से एक है। मताधिकार हमारे लोकतंत्र की संजीवनी है, रीढ़ है, क्योंकि मताधिकार के जरिए ही हम अपने जन-प्रतिनिधियों को चुनते हैं। वे संसद और विधानसभा में बैठ कर लोकतंत्र की राष्ट्रीय व्यवस्था संचालित करते हैं। इससे भयानक, क्रूर विडंबना और लोकतंत्र का दुर्भाग्य क्या होगा कि चुनाव आयोग ही मताधिकार छीन रहा है और असंख्य मतदाताओं के नाम काट चुका है। आज गुरुवार, 23 अप्रैल, पश्चिम बंगाल में प्रथम चरण का मतदान है, 152 सीटों पर लोग मताधिकार का प्रयोग करके अपना जनादेश तय करेंगे, लेकिन 14,28,771 मतदाताओं को 'तार्किक विसंगति' की श्रेणी में रख कर उनके मताधिकार को अधर में लटका दिया गया है। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। इसके संदर्भ में 12,87,622 मतदाताओं के नाम पर 'लाल लकीर' फेर दी गई है। आखिर यह 'तार्किक विसंगति' किस चिडिया का नाम है? संविधान में इसके तहत कोई और विशेषाधिकार निहित नहीं हैं।

कुछ अलग

अपने मुंह मियां मिट्ठू बनना

यहां जो लोग हमें मिलते हैं, उनकी निपुणता अपना प्रशस्ति गायन स्वयं करने में होती है। अपने मुंह मियां मि_ बनना इतनी पुरानी कहावत हो गई है कि अब तो बच्चे भी इसे नहीं दोहराते। हमें लगता है कि अपना प्रशस्ति गायन करना और करते रहना अब एक ऐसी कला में बदल गया है, कि ये लोग अपनी शान में कसीदे पढ़ते हुए तनिक भी नहीं झिझकते, और फिर उम्र भर यही विश्वास जीते चले जाते हैं, कि ये सब गुण उनमें सदा से थे, आपको ही नजर नहीं आए। यह बात केवल एक व्यक्ति के लिए ही नहीं, पूरे देश पर लागू हो रही है। हम अपने देश को सबसे बड़ा गणतंत्र बताते हुए तनिक भी नहीं झिझकते। दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र, लेकिन यह सबसे उत्तम भी है क्या? इसका उत्तर इसका कोई पैरोकार नहीं देता। कभी 77 वर्ष पहले जब इस देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना का संविधान घोषित हुआ था, तब सबको विश्वास था कि जनाब इतना प्राचीन और पवित्र देश है कि आज भी इस देश में वैदिक ऋचाएं गूंजती रहती हैं। नैतिक मूल्यों का वर्चस्व है। देश आजाद हो गया है। अब तो राजमुकुट एक साधारण से साधारण आदमी भी पहन सकेगा। जनता का राज आ गया है। अब एक किसान और मजूर का बेटा भी सत्तारूढ़ होकर सबके भले के लिए सोच सकेगा। विशेषकर अपनी उन कठिनाइयों का समाधान अवश्य कर लेगा, जो सदियों से यहां लंबित हैं, और जिनका समाधान न होने का धीरज हम सबने अब पैदा कर लिया है। लीजिये साहब तीन चौथाई से ज्यादा सदी गुजर गई। हम लोग मेलों ठेलों में यकीन करते हैं न, इसलिए इस आजादी को अमृत कह उसका महोत्सव भी हमने मना लिया।

दृष्टि कोण

बंगाल की बिसात पर योगी की 'हिदुत्व' वाली गर्जना

बंगाल की राजनीति के वेंद्र में इस समय केवल चुनावी आंकड़े नहीं, बल्कि विचारधाराओं का वह प्रचंड टकराव है जिसने भारतीय राजनीति के दो ध्रुवों को बिल्वुल आमने-सामने खड़ा कर दिया है। एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो भगवा चोले में हिदुत्व की धार और 'बुलडोजर मॉडल' की धमक लेकर बंगाल की गलियों में टीएमसी के किले को ढहाने निकले हैं, तो दूसरी ओर समाजवादी पाटा के मुखिया अखिलेश यादव हैं, जिन्होंने इस चुनावी शोर से एक सोची-समझी दूरी बना रखी है। यह दूरी महज संयोग नहीं, बल्कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव और दिल्ली की गद्दी के लिए बुनी जा रही उस बिसात का हिस्सा है, जहां हर कदम पूंक-पूंक कर रखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ का बंगाल में उतरना महज एक स्टार प्रचारक की मौजूदगी नहीं है, बल्कि यह एक सांस्वृतिक और राजनीतिक संदेश है जो सीधे लखनऊ के गलियारों तक पहुंच रहा है। योगी आदित्यनाथ जब पुरुलिया या कोलकाता की सड़कों पर गरजते हैं, तो उनके निशाने पर सिर्प ममता बनजा नहीं होतीं, बल्कि वह तुष्टिकरण की उस राजनीति पर प्रहार करते हैं जिसे भाजपा बंगाल में अपनी जीत की वुंजी मानती है। योगी का 'स्ट्राइक रेट' अब सिर्प चर्चा का विषय नहीं, बल्कि विपक्षी खेमे के लिए सिरदर्द बन चुका है। बिहार चुनाव में 90 फीसदी और दिल्ली में करीब 78 फीसदी की सफलता दर ने उन्हें भाजपा का सबसे बड़ा 'इम्पैक्ट मेकर' बना दिया है। वह बंगाल की धरती पर खड़े होकर जब यह कहते हैं कि 'बंगाल की पहचान काबा से नहीं, मां कालीबाड़ी से है', तो वह दरअसल बंगाली अस्मिता को हिदुत्व के साथ जोड़कर एक नया नैरेटिव सेट कर रहे होते हैं। उनका सीधा हमला कोलकाता के मेयर के उस बयान पर है जिसमें उर्दू की वकालत की गईं थी। योगी यहां स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि बंगाल में केवल बंगाली और भारतीय संस्वृति चलेगी, किसी भी प्रकार का विदेशी प्रभाव या तुष्टिकरण स्वीकार्यं नहीं होगा। दूसरी ओर, अखिलेश यादव की खामोशी उत्तर प्रदेश की राजनीति के भविष्य की ओर इशारा करती है। बंगाल में ममता बनजा और अखिलेश के संबंध जगजाहिर हैं। ममता ने यूपी चुनाव में अखिलेश के लिए रैलियां कीं, लेकिन आज जब बंगाल में ममता को उनकी जरूरत थी, तब अखिलेश ने खुद को पीछे खींच लिया। इसके पीछे 'गठबंधन धर्म' का पेचीदा गणित है। बंगाल में कांग्रेस और लेफ्ट एक साथ हैं और टीएमसी के खिलाफ लड़ रहे हैं। यूपी में अखिलेश और कांग्रेस का अटूट साथ है। अगर अखिलेश बंगाल में ममता के मंच पर जाते, तो यूपी में कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों में दरार आ सकती थी। भाजपा को यह कहने का मौका मिल जाता कि अखिलेश 'दो नावों की सवारी' कर रहे हैं। साथ ही, बंगाल में जिस तरह से ध्रुवीकरण की राजनीति चरम पर है, अखिलेश नहीं चाहते कि वह ममता के साथ खड़े होकर 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के उन आरोपों को खुद पर ओढ़ लें, जिससे वह यूपी में 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के जरिए बचने की कोशिश कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ का 'यूपी मॉडल' बंगाल में एक ब्रांड बन चुका है। वह अपनी रैलियों में बार-बार 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश और आज के उत्तर प्रदेश की तुलना करते हैं। वह बताते हैं कि वैसे कभी यूपी में माफियाओं का राज था, वैसे सड़कों पर नमाज के नाम पर अराजकता होती थी और वैसे त्योहारों पर पाबंदियां थीं। उनका 'नो कफ्र्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा' का नारा बंगाल के उन मतदाताओं को आर्कषित कर रहा है जो कानून-व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। योगी का बुलडोजर अब सिर्प एक मशीन नहीं, बल्कि सुशासन का प्रतीक बन चुका है, जिसे वह बंगाल में टीएमसी के 'गुंडाराज' के खिलाफ एक हथियार के तौर पर पेश कर रहे हैं। वह टीएमसी कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हैं कि भाजपा की सरकार बनते ही अपराधी जेल में होंगे, ठीक वैसे ही जैसे यूपी के माफिया आज बिलों में छिपे हैं या जेल की सलाखों के पीछे हैं।

जहीर बोले, पहले टी20 टीम में जगह पक्की करने पर ध्यान दें श्रेयस अय्यर

मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के सितारे इस समय बुलंद हैं। उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं टीम लगातार जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों की ओर से ये मांग हो रही है कि श्रेयस को टी20 प्रारुप में भी भारतीय टीम की कप्तानी देनी चाहिये। हैं। वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि श्रेयस को फिलहाल कप्तानी के बारे में सोचने की जगह पर पहले भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने पर ध्यान देना चाहिए। जहीर के अनुसार, पहले टीम में जगह बनाना जरूरी है, कप्तानी अपने आप आ सकती है।

जहीर ने अय्यर को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर निरंतर ध्यान बनाए रखने की सलाह दी। उनके अनुसार, अगर अय्यर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते रहते हैं और टीम में अपनी स्थिति को मजबूत करते हैं, तो भविष्य में कप्तानी के लिए वह एक स्वाभाविक और मजबूत दावेदार बन जाएंगे। इसका कारण है कि निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और व्यक्तिगत प्रदर्शन का उच्च स्तर बनाए रखना किसी भी बड़े अवसर का मार्ग प्रशस्त करता है। जहीर ने इस युवा बल्लेबाज की सराहना करते हुए माना है कि उन्होंने अपनी टीम के लिए लगातार रन बनाए हैं और टीम की सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अय्यर ने पिछले सत्र में भी 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं इस सत्र में अब तक के 6 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक रन बनाये हैं1 अय्यर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी के साथ हीकुशल कप्तानी से भी लगातार छाये हुए हैं। वह आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। ऐसे में कई लोग उन्हें भविष्य के भारतीय कप्तान के रूप में भी देख रहे हैं, जो उनकी आलराउंड क्षमता का परिचायक है। हालांकि, यह राह आसान नहीं है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल के दिनों में प्रभावशाली सफलताएं हासिल की हैं, जिससे टी20 प्रारूप में कप्तानी के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है।

न्यूज ब्रीफ

आर्चर रायल्य की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने, चहल का रिकार्ड तोड़ा

लखनऊ। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले राजस्थान रायल्स के गेंदबाज बन गये हैं। आर्चर ने इसी के साथ ही युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा। चहल अभी तक रायल्स के सबसे अधिक 66 विकेट लिए थे पर अब आचर के नाम 68 विकेट हो गये हैं। ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यहां के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा विकेट विकेट लेते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है। आईपीएल में कुल मिलाकर आर्चर के नाम 70 विकेट हैं। उन्होंने कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए भी खेले हैं। इससे पहले उन्होंने राजस्थान रायल्स के लिए मैच खेले थे। रायल्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाद सिद्धार्थ त्रिवेदी काफी कम चर्चित हैं। साल 2008 से साल 2013 के बीच उन्होंने खेल द्दा था। वहीं आस्ट्रेलिया के पूर्व आलराउंडर शेन वाटसन ने राजस्थान रायल्स के लिए 61 विकेट निकाले हैं। वे इस टीम के लिए सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं। वहीं दिवंगत शेन वार्न ने रायल्स की ओर से 57 विकेट लिए हैं और वह पांचवे नंबर पर हैं।

सीनियर टीम से विश्वकप खेलना है वैभव का सपना

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रायल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य सीनियर टीम से विश्कप खेलना है। वैभव ने पिछले माह अपना 15वां जन्मदिन मनाया और इसी के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए योग्य हो गए हैं। उन्हें आईपीएल के बाद जून में आयरलैंड के खिलाफ आईपीएल के बाद खेली जाने वाली सीरीज में चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं। वैभव का कहना है कि उन्हें आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी पसंद है। उनका कहना है कि वह हावी होकर खेलना चाहते हैं जिससे कि जब तक वो मैदान पर रहें विरोधी टीम पर दबाव बना रहे। उनका लक्ष्य प्रभावशाली प्रदर्शन कर मैच जीतना है। इसलिए जब तक वह क्रीज पर रहेंगे, तब तक वह दबदबा बनाए रखेंगे और उन्हें भरोसा है कि इस प्रकार से मैच विपक्षी टीम से छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि अभी मुझे सीनियर टीम से विश्वप कप खेलना है। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह सीनियरों के लिए खेले और देश के जीत दिलाए। मेरा भी यही लक्ष्य है। अब तक वैभव ने आईपीएल 2026 में छह पारियों में 246 रन बनाए हैं. जिसमें दो अर्धशतक और 78 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है। उनका औसत 41 है और स्ट्राइक रेट 236.54 है। कुल मिलाकर आईपीएल में उन्होंने 13 मैचों में 498 रन बनाए हैं, औसत 38.30 और स्ट्राइक रेट 220.35 है।

अभिषेक में हैं खास प्रतिभा : पुजारा

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा का मानना है कि अभिषेक में एक अलग तरह की प्रतिभा है जो उन्हें खास बनाती है। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने अब तक के मैचों में बल्लेबाजी की है। उससे ये साबित होता है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी अभिषेक ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे सभी हैरान हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक अपने खेल से टीम को जीत दिलाते हैं। पुजारा ने अभिषेक के दूसरे आईपीएल शतक और इस सत्र के उनके पहले शतक की जमकर तारीफ की। पुजारा ने कहा कि यह बल्लेबाज किस आसानी और सहजता से बड़े स्कोर खड़ा करता है। उन्होंने कहा, अभिषेक ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक और इस सत्र का पहला शतक बनाया। वह शतक बनाना आसान बना देते हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक का योगदान टीम के बेहद महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन अक्सर टीम के लिए जीत की राह बनाते हैं, क्योंकि वह बल्लेबाजी क्रम में सबसे ऊपर रहकर खेल पर गहरा प्रभाव डालते हैं। पुजारा ने अभिषेक की स्वाभाविक क्षमता और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जब वह किसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पूरी लय में होते हैं, तो उनकी क्लास साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा, जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी क्लास हर किसी को साफ दिखाई देती है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक जैसी प्रतिभा और क्लास होती है।

सैमसन के शतक के बाद अकील हुसैन की जादुई फिरकी मुंबई इंडियंस को चेन्नई ने घर में 103 रन से रौंदा

मुंबई: आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस की स्थिति अब बेहद खराब होती जा रही है। जैसे-तैसे पिछले मैच में इस सीजन की अपनी दूसरी जीत हासिल करने वाली मुंबई इंडियंस की टीम को सीजन के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ने रौंदकर रख दिया। संजू सैमसन के शतक के दम पर सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 207 रन लगाए। जवाब में मुंबई की टीम 19 ओवर में 104 ही रन बना पाई और मैच 103 रन से हार गई। 7 मैचों में मुंबई की टीम की यह 5वीं हार है, वहीं सीएसके की टीम ने सीजन का अपना तीसरा मैच जीत लिया है।

अकील हुसैन की फिरकी में नाची मुंबई की टीम

208 रन का पीछा करने आई मुंबई की टीम की शुरुआत पहले ओवर से ही खराब रही। पहले ओवर में अकील हुसैन ने आखिरी गेंद पर दानिश मालेवार को बिना खाता खोले पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। वहीं दूसरे ओवर में मुकेश चौधरी ने क्विंटन डी कॉक को 7 रन बनाने के बाद चलता किया। सिलसिला यहीं नहीं रुका और तीसरे ओवर में अकील ने बिना खाता खोले नमन धीर को भी आउट कर दिया।

काम नहीं आई सूर्या-तिलक की साझेदारी

इसके बाद तिलक वर्मा (37) और सूर्यकुमार यादव (36) ने क्रीज पर थोड़ा समय जरूर बिताया, लेकिन अकील हुसैन ने इन दोनों को भी पवेलियन में बैठा दिया। इस तरह से अपने 4 ओवर के कोटे में अकील ने 17 रन देकर और एक मेडन के साथ 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं 4 ओवर में 2 विकेट नूर अहमद ने भी झटके।

सीएसके ने बनाए 207 रन

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 207 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ का खराब प्रदर्शन इसी मुकाबले में भी जारी रहा। ऋतुराज 14 गेंदों का सामना करने के बाद 22 रन बनाकर आउट हुए। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे सरफराज खान भी 8 गेंदों में 14 रन बनाने के बाद मिचेल सैंटनर की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। शिवम दुबे भी 5 रन ही बना सके।

सीएसके की बल्लेबाजी कैसी रही?

डेवाल्ड ब्रेविस ने आगाज दमदार किया, लेकिन वह 11 गेंदों में 1 चौका और 2 छक्कों की मदद से 21 रन बनाने के बाद अश्वनी कुमार का शिकार बने। कार्तिक शर्मा 19 गेंदों का सामना करने के बाद 18 रन ही बना पाए। जेमी ओवरटन 7 गेंदों में 15 रन बनाने के बाद आउट हुए। हालांकि, संजू सैमसन ने एक छोर संभाले रखा और शानदार बल्लेबाजी करते हुए इस सीजन का अपना दूसरा शतक लगाया।

संजू ने ठोका शतक

संजू ने 54 गेंदों का सामना करते हुए 101 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 10 चौके और 6 छक्के लगाए। गेंदबाजी में एमआई की ओर से अल्लाह गजनफर और अश्वनी कुमार ने दो-दो विकेट चटकाए, जबकि जसप्रीत बुमराह और सैंटनर ने एक-एक विकेट निकाला। इस मुकाबले के लिए चेन्नई सुपर किंग्स ने अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया है। मैथ्यू शॉर्ट की जगह पर प्रशांत वीर को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। हालांकि, मुंबई इंडियंस बिना किसी बदलाव के मैदान पर उतरी है।

वोल्वाड्ट के शतक से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को हराया

जोहानसबर्ग

कप्तान लौरा वोल्वाड्ट के शानदार शतक 115 रनों की सहायता से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका की टीम 3-0 से सीरीज में आगे हो गयी है।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के अर्धशतकों से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाये। मेजबान गेंदबाज नाकुललुको मलाबा ने 2 विकेट जबकि दिन डी क्लार्क ने एक विकेट लिया।

इसके बाद जीत के लिए मिले 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 16.3 ओवर में ही 1 विकेट खोकर इसे हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान लौरा वोल्वाड्ट ने 14 चौके और 5 छक्के लगाकर 115 रन बनाये। इसके अलावा सुने लुस ने भी 64 रनों की पारी खेली। वही जात ब्रिट्स ने 2 बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से एकमात्र विकेट श्रेयंका पाटिल ने लिया।

3-0 से सीरीज में बढ़त हासिल की

वहीं इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की ओर हरमनप्रीत ने 38 गेंद में 66 रन जबकि शेफाली वर्मा ने 46 गेंद में 64 रन बनाये। इसके अलावा स्मृति मंधाना ने 25 गेंद में 37 रन जबकि ऋचा घोष ने 18 रन बनाये। , जबकि जेमिमा रोड्रिगेज पहली गेंद पर गोल्डन डक हो गई. गेंदबाजी की बात करें तो साउथ अफ्रीका की तरफ से नाकुललुको मलाबा ने सबसे ज्यादा 2 विकेट अपने नाम किए. इसके अलावा नादिन डी क्लार्क के खाते में भी एक विकेट आया. इस तरह साउथ अफ्रीका की टीम भारत को 200 रन के भीतर समेटने में सफल रही।

हनान प्रांत में एशियन बीच गेम्स में एक्वाएथलॉन इवेंट

चीन के हनान प्रांत में एशियन बीच गेम्स में एक्वाएथलॉन इवेंट में भाग लेते हुए एथलीट।

अफगानिस्तान के खिलाफ मिल सकता है अकिब सहित कई युवा खिलाड़ियों को अवसर

मुम्बई

घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी,हर्ष दुबे, गुरनूर बराड़ सहित युवा खिलाड़ियों को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि चयनकर्ता भारतीय टीम के आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए। इस मैच के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। ऐस में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी, जिन्होंने रणजी ट्राफी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, विदर्भ के बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे, राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सूथार और पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इस टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल और नितीश कुमार रेड्डी को भी इस एकमात्र टेस्ट के लिए मौका मिलने की संभावना है। रेड्डी की तेज गेंदबाजी में हाल में आये सुधार को चयनकर्ताओं इस मैच में आजमाना चाहेंगे।

यह एकमात्र टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दायरे में नहीं आता है, जिसके कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन अपने मुख्य खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। आगामी सत्र भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, जिसमें डब्ल्यूटीसी 2025-27 के दूसरे हाफ और वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शामिल हैं। ऐसे में, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों को आराम दिए जाने की प्रबल संभावना है ताकि वे आगे के महत्वपूर्ण मैचों के लिए फिट रह सकें। टेस्ट और वनडे सीरीज के बीच बेहद कम समय होने के कारण खिलाड़ियों को बार-बार फार्मेट बदलना पड़ेगा, जो उनकी फिटनेस के लिए चुनौती बन सकता है। कप्तान और कोच पहले भी इस तरह के व्यस्त शेड्यूल पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं, और ऐसे में खिलाड़ियों के आराम का फैसला उन्हीं की सलाह पर आधारित हो सकता है।भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर में खेला जाएगा। इस टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी

ईशान को ही कप्तान बनाये रखे सनराइजर्स : संजय बांगड़

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम शुरुआती झटकों के बाद लगातार तीन जीत के साथ ही अंकतालिका में भी शीर्ष पांच में है। ऐसे में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी के बाद भी ईशान को ही कप्तान बनाये रखा जाना चाहिये।

ईशान ने अब तक 7 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें उन्होंने 4 मैच जिताये हैं जिससे टीम अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। कप्तानी के बाद भी ईशान पर कोई दबाव नहीं आया है और उन्होंने जमकर रन बनाये हैं जिससे वह आरेंज कप की दौड़ में भी शीर्ष खिलाड़ियों में बने हुए हैं। बांगर ने कहा, एक नेता के तौर पर ईशान अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में तकनीकी रूप से बहुत अच्छे हैं। वह समझते हैं कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। यह साफ दिखाता है कि वह खेल की कितनी अच्छी समझ रखते हैं।

बांगड़ ने कहा, वह एक जगह स्थिर नहीं दिखते, जल्दबाजी में नहीं दिखते, मैदान पर सही फैसले ले रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ अपने स्पिनर्स का शानदार इस्तेमाल किया। इसलिए मेरा मानना है कि अगर कमिंस वापस भी आते हैं, तो भी ईशान को एसआरएच की कप्तानी जारी रखनी चाहिए क्योंक ज्यादातर मामलों में, एक भारतीय कप्तान होने से निरंतरता आती है।

उन्होंने कहा कि कमिंस आईपीएल 2026 के बचे हुए मैचों में कितना फिट रहेंगे अभी ये कहा नहीं जा सकता है। वह छोटी-मोटी परेशानियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में ईशान का ही कमान संभाले रखना सही रहेगा। बार-बार बदलाव से भी संशय बनता है।

ईशान ने कप्तानी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी 7 मैचों की 7 पारियों में वह 34 की औसत और 188.89 की स्ट्राइक रेट से 238 रन बनाये हैं। ऐसे में कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उनकी सफलता को देखते हुए ही उन्हें कप्तान बनाये रखना सही फैसला होगा।

दिल्ली की गलतियां अहमदाबाद में नहीं दोहराई जाएंगी: 2030 सीएनजी की आयोजन कंपनी में नहीं होंगे आईओए के पदाधिकारी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में होने वाले 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन में विवादों से बचने के लिए मेजबान गुजरात सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) फूंक-फूंककर कदम रखने जा हैं। आयोजक ऐसी गलतियां नहीं दोहराना चाहते हैं जो 2010 के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में विश्वव्यापी किरकिरी का कारण बनी थीं। जिसके चलते 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की आयोजन कंपनी (ओसी) में आईओए के शीर्ष पदाधिकारियों को शामिल नहीं किए जाने की तैयारी कर ली गई है। ओसी में आईओए पदाधिकारियों की बजाय सीईओ, सीओओ और सीएफओ जैसे पदों पर विशुद्ध पेशेवर विशेषज्ञों को रखा जाएगा। 2010 के खेलों में आयोजन समिति के चेयरमैन तत्कालीन आईओए अध्यक्ष सुरेश कलमाडी थे। इसमें ज्यादातर पदाधिकारी आईओए से ही संबद्ध थे। 2030 के खेलों के आयोजन की निगरानी का मुख्य जिम्मा मंत्रियों के समूह (ग्रुप आफ मिनिस्टर्स) और उससे नीचे खेलों के निदेशक मंडल (बोर्ड आफ डायरेक्टर्स) का होगा। ये दोनों ग्रुप, ओसी के साथ मिलकर काम करेंगे।

रियल एस्टेट में रिकार्ड पूंजी प्रवाह, पहली तिमाही में 5.1 अरब डालर निवेश

नई दिल्ली

देश के रियल एस्टेट क्षेत्र ने 2026 की पहली तिमाही में रिकार्ड 5.1 अरब डालर का पूंजी निवेश आकर्षित किया है। यह सालाना आधार पर 72 प्रतिशत (2025 की पहली तिमाही के 2.9 अरब डालर से) और पिछली तिमाही की तुलना में 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय रियल एस्टेट के बुनियादी आधार में संस्थागत निवेशकों के लगातार बढ़ते भरोसे को उजागर करता है।

72 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ 2026 की पहली तिमाही में ऐतिहासिक उछाल

रियल एस्टेट परामर्श फर्म सीबीआरई साउथ एशिया ने यह जानकारी दी है। सीबीआरई के आंकड़ों के अनुसार यह अब तक किसी भी तिमाही में हुआ सर्वाधिक पूंजी निवेश है। मुख्य रूप से डेवलपर इस प्रवाह के अग्रणी रहे, जिनके बाद रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कुल इक्विटी निवेश में घरेलू निवेशकों का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी 96 प्रतिशत थी। इनमें डेवलपरों का हिस्सा 42 प्रतिशत और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का 40 प्रतिशत रहा। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट का निवेश 2 अरब डालर के पार पहुंच गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में कई गुना वृद्धि है। यह पूंजी प्रवाह मुख्य रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों और जमीन/विकास स्थलों के अधिग्रहण में केंद्रित रहा, जिनकी कुल निवेश में 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी थी। जमीन अधिग्रहण का 73 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मिले-जुले उपयोग और आवासीय परियोजनाओं में लगाया गया, जबकि शेष कार्यालय, वेयरहाउसिंग और आतिथ्य-सत्कार विकास में गया। सीबीआरई के एक अधिकारी ने मजबूत आर्थिक ढांचे और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की गतिविधियों में वृद्धि को उत्साहजनक बताया, जो एक परिपक्व होते बाजार का संकेत है। उन्होंने भविष्य में विदेशी पूंजी के जोरदार वापसी की उम्मीद जताई। वहीं, सीबीआरई के एक अन्य अधिकारी ने गुणवत्तापूर्ण आफिस स्पेस और मिश्रित उपयोग व आवासीय विकास के लिए भूखंड अधिग्रहण में बढ़ती प्राथमिकता पर जोर देते हुए बाजार के मजबूत दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य के निवेश को प्रतिफल-केंद्रित आय वाली परिसंपत्तियों और उच्च-वृद्धि के अवसरों के बीच रणनीतिक संतुलन से परिभाषित होने की उम्मीद जताई।

न्यूज़ ब्रीफ

चीनी निर्यातकों को मिलेगा राडटेप का लाभः बाम्बे हाई कोर्ट, न्यायालय ने सरकारी एजेंसियों की असंगत मुकदमेबाजी पर भी जताई चिंता

मुंबई। बाम्बे उच्च न्यायालय ने निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि जिन चीनी निर्यातकों को सरकार की विशेष अनुमति और आवंटित कोटे के तहत चीनी निर्यात करने की इजाजत मिली थी, वे प्रतिबंधित श्रेणी में होने के बावजूद निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की वापसी (रोडटेप) योजना का लाभ प्राप्त करते रहेंगे। यह फैसला विनियमित जिंसों के निर्यातकों के लिए एक नजीर बन सकता है। न्यायालय ने 20 अप्रैल को एक संयुक्त फैसले में रिका ग्लोबल इम्पैक्स, श्री रेणुका शुगर्स सहित प्रमुख चीनी निर्यातकों द्वारा दायर याचिकाओं को स्वीकार कर लिया। अदालत ने राजस्व विभाग द्वारा रोडटेप लाभों से इनकार को मनमाना करार दिया। रोडटेप एक सरकारी योजना है जो निर्यात की गई वस्तुओं पर लगे अप्रत्यक्ष शुल्कों और करों को वापस करती है, जिससे भारतीय उत्पाद वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। दरअसल, सरकार ने मई 2022 में चीनी के निर्यात को मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया था, ताकि देश में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके और कीमतें स्थिर रहें। हालांकि, उसी अधिसूचना में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग से विशेष अनुमति के साथ निर्यात की अनुमति भी दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने इन्हीं अनुमतियों के तहत निर्यात किया था, लेकिन सीमा शुल्क अधिकारियों ने यह कहते हुए लाभ देने से मना कर दिया कि चीनी एक प्रतिबंधित वस्तु है। अदालत ने केंद्र सरकार की विभिन्न उच्च न्यायालयों में अपनाई जा रही असंगत मुकदमेबाजी की रणनीति पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। इसने न्यायिक अराजकता जैसी स्थिति से बचने के लिए केंद्रीय व्यापार एवं कर कानूनों में एकरूपता सुनिश्चित करने हेतु एक स्पष्ट राष्ट्रीय मुकदमा नीति की आवश्यकता पर बल दिया।

बेस्ट-सेलिंग माडल बनकर उभरी महिंद्रा स्कार्पियो

नई दिल्ली। वित्त वर्ष (एफवाई 2026) में महिंद्रा स्कार्पियो कंपनी की बेस्ट-सेलिंग माडल बनकर उभरी। महिंद्रा स्कार्पियो को इस दौरान कुल 1,78,800 नए ग्राहक मिले, जो सालाना आधार पर 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाते हैं। ठीक एक साल पहले इसी दौरान यह आंकड़ा 1,64,842 यूनिट था। स्कार्पियो की यह लगातार सफलता महिंद्रा के मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो को रेखांकित करती है। बिक्री की इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर महिंद्रा थार रही, जिसने इस दौरान 49 प्रतिशत की शानदार सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 1,26,261 यूनिट्स की बिक्री की। तीसरे नंबर पर महिंद्रा बोलेरो ने अपनी जगह बनाई, जिसकी 1,10,136 यूनिट्स बिकीं और इसने 16 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की। इसके अलावा, चौथे नंबर पर महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सओ रही, जिसने 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ कुल 1,03,341 यूनिट्स की बिक्री की। जहां कुछ माडलों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, वहीं महिंद्रा एक्सयूवी 700 की बिक्री में गिरावट देखी गई।

हुंडई वेन्यू का नया नाइट एडिशन लांच

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय एसयूवी वेन्यू का नाइट एडिशन हुंडई मोटर्स ने लान्च कर दिया है। यह नया

माडल रुपए 9.69 लाख की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर उपलब्ध है। यह माडल उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो अपनी गाड़ी में एक आक्रामक और विशिष्ट लुक पसंद करते हैं। हुंडई के नाइट ब्रांड का भारत में पहले से ही मजबूत आधार है, जिसने 2022 में अपनी शुरुआत के बाद से अब तक 92,000 से अधिक नाइट एडिशन वाहनों की बिक्री की है, जो इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। नई वेन्यू नाइट एडिशन पूरी तरह से ब्लैक थीम पर आधारित है। इसके सामने वाले हिस्से में चमकदार ब्लैक ग्रिल और मैट ब्लैक फिनिश वाला हुंडई का लोगो दिया गया है। साइड प्रोफाइल को स्पोर्टी लुक देने के लिए काले रंग के ओआरवीएम, रूफ रेल्स और डार्क अलाय व्हील्स का उपयोग किया गया है। पहियों के पीछे दिखने वाले लाल रंग के ब्रेक कैलीपर्स और कार पर लगी खास नाइट बैजिंग इसे मानक वेन्यू से बिल्कुल अलग और प्रीमियम लुक देती है। केबिन में भी ब्लैक थीम है, जिसे पीतल जैसे दिखने वाले इंसर्ट्स से निखारा गया है। सीटों के लिए विशेष फैब्रिक और कवर डिज़ाइन किए गए हैं जो केवल इसी एडिशन में मिलेंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ज्ञानेश...

इसके अलावा कालचीनी जैसी सीटों पर बीजेपी की जीत का अंतर 15 प्रतिशत तक रहा। यह बताता है कि पिछले चुनाव में पार्टी क्षेत्रीय स्तर पर कितनी मजबूत हुई। इसकी एक मुख्य वजह राजबंशी और मतुआ समुदायों का समर्थन रहा। इसके साथ ही चाय बागान श्रमिकों के मुद्दों ने भी बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाया। टीएमसी यहां केवल 5 सीटें ही जीत पाई थीं। इनका अंतर भी काफी कम था।

पाकिस्तानी ...

खतरा भी काफी ज्यादा बढ़ गया है.

5 लाख फंड के लिए भी लंबी प्रक्रिया पार करने की मजबूरी

कई आंतरिक बैठकों में पाकिस्तानी रेलवे के इस संकट की गंभीरता सामने आई है, जहां अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारियां ठीक से निभाने में असमर्थता जताई. लाहौर डिवीजन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि डिवीजन में करीब 50 प्रतिशत स्वीकृत पद खाली हैं.

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तानी रुपये 500,000 जैसे छोटे फाइलेंशियल प्रस्तावों को मंजूरी दिलाने में भी मुख्यालय के साथ लंबी नौकरशाही प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है. इससे सही समय पर जरूरी कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है. इन चुनौतियों के बावजूद, रेलवे कर्मचारी भारी दबाव में काम कर रहे हैं ताकि सेवाओं को सामान्य तरीके से जारी रखा जा सके.

पाकिस्तानी रेलवे की कैसे हुई ये हालत?

दरअसल, पाकिस्तान की रेलवे व्यवस्था की यह मुश्किल लंबे वक्त से चली आ रही संरचनात्मक और वित्तीय कमजोरियों का नतीजा है, जो पिछले 6-7 सालों में और ज्यादा गंभीर हो गया है और साल 2026 में एक गंभीर स्तर तक पहुंच चुका है. यहां तक कि निवर्तमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी व्यवस्था का संचालन बनाए रखने और समय पर सैलेरी देने में संघर्ष करते रहे, जो इसकी संस्थागत परेशानी की गहराई को दिखाता है.

एक कोच के पुर्जे निकालकर दूसरे को कर रहे ठीक

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, हालत इतनी ज्यादा खराब है कि कर्मचारियों को एक कोच के पुर्जे निकालकर दूसरे को ठीक करना पड़ा रहा है. पाकिस्तान रेलवे के सभी आठ डिवीजन- लाहौर, कराची, मुल्तान, सुक्कुर, क्वेटा, रावलपिंडी, पेशावर और वर्कशॉप डिवीजन, एक जैसे मुश्किलों का सामना कर रहे हैं. अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मौजूदा हालात में परिचालन और रेवेन्य टार्गेट्स को हासिल करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है.

वाह रे...

ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ की गई सीधी बातचीत भी शामिल थी। 11 अप्रैल को, मुनीर ने वेंस के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर गालिबफ के नेतृत्व वाली ईरानी टीम का शांति वार्ता के लिए पाकिस्तान आने पर स्वागत किया।

इस्लामाबाद में आयोजित वार्ता में जब कोई सफलता नहीं मिली, तो मुनीर ने ईरान की तीन दिवसीय यात्रा की। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजरायल युद्ध शुरू होने के बाद, ईरानी राजधानी की यात्रा करने वाले वह पहले क्षेत्रीय सैन्य नेता थे। इस यात्रा का उद्देश्य अमेरिका और ईरान में पैदा हुए मतभेदों को पाटकर दोनों को शांति वार्ता के लिए एक मेज पर इकट्ठा करना था। मुनीर ने इसमें काफी हद तक सफलता भी पाई, लेकिन वह ईरानी प्रतिनिधिमंडल को बीते सोमवार को होने वाली बैठक के लिए नहीं बुला सके। इसके बावजूद ट्रंप, असीम मुनीर को अमेरिका और ईरान के बीच शांतिदूत के रूप में पेश कर रहे हैं।

पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड मुनीर

असीम मुनीर को 22 अप्रैल 2025 को भारत के जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले का मास्टरमाइंड माना जाता है। कहा जाता है कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने मुनीर के ही कहने पर इस हमले को अंजाम दिया और कई दिनों तक भारतीय सुरक्षाबलों से छिपे रहे। इस हमले में 26 पर्यटकों की हत्या हुई थी, जिसमें से अधिकांश हिंदू थे। हालांकि, पाकिस्तान ने हमेशा की तरह इस हमले में हाथ होने से इनकार किया था। इसके बाद भारत ने मई 2025 में पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। इस दौरान भारत ने न सिर्फ आतंकी ढांचों बल्कि पाकिस्तान के कम से कम 11 एयरफील्ड पर सटीक हमले किए।

भारत के हमलों से बिलबिलाए पाकिस्तान ने सीजफायर के लिए मिन्नतें शुरू कर दीं। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के बाद संघर्ष विराम का ऐलान किया गया। हालांकि, इसकी सूचना सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष में मध्यस्थता की और संघर्ष विराम कराया है। पाकिस्तान ने तुरंत ट्रंप को क्रेडिट भी दे दिया, लेकिन भारत ने साफ इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में किसी भी दूसरे देश या राजनेता की मध्यस्थता से इनकार किया। इससे ट्रंप चिढ़ गए और उन्होंने भारत के खिलाफ पाकिस्तान को तवज्जो देना शुरू कर दिया।

व्हाइट हाउस में अतिथि सत्कार

ट्रंप ने असीम मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच के लिए आमंत्रित किया। इसे अमेरिकी राजनीति में एक दुर्लभ घटना माना गया कि किसी देश की नागरिक सरकार के प्रमुख की जगह सेना प्रमुख को व्हाइट हाउस में बुलाया गया। इस दौरान ट्रंप ने कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन से लौट रहे पीएम मोदी को भी व्हाइट हाउस आमंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। इसके बाद ट्रंप ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ फिर असीम मुनीर को व्हाइट हाउस बुलाया। ट्रंप ने असीम मुनीर की सार्वजनिक मंचों से तारीफ की और लगातार भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का क्रेडिट लिया।

इस बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमलों में भारी नुकसान झेलने के बावजूद असीम मुनीर ने खुद को चार सितारा फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट कर लिया। मुनीर का मन इतने से भी नहीं भरा। उन्होंने खुद के लिए एक नई पोस्ट ईजाद की और पाकिस्तान के पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बने। इसके बावजूद असीम मुनीर ने आज तक पाकिस्तानी सेना प्रमुख का पद नहीं छोड़ा है। इसके अलावा, उन्होंने पाकिस्तान के संविधान में संशोधन कराकर खुद के लिए आजीवन सुरक्षा कवच पा लिया है।

आरटीसी कर्मियों...

आरटीसी कर्मचारियों की कठिनाइयों पर चिंता

सरकार ने किया परिवार का हिस्सा बताया

कैबिनेट ने आरटीसी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को हो रही कठिनाइयों पर भी चिंता व्यक्त की, यह पींळपस कि अनसुलझे वित्तीय और सेवा संबंधी मुद्दों ने चल रहे आंदोलन में योगदान दिया है। मंत्रियों ने कर्मचारियों से धैर्य बनाए रखने और भावनात्मक आवेगों पर कार्रवाई करने से बचने की अपील की, यह दोहराते हुए कि सरकार आरटीसी कर्मचारियों को अपने विस्तारित परिवार का हिस्सा मानती है।

अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, सरकार ने कहा कि वह रचनात्मक संवाद के लिए तैयार है और विश्वास है कि हड़ताल पर चर्चा के माध्यम से समाधान खोजा जा सकता है, जबकि कर्मचारियों और जनता दोनों के कल्याण को सुनिश्चित किया जा सके।

कालेश्वरम परियोजना पर हाईकोर्ट के फैसले पर कैबिनेट की चर्चा: सीबीआई जांच में तेजी लाने का निर्णय

एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कैबिनेट ने कालेश्वरम परियोजना के संबंध में न्यायमूर्ति पी सी घोष आयोग की रिपोर्ट पर हाईकोर्ट के फैसले पर चर्चा की, यह पींळपस कि अदालत ने आयोग के गठन या उसके निष्कर्षों में कोई दोष नहीं पाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत की टिप्पणियां तकनीकी आधारों तक सीमित थीं, विशेष रूप से याचिकाकर्ताओं को नोटिस न देना, और केवल उन विशिष्ट बिंदुओं पर आधारित कार्रवाई को प्रतिबंधित किया गया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने परियोजना में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच के आदेश पहले ही जारी कर दिए हैं, लेकिन नौ महीने बाद भी जांच शुरू नहीं हुई है। कानूनी विशेषज्ञों की राय है कि हाईकोर्ट का फैसला सीबीआई जांच में बाधा नहीं डालता, उन्होंने यह भी जोड़ा।

कैबिनेट ने सीबीआई से जांच में तेजी लाने का एक बार फिर आग्रह करने का निर्णय लिया है। इसने यह भी संकल्प लिया कि कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय का रुख करने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

आत्मदाह की कोशिश...

श्रमिकों को जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचना चाहिए। कैबिनेट स्तर पर चर्चा की आवश्यकता के कारण थोड़ी देरी हुई है। हमने श्रमिकों के मुद्दों को सुलझाने के लिए मंत्रियों के नेतृत्व में एक उप-समिति का गठन किया है और हम कल जेएसी नेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

जेएसी ने सरकार के सामने 32 मांगें रखी हैं, जिनमें से तीन मुख्य मांगें अब भी अनसुलझी हैं: निगम का सरकार में विलय, पीआरसी का कार्यान्वयन और यूनियनों की बहाली। जेएसी नेताओं ने संकेत दिया कि तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान सकल जनुला सम्मे जैसी विरोध रणनीतियों को अपनाया जाएगा। आने वाले दिनों में वंटा-वार्पू (सड़क पर खाना बनाना) और बथुकम्मा जैसे कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई है।

अस्थायी कर्मचारियों की भर्ती और जेएसी की अपील

दूसरी ओर, आरटीसी प्रबंधन ने विज्ञापनों के माध्यम से अस्थायी ड्राइवरों और कंडक्टरों की भर्ती शुरू कर दी है। निगम ड्राइवरों के लिए 1,000 रुपये और कंडक्टरों के लिए 800 रुपये प्रतिदिन की पेशकश कर रहा है। जेएसी ने अस्थायी श्रमिकों से इन पदों को स्वीकार न करने का आग्रह किया है, क्योंकि यह विरोध भर्ती और रोजगार सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर है। भर्ती के लिए भारी वाहन लाइसेंस के साथ 18 महीने का अनुभव और कंडक्टरों के लिए 10वीं पास के साथ टीआईएम प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है।

पुलिस की कार्रवाई और डिपो पर तनाव

हड़ताल को दबाने के लिए पुलिस ने कई जिलों में डिपो से प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और जेएसी द्वारा लगाए गए टेंट हटा दिए। प्रशासन ने टेंट हाउस संचालकों को भी नोटिस जारी कर निर्देश दिया है कि वे प्रदर्शनकारियों को किसी भी प्रकार की सामग्री की आपूर्ति न करें। इसके बावजूद, कर्मचारी अपनी मांगों पर अडिग हैं और आंदोलन को जारी रखने का संकल्प लिया है।

ट्रंप धंधा...

भी सट्टेबाजी को जन्म देती हैं: ट्रंप वेनेजुएला के शासक के रूप में किसे समर्थन देंगे? क्या पोप लियो एक्सआईवी का उनका अपमान जारी रहेगा? क्या वे ग्रीनलैंड पर कब्जा कर लेंगे? पॉलीमार्केट का अध्ययन कर चुके वर्जीनिया टेक के अर्थशास्त्री क्वोक पिंग त्सांग ने कहा, ट्रंप ही सब कुछ हैं। वही बाजार को संभव बनाते हैं। वे बेहद अप्रत्याशित हैं।

क्रिप्टो विश्लेषण फर्म ड्यून के अनुसार, भविष्यवाणियों वाले बाजारों में सबसे अधिक दांव खेलों पर लगते हैं, लेकिन राजनीति दूसरे स्थान पर है। लोग सोने की कीमत, सर्वाइवर के विजेता, यहां तक कि मौसम जैसी कई अन्य चीजों पर भी हां या ना में दांव लगा रहे हैं। प्रति डॉलर सेंट में दांव की लागत, समान दांव लगाने वाले लोगों की संख्या को दर्शाती है, उदाहरण के लिए, हां के लिए 49 सेंट की कीमत 49 प्रतिशत संभावना को दर्शाती है।

ट्रंप सट्टेबाजी के समर्थक

सट्टेबाजी को दोनों दलों की आलोचना का सामना करना पड़ा है, क्योंकि यह इनसाइडर ट्रेडिंग को बढ़ावा देती है, लेकिन राष्ट्रपति इसके बड़े समर्थक प्रतीत होते हैं। वे नियमों में ढील देकर इस उद्योग को विस्तार देने में मदद कर रहे हैं। उनकी पारिवारिक कंपनी, ट्रंप ऑर्गनाइजेशन, तो अपना खुद का एक पूर्वानुमान बाजार खोलने पर भी काम कर रही है, जिसका नाम ट्रुथ प्रेडिक्ट है।

हाल ही में सबसे अधिक आय अर्जित करने वाले स्रोतों में से एक ईरान युद्ध को लेकर ट्रंप का दृष्टिकोण रहा है, विशेष रूप से 5 अप्रैल को उनका ट्रुथ सोशल पोस्ट, जिसमें उन्होंने ईरान से ''जलडमरूमध्य खोलने'' की मांग की थी। ड्यून के अनुसार, पॉलीमार्केट पर ईरान के आक्रमण की आशंका पर हां या ना की भविष्यवाणियों के साथ ट्रेडिंग में जबरदस्त उछाल आया, लेकिन 7 अप्रैल को एक अन्य प्रश्न पर सट्टेबाजी ने इसे भी पीछे छोड़ दिया ˉ क्या युद्धविराम होगा? ˉ जब ट्रंप ने भयावह अंदाज में पोस्ट किया कि आज रात एक पूरी सभ्यता का अंत हो जाएगा।

तीन दिन और 100 मिलियन डॉलर का जोखिम

ड्यून के अनुसार, रविवार, 5 अप्रैल से बुधवार, 8 अप्रैल तक, यानी ट्रंप द्वारा युद्धविराम की घोषणा के एक दिन बाद, ईरान युद्ध पर कुल 413 मिलियन दांव लगाए गए, जिनमें 100 मिलियन डॉलर से अधिक का जोखिम था। इस उछाल के बाद एक रिपोर्ट में, ड्यून ने ट्रंप को अप्रत्याशितता की मशीन कहा और इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि कैसे उनकी ट्वीट के माध्यम से शासन करने की शैली ट्रेडिंग वॉल्यूम को आसमान छूने पर मजबूर कर देती है।

जब ट्रंप जूनियर के प्रवक्ता से पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति के बेटे को अपने पिता के कार्यों से लाभान्वित हो रहे व्यवसाय से लाभ कमाना चाहिए, तो उन्होंने इस प्रश्न को तथ्यहीन डेमोक्रेटिक प्रचार बताया। प्रवक्ता एंड्रयू सुराबियन ने कहा, डॉन किसी भी कंपनी में निवेश या सलाह देते समय संघीय सरकार से सीधे तौर पर संपर्क नहीं रखते हैं और भविष्यवाणियों से संबंधित प्रशासनिक नीतियों में उनका कोई प्रभाव या भागीदारी नहीं है।पॉलीमार्केट ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

नवंबर 2024 में ट्रंप के दोबारा चुने जाने के बाद से सट्टेबाजी के अड्डों की लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया है, जिसका एक कारण यह भी है कि उन्होंने कई विशेषज्ञों के विपरीत, ट्रंप की निर्णायक जीत की सही भविष्यवाणी की थी। तब से ट्रंप प्रशासन ने उन राज्यों पर मुकदमा दायर किया है, जो जुआ निषेध कानूनों के तहत सट्टेबाजी के बाजारों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं। उद्योग के मुख्य नियामक, कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन के प्रमुख ने तो सार्वजनिक रूप से इस कारोबार को बढ़ावा भी दिया है और वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक संपादकीय में ऑनलाइन सट्टेबाजी को रोमांचक उत्पाद बताया है।

तेजी से बढ़ रहा कारोबार

इससे विशेष रूप से लाभान्वित हुई है पॉलीमार्केट, जिसे 2022 में बिडेन प्रशासन द्वारा अपंजीकृत एक्सचेंज चलाने के लिए जुर्माना लगाए जाने के बाद अमेरिका में कहीं भी संचालन करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। इसे हाल ही में वापसी की अनुमति मिली है और इसके मूल्य में भारी वृद्धि हुई है। रिसर्च फर्म पिचबुक के अनुसार, कंपनी का मूल्य अब 9.6 बिलियन डॉलर है, जो ट्रंप जूनियर के साझेदार वेंचर कैपिटल फंड द्वारा अंतिम बार निवेश किए जाने के बाद से आठ महीनों में लगभग दस गुना वृद्धि है। इस बात का स्पष्ट प्रमाण नहीं है कि ट्रंप जूनियर को इस मूल्य वृद्धि से कितना लाभ हो रहा है, क्योंकि पॉलीमार्केट एक निजी कंपनी है और स्वामित्व हिस्सेदारी का खुलासा नहीं करती है। कालशी, जिसने पिछले साल ट्रंप जूनियर को सलाहकार नियुक्त किया था, वह भी एक निजी कंपनी है।

जहां तक अशांति और युद्ध से लाभ कमाने की बात है, ट्रंप जूनियर के पास भविष्यवाणियों के अलावा भी कई अन्य तरीके हैं। अपने वेंचर कैपिटल फंड के माध्यम से, वे एयरोस्पेस, रक्षा और प्रौद्योगिकी कंपनियों में भी हिस्सेदारी रखते हैं जो पेंटागन के अनुबंधों और अन्य संघीय एजेंसियों से धन प्राप्त करना चाहती हैं। इसके अलावा, उन्होंने और उनके भाई एरिक ने हाल ही में एक सैन्य ड्रोन निर्माता कंपनी में हिस्सेदारी हासिल करने का समझौता किया है, जो न केवल अमेरिकी सेना को ड्रोन बेचती है, बल्कि ईरानी हमलों का सामना कर रहे खाड़ी देशों को भी ड्रोन बेचने की कोशिश कर रही है, जो उनके पिता द्वारा शुरू किए गए युद्ध में अमेरिकी सैन्य सुरक्षा के लिए उन पर निर्भर हैं।

पिछले महीने जब एरिक ट्रंप से ड्रोन कंपनी द्वारा उनके पिता के राष्ट्रपति पद से संभावित लाभ के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस को एक बयान भेजा जिसमें कहा गया, मुझे उन कंपनियों में निवेश करने पर बेहद गर्व है जिन पर मुझे विश्वास है। संसद में आलोचकों, जिनमें लगभग सभी डेमोक्रेट हैं, ने राष्ट्रपति पद का खुलेआम लाभ उठाने की निंदा की है और मध्यावधि चुनावों का इंतजार कर रहे हैं ताकि इस पर कोई कार्रवाई की जा सके, संभवतः महाभियोग के लिए मतदान किया जा सके। लेकिन ऐसा होगा या नहीं, यह कहना मुश्किल है ˉ या अधिक सटीक कहें तो, हजारों लोगों के अनुमानों पर निर्भर करता है। पॉलीमार्केट ट्रेडिंग में, जो लोग ट्रंप के कार्यकाल के अंत तक महाभियोग का सामना करने की उम्मीद कर रहे थे, उन्होंने साल की शुरुआत में इसकी संभावना 13 प्रतिशत बताई थी। लेकिन उनकी सभ्यता को नष्ट करने की धमकी और डेमोक्रेट्स द्वारा उन्हें पद से हटाने की मांग के बाद यह स्थिति नाटकीय रूप से बदल गई है। मंगलवार तक, संभावना बढ़कर 66 प्रतिशत हो गई थी।

भारत नरक के ...

सोच वाली हैं। ये निश्चित रूप से भारत-यूएस संबंधों की असलियत को नहीं दिखातीं।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पॉडकास्टर की अपमानजनक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें भारत को नरक जैसा गड्ढा (हेल-होल) बताया गया था। ट्रंप ने जो पोस्ट शेयर किया था, वह अमेरिकी राजनीतिक टिप्पणीकार और रेडियो होस्ट माइकल सैवेज का पॉडकास्ट था, जो कि नस्लवादी टिप्पणी लेकर किया गया था। इस पोस्ट में सैवेज ने अमेरिका के जन्मसिद्ध नागरिकता कानून में बदलाव की मांग करते हुए नस्लवादी बयान में आरोप लगाया कि दो एशियाई देशों के लोग अमेरिका में नौवें महीने में बच्चे पैदा करने आते हैं और यह कानून उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिक बना देता है।

यूएस दूतावास ने दी सफाई

ट्रंप के इस पोस्ट को री-शेयर करने के बाद यू.एस. दूतावास के प्रवक्ता क्रिस्टोफर एल्म्स ने बताया कि ट्रंप ने भारत के बारे में बहुत अच्छी बातें कही हैं। एल्म्स ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को एक महान देश बताया और कहा कि भारत के नेता के साथ उनकी निजी दोस्ती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 24 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

लव फोर काऊ फाउंडेशन व गोवत्स फाउंडेशन की पहल

राज्यपाल से मिली गौसेवा संगठनों की टीम कार्यों की दी जानकारी व मांगा सहयोग

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फोर काऊ फाउंडेशन तथा गोवत्स फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने तेलंगाना के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला से मुलाकात कर राज्य में किए जा रहे गौसेवा एवं जीवदया कार्यों की जानकारी दी तथा इन कार्यों के लिए सहयोग का आग्रह किया। बुधवार, 22 अप्रैल 2026 को सोमाजीगुड़ा स्थित लोकभवन (राजभवन) में हुई इस भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल का शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

गौसेवा के विविध कार्यों की जानकारी दी

फाउंडेशन की ओर से चेयरमैन गौरत्न जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार व तरुण मेहता, सदस्य नरेश पारेख तथा गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड व बद्रीविशाल लोया उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थाओं द्वारा किए जा रहे जीवदया कार्यों, गौसंरक्षण, गोशालाओं के विकास एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी गई।

'एक रुपये दान' योजना की दी जानकारी

चेयरमैन जसमत पटेल ने गौमाता से जुड़े आध्यात्मिक व वैज्ञानिक तथ्यों के प्रचार-प्रसार, गौरक्षा से जुड़े कार्यकर्ताओं को कानून की जानकारी देने तथा गोवध रोकने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार ने 'प्रतिदिन एक रुपये दान' योजना की जानकारी देते हुए बताया कि छोटी-छोटी राशि से बड़े स्तर पर गौसेवा कार्य संभव हो रहे हैं।

गोशालाओं को करोड़ों का सहयोग

मुरली मनोहर पलोड ने बताया कि गोवत्स फाउंडेशन द्वारा शहर की लगभग 22 गोशालाओं को पिछले 14 वर्षों में करीब 19 करोड़ रुपये का सहयोग दिया गया है। कोरोना काल में भी देशभर की कई गोशालाओं को चारा व दवाइयों की सहायता उपलब्ध कराई गई। साथ ही 27 अप्रैल 2026 को आयोजित 'गो सम्मान आह्वान अभियान' तथा मई माह में प्रस्तावित भागवत सप्ताह में राज्यपाल को आमंत्रित किया गया।

राज्यपाल ने की सराहना

राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ला ने राज्य व देश में लागू पशु संरक्षण संबंधी कानूनों और योजनाओं की जानकारी लेते हुए इन प्रयासों की सराहना की। उन्होंने लव फोर काऊ फाउंडेशन की 'एक रुपये' योजना और गोवत्स फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों को सराहनीय बताया।

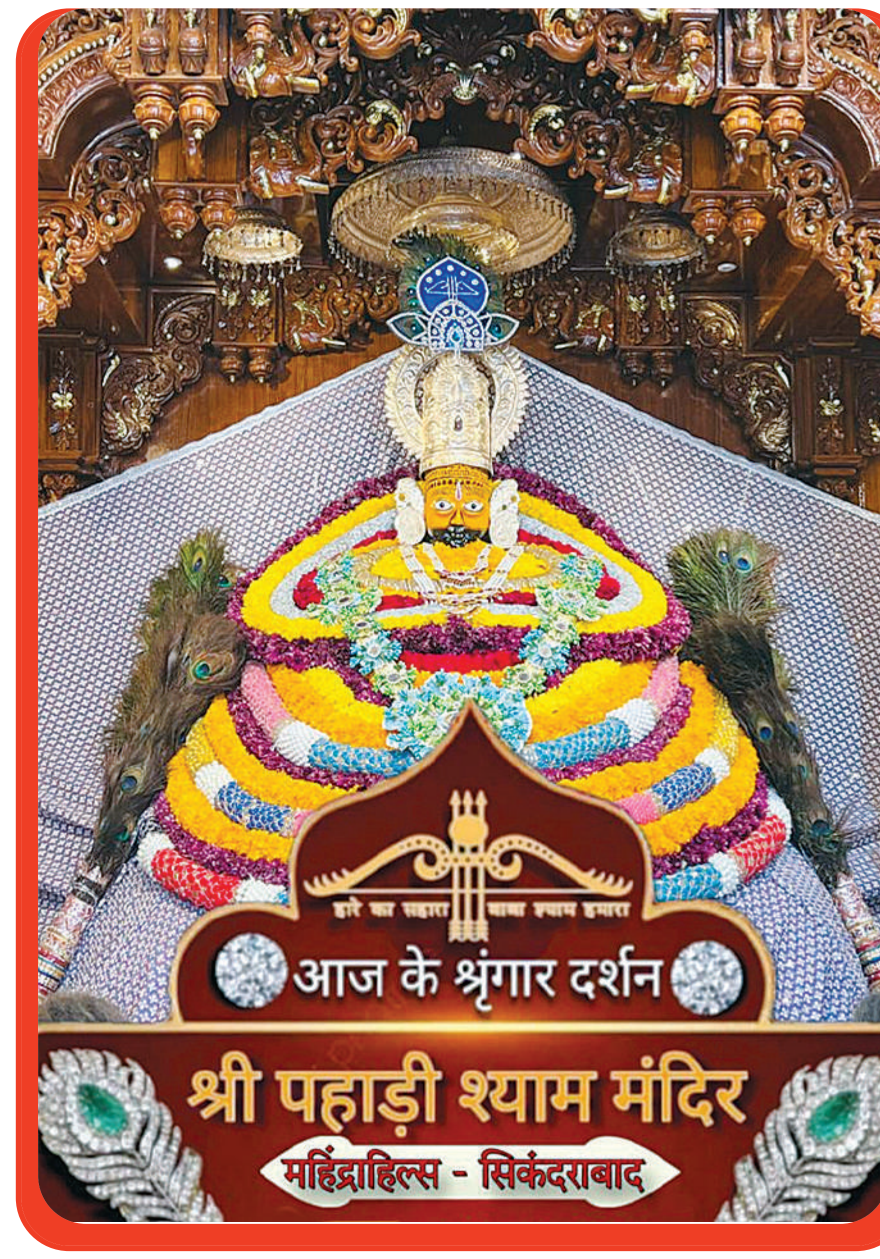

प्रेक्षा वाहिनी की मासिक गोष्ठी में मुनिश्री दीप कुमार के सान्निध्य में कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में प्रेक्षा वाहिनी हैदराबाद द्वारा प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन हेबिटेट कॉम्प्लेक्स में शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार जी आदि ठाणा-2 के सानिध्य में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ सामूहिक त्रिपदी वंदना एवं प्रेक्षा गीत से हुआ, जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

मुनि श्री दीप कुमार जी ने अपने उद्बोधन में जीवन की उपयोगिता में प्रेक्षा ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ध्यान करने वाले साधक को अपना लक्ष्य निश्चित करना चाहिए। प्रेक्षा ध्यान का प्रमुख लक्ष्य चित्त शुद्धि और शुद्ध चेतना का अनुभव है। उन्होंने बताया कि श्वास के आलंबन से मन को एकाग्र कर साधक राग-द्वेष से मुक्त होकर शांति, समता और आनंद का अनुभव कर सकता है।

मुनिश्री ने संपीक्खई अप्पगमप्पएणं सूत्र के माध्यम से आत्मचिंतन और आत्मदर्शन का महत्व समझाया।

उन्होंने कहा कि कषायों के आवरण को हटाने के लिए चित्त की एकाग्रता और निर्मलता आवश्यक है। अनुप्रेक्षा के विभिन्न प्रयोग जैसे सहिष्णुता, मृदुता, अभय, सामंजस्य और अनित्य के चिंतन को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर प्रेक्षा वाहिनी संवाहक मंजू दुगड़ ने दीर्घ श्वास प्रेक्षा का अभ्यास कराया, वहीं संवाहक रीता सुराणा ने छोटे-छोटे ध्यान प्रयोगों के माध्यम से निर्जरा की विधि समझाई। साथ ही प्रेक्षावाहिनी साउथ कोऑर्डिनेटर रीता सुराणा ने हैदराबाद के 14 क्षेत्रों में आयोजित मासिक कक्षाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में संवाहक मंजू दुगड़, कनक बुच्चा एवं अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। अंत में आभार ज्ञापन के साथ प्रेक्षा वाहिनी की मासिक गोष्ठी संपन्न हुई।

आर्ष ग्रंथों का लोकार्पण, वैदिक साहित्य के प्रसार पर जोर

महर्षि दयानंद कृत ग्रंथों सहित कई पुस्तकों का विमोचन

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य प्रतिनिधि सभा आंध्र प्रदेश-तेलंगाना के तत्वावधान में सुल्तान बाजार स्थित पंडित नरेंद्र भवन, राजमोहल्ला में महर्षि दयानंद सरस्वती कृत 'ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका' के तेलुगु अनुवाद का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही आर्ष गुरुकुल कामारेड्डी के अध्यक्ष स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती द्वारा रचित 'दिव्य मानव निर्माण विधि', अंग्रेजी ग्रंथ 'स्वामी दयानंद - मैसेज एंड मिशन' तथा 'मनुर्भव' भाग 1 और भाग 2 का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के गान से हुआ। विषय प्रस्तुति करते हुए प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा-आंध्र प्रदेश-तेलंगाना श्री विठ्ठल राव आर्य एवं मंत्री सार्वदेशिक सभा ने ग्रंथों का परिचय देते हुए उनकी महत्ता पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने स्वामी दयानंद सरस्वती तथा अन्य ग्रंथकारों के योगदान को वर्तमान संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया।

मुख्य अतिथि स्वामी श्री चिदानंद सरस्वती ने अपने संबोधन में कहा कि पाश्चात्य विद्वान मैक्समूलर ने प्रारंभ में सायण और महिधर के भाष्यों के आधार पर वेदों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रखा था, किंतु स्वामी दयानंद सरस्वती के भाष्य का अध्ययन करने के बाद उनकी धारणा बदली और उन्होंने वेदों को मानव कल्याण के ग्रंथों के रूप में स्वीकार किया।

विशिष्ट अतिथि धर्मपाल शास्त्री ने ग्रंथों की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे ग्रंथ समाज को मनुर्भव बनने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम का संचालन मंत्री आर्य प्रतिनिधि सभा-आंध्र प्रदेश-तेलंगाना श्री हरिकिशन वेदालंकार ने किया। उन्होंने आर्ष ग्रंथों के अध्ययन-अध्यापन और प्रचार-प्रसार के लिए सभी आर्य समाजियों के दायित्वों का स्मरण कराया।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि ग्रंथों के अनुवादक, टाइपिस्ट, प्रूफरीडर एवं प्रकाशकों को भी सम्मानित किया गया। अंत में शांतिपाठ, जयघोष और सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मां दुर्गा की कृपा संस्था का सेवा कार्य, राहगीरों को बांटी नींबू पानी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रीष्मकाल के अवसर पर मां दुर्गा की कृपा संस्था द्वारा राहगीरों की सहूलियत के लिए नींबू की शिकंजी वितरण सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान लगभग एक हजार गिलास शिकंजी वितरित कर लोगों को भीषण गर्मी से राहत पहुंचाई गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत कुमारी आरती के विवाह के अवसर पर कन्यादान भी किया गया। संस्था के सभी सदस्यों ने कन्या को विभिन्न उपहार भेंट कर उसका सम्मान किया और सामाजिक सहयोग की भावना को प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर शारदा अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल, मीना जैन, प्रीति अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

संस्था के संस्थापक विनय किशोर तायल ने सभी सेवा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि आगामी सेवा कार्यक्रम के तहत छाछ वितरण किया जाएगा।

सामाजिक दायित्व और राष्ट्र सेवा ही हमारी सच्ची पहचान : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को नियमित सेवा कार्यक्रम का भावपूर्ण आयोजन किया गया। सेवा, समर्पण और राष्ट्रभावना से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में जरूरतमंदों की सहायता करते हुए मानवता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल सेवा का कार्य ही नहीं कर रहा, बल्कि समाज में राष्ट्रीयता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी जागृत कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब हर व्यक्ति अपने सामाजिक दायित्वों को समझकर ईमानदारी से निभाता है, तभी एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव होता है। सेवा केवल दान नहीं, बल्कि यह हमारे संस्कारों और राष्ट्र के प्रति हमारी निष्ठा का प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में जरूरत है कि हम सब मिलकर समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के साथ खड़े हों, उनके दुख-दर्द को समझें और उन्हें सहारा दें। यही सच्ची देशभक्ति है और यही हमारे जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।

राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास कर रहा है।

कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, पन्नालाल जी, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं रेनू गुप्ता सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सेवा कार्य को सफल बनाया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 166वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर 26 को

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्रीनिवास नगर रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, लिंगोजीगुडा के सहयोग से 166वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर 26 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक करमनघाट चौराहा स्थित मास्टरमाइंड स्कूल, लिंगोजीगुडा में आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल, बेगमपेट द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप एवं सामान्य चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

नेत्र जांच एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा की जाएगी, जिसके बाद योग्य मरीजों को निशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था भी की जाएगी।

जनरल फिजिशियन के रूप में डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खैरिया सुगंधी (अखिल्स क्लिनिक) सेवाएं देंगे। फिजियोथैरेपी की सेवा डॉ. मीता बजाज (बजाज फिजियो) तथा दांतों की जांच डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत (एसएनआर डेंटल) द्वारा की जाएगी।

इस अवसर पर श्री भगवान विकलांग सहायता समिति, हैदराबाद द्वारा पात्र व्यक्तियों को निशुल्क एड्स एवं एप्लायंसेज जैसे कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स आदि प्रदान किए जाएंगे। शिविर में आवश्यक रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

रोगियों से अपील की गई है कि वे अपने पुराने चिकित्सा रिकॉर्ड साथ लेकर आएं, ताकि उचित परामर्श दिया जा सके। शिविर में पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा, जबकि शिविर दोपहर 2 बजे तक चलेगा।

अधिक जानकारी के लिए संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, के. जानकीराम राव, एम. सुरेश राज, ए. लिंगाचारी एवं सरिता रेड्डी से संपर्क किया जा सकता है।

सेवा का विस्तार ही हमारा संकल्प : आशा अग्रवाल

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया। पूरे कार्यक्रम में सहयोग और करुणा का वातावरण देखने को मिला, जहां हर सदस्य ने पूरे मनोयोग से अपनी भूमिका निभाई।

इस अवसर पर आशा अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा की भावना को निरंतर बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार ग्रुप लगातार बिना किसी स्वार्थ के कार्य कर रहा है, वह न केवल प्रेरणादायक है बल्कि समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में हैदराबाद में अन्नदान के कई और केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सकेगी।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, संजय गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, रणधीर सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई और भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

एनआईआईएमएच ने मनाया 'पोषण पखवाड़ा', बच्चों के मस्तिष्क विकास पर दिया जोर

मॉर्निंग स्टार हाई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 8वां राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026, 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक भव्य रूप से मनाया जा रहा है। इस वर्ष का मुख्य विषय जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना रखा गया है।

डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में 23 अप्रैल को मॉर्निंग स्टार हाई स्कूल, गड्डीअन्नारम में छोटे बच्चों में मस्तिष्क के विकास पर विशेष फोकस विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार मानव मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु से पहले हो जाता है, जिसे ध्यान में रखते हुए आयुर्वेद और प्राचीन भारतीय चिकित्सा ज्ञान के समन्वय पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में डॉ. अक्षय ने माता-पिता और शिक्षकों को मातृ पोषण, सक्रिय खेलों को बढ़ावा देने, स्क्रीन टाइम कम करने तथा बच्चों में डिजिटल उपयोग को सीमित रखने की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शारीरिक खेल और रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही पौष्टिक बाजरा और स्थानीय खाद्य पदार्थों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम के अंत में छात्रों को मासिक धर्म, मधुमेह, भोजन परोसने और आयुर्वेद दिनचर्या से संबंधित पैम्फलेट व ब्रोशर वितरित किए गए, साथ ही मूंगफली की चिक्की भी दी गई।इस अवसर पर डॉ. ज्ञानश्री, के. श्रीनिवास राव (ग्रंथ प्रशासक), प्रधानाचार्य गीता, स्कूल स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मेले के दौरान लड़की बेहोश पुलिस की तत्परता से बची जान

मौके पर पहुंचे सीआई ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया

बांसवाड़ा, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को बांसवाड़ा में लगे बेताला स्वामी मेले के दौरान भक्तों की भारी भीड़ के कारण बांसवाड़ा शहर के गौलीगुड़ा क्षेत्र की एक लड़की अचानक बेहोश हो गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

वहां ड्यूटी पर मौजूद बांसवाड़ा टाउन सीआई श्रीधर और पुलिसकर्मियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। उन्होंने बिना देर किए लड़की को अपनी पुलिस गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि लड़की को तुरंत

मेडिकल केयर मिले। समय पर मिली सहायता के चलते उसकी स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सका।

भीषण गर्मी में सेवा परमो धर्म संस्था की पहल, राहगीरों को मिली राहत

खीरा-ककड़ी और शीतल जूस का किया वितरण

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भीषण गर्मी और तपती धूप के बीच सेवा परमो धर्म संस्था द्वारा आज बाटा सर्कल, नाकोड़ा ज्वैलर्स के सामने एक विशेष सेवा शिविर का आयोजन किया गया। गर्मी से परेशान राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से संस्था के सदस्यों ने सेवा का संकल्प लेते हुए यह पहल की।

इस सेवा कार्य के अंतर्गत संस्था द्वारा लगभग 125 किलो खीरा-ककड़ी का वितरण किया गया। साथ ही राहगीरों को ठंडक पहुंचाने के लिए शीतल जूस की बोतलें भी वितरित की गईं, जिससे लोगों को तेज गर्मी में काफी राहत मिली।

खीरा-ककड़ी वितरण की व्यवस्था संतोष कोठारी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में की गई, जबकि जूस वितरण की व्यवस्था मीना दुगड़ द्वारा की गई।

कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ सेवा कार्य को सफल बनाया। कार्यक्रम के समापन पर संस्था की सदस्य मोना वर्मा ने सभी लाभार्थियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितैषी कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा का समर स्प्लैश कार्निवल कल

डीसीपी शिल्पावल्ली रहेंगी मुख्य अतिथि

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की घासी बाजार झूला शाखा की महिला समिति द्वारा आयोजित 'समर स्प्लैश कार्निवल' कार्यक्रम 25 अप्रैल (शनिवार) को अग्रवाल समाज के बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के लिए खैराताबाद जोन की पुलिस उपआयुक्त (डीसीपी) श्रीमती के. शिल्पावल्ली, IPS को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है, जबकि राकेश पचेरिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष अनिल धरसूवाल, महिला समिति की प्रधान संयोजिका शर्मिला अग्रवाल एवं मीनू गर्ग सक्रिय

रूप से तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसके अलावा शीव भगवान अग्रवाल बायवाला, मानद मंत्री मनोज मित्तल, सहमंत्री मनोज पचेरिया, कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल सौलानावाला तथा योगेन्द्र कटारुका को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

अग्र महिला समिति दोमलगुड़ा शाखा द्वारा छांछ वितरण सेवा आज

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की अग्र महिला समिति द्वारा शाखा की अग्रसेवा योजना के अंतर्गत शुक्रवार, 24 अप्रैल को गर्मी के मौसम में राहगीरों के लिए छांछ वितरण सेवा कार्य आयोजित किया जाएगा।

महिला समिति की प्रधान संयोजिका सरला अग्रवाल के अनुसार, यह कार्यक्रम अग्रवाल हेल्थ क्लीनिक परिसर के पास दोपहर 12:31 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें लगभग 1000 लोगों को छांछ पिलाने की व्यवस्था की गई है।इस सेवा कार्य के दौरान शाखाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, सचिव प्रतीक अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान संयोजिका सरला अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल एवं संयोजिकाएं सीमा अग्रवाल, शालिनी केडिया, दीपा डालमिया, ज्योति धानुका और दीप्ति झुनझुनवाला सहयोग करेंगी।समिति द्वारा इस पहल का उद्देश्य भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत प्रदान करना और समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाना है।

बरकतपुरा स्थित गोकुलधाम अपार्टमेंट में बी.आर.एस. पार्टी के निवर्तमान विधानसभा स्पीकर माननीय मधुसूदन चारी का स्वागत दिलीप डागा, डॉ. रानाडे, ओम प्रकाश यादव, डॉ. सिरिशा यादव और सौरभ सेठिया ने किया।

ऐतिहासिक उपलब्धि: विजयवाड़ा रेलवे डिवीजन ने टिकट चेकिंग से कमाए 10 करोड़

विजयवाड़ा, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए, विजयवाड़ा डिवीजन ने अप्रैल 2026 में 10 करोड़ रुपये की अभूतपूर्व टिकट-चेकिंग आय दर्ज की है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह उल्लेखनीय उपलब्धि पूरे दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र के किसी भी एकल डिवीजन द्वारा टिकट चेकिंग से प्राप्त की गई अब तक की सबसे अधिक मासिक आय है।

पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त, सात दिन पहले ही हासिल किया लक्ष्य

विजयवाड़ा डिवीजन ने 22 अप्रैल 2026 तक ही 10 करोड़ रुपये की इस विशाल राशि को प्राप्त कर लिया, जबकि महीने के सात दिन अभी शेष हैं। इसी के साथ दक्षिण मध्य रेलवे के इतिहास में उच्चतम मासिक टिकट चेकिंग राजस्व का एक नया रिकॉर्ड बन गया है। यह प्रदर्शन अक्टूबर 2025 में हासिल किए गए 8.59 करोड़ रुपये के पिछले रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ देता है।

व्यापक चेकिंग अभियान और प्रबंधन की सराहना

परिचालन की यह उत्कृष्टता डिवीजन के सभी प्रमुख खंडों में चलाए गए गहन और समन्वित टिकट चेकिंग अभियानों के कारण संभव हुई। डीआरएम मोहित सोनाकिया ने टिकट चेकिंग स्टाफ और वाणिज्यिक विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''हमारे कर्मचारियों की सतर्कता ने न केवल रेलवे राजस्व सुरक्षित किया है, बल्कि बिना टिकट यात्रा करने वालों को हतोत्साहित कर वास्तविक यात्रियों के लिए बेहतर अनुभव भी सुनिश्चित किया है।''

डिवीजन की इस सफलता के पीछे एक सोची-समझी रणनीति रही, जिसमें प्रमुख स्टेशनों पर 'किलेबंदी' (फोर्ट्रेस चेक) और एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों में औचक निरीक्षण (एम्बुश चेक) शामिल थे। रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में भी यह अभियान इसी तीव्रता के साथ जारी रहेगा ताकि अनियमित यात्रा पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा, सिकंदराबाद द्वारा गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शाखा मंत्री उर्मिला ढल्ला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शाखा की अध्यक्ष शशिकला नाहर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में गौ माता को चारा एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

इस अवसर पर रानू दैया एवं पूनम बोहरा ने अपनी विवाह वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विशेष सहयोग प्रदान किया, जिससे कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

सेवा कार्य में शाखा की सदस्य सुनीता मुंदड़ा, संजू संखला, शांति पांडेय, शिल्पा जोशी, सुनीता डूंगरवाल एवं मुमल सिरवी सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाया।

पिता की कमी कभी पूरी नहीं होगी, सेवा ही सबसे बड़ी श्रद्धांजलि: रोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास स्वर्गीय श्री श्यामलाल अग्रवाल की प्रथम मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर अन्नदान कार्यक्रम का भावपूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने श्रद्धा और नम आंखों से दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान रोहित अग्रवाल ने अत्यंत भावुक होकर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पिता का साया उठ जाना जीवन की सबसे बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई कभी संभव नहीं है। उन्होंने कहा, पिता की कमी कभी पूरी नहीं हो सकती, लेकिन उनकी दी हुई सीख और संस्कार हमें सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इस कठिन समय में राधे-राधे ग्रुप ने जिस प्रकार उनका और उनके परिवार का साथ दिया, वह उनके लिए एक मजबूत संबल बन गया।

रोहित अग्रवाल ने राधे-राधे परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में सभी सदस्यों ने जिस आत्मीयता और संवेदनशीलता के साथ साथ दिया, वह जीवनभर याद रहेगा।

उन्होंने विशेष रूप से ग्रुप के संयोजक जगत नारायण, राम प्रकाश, सतीश और महेश का अभिनंदन करते हुए कहा कि इन सभी ने हर पल उनके साथ खड़े रहकर न केवल सहयोग दिया, बल्कि मानसिक रूप से भी उन्हें संभाला।

उन्होंने कहा कि अपने पिताजी की स्मृति में सेवा कार्य करते रहना ही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। इसी भावना के साथ कार्यक्रम में जरूरतमंदों को अन्न वितरण किया गया और सभी ने मिलकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जय प्रकाश सारडा, मनीष चिंडालिया, जगन एलाकुर्थी, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, महेश अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, गौरव गोयल, बरखा गोयल, भगत राम गोयल, गोपाल गोयल एवं सतीश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

नशाखोरी पर नकेल : हैदराबाद पुलिस ने एच-न्यू का किया विस्तार, अब 5 विशेष टीमें संभालेंगी मोर्चा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद शहर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी और नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए अपनी 'हैदराबाद नारकोटिक्स एनफोर्समेंट विंग' (एच-न्यू) का विस्तार किया है। अब इस विंग में टीमों की संख्या दो से बढ़ाकर पाँच विशेष इकाइयां कर दी गई हैं। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार के नेतृत्व में, ड्रग अपराधों के प्रति 'जीरो-टोलरेंस' (शून्य सहिष्णुता) दृष्टिकोण अपनाते हुए यह विस्तार किया गया है।

राजेंद्रनगर में नए कार्यालय का उद्घाटन

टास्क फोर्स/ एच-न्यू के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने राजेंद्रनगर में नए एच-न्यू कार्यालय का उद्घाटन किया। इस विस्तार के साथ ही पुलिस की कार्यक्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे शहर के कोने-कोने पर नजर रखी जा सकेगी।

खुफिया जानकारी और छापेमारी पर विशेष ध्यान

नवनिर्मित इकाई 'टीम 14', जिसका नेतृत्व निरीक्षक श्रीकांत और नागार्जुन कर रहे हैं, मुख्य रूप से खुफिया जानकारी जुटाने, छापेमारी, जब्ती, जांच और नारकोटिक्स मामलों के अभियोजन पर ध्यान केंद्रित करेगी। अधिकारियों ने कहा कि विस्तारित विंग शहर और उसके बाहर संचालित संगठित ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त करने के प्रयासों को और मजबूत करेगी।

अपराधियों का तैयार होगा डेटाबेस

पुलिस ने बताया कि मौजूदा एच-न्यू टीमों ने पहले ही हैदराबाद और अन्य राज्यों में कई बड़े मामलों का भंडाफोड़ किया है।

बढ़ी हुई क्षमता के साथ, अधिकारियों का लक्ष्य सटीक खुफिया जानकारी हासिल करना, अपराधियों का डेटाबेस बनाए रखना और अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

युवाओं की सुरक्षा और जन-जागरूकता का आह्वान

हैदराबाद को नशा मुक्त शहर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दो-हराते हुए अधिकारियों ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गुरुवार को जारी एक पुलिस बयान में इस खतरे से प्रभावी ढंग से लड़ने और युवाओं की सुरक्षा के लिए सामूहिक जिम्मेदारी और जन-जागरूकता की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

जागृति ने स्थापित किया ठंडे पानी का केंद्र

दबांसवाड़ा, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जागृति नेता ममिंडलराजू ने गुरुवार को तेलंगाना जागृति के तहत बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के सेंटर में श्री बेताला स्वामी जतरा के मौके पर ठंडे पानी के सेंटर का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि यह ठंडा पानी का सेंटर इसलिए बनाया गया है ताकि सूरज उगते ही भक्तों को ठंडा पानी मिल सके। बेताला स्वामी जतरा में आए भक्तों की प्यास बुझाने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना जागृति की संस्थापक अध्यक्ष कलवकुंतला कविता के नेतृत्व में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर जागृति के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

भगीरथ महर्षि जयंती उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई

मंचेरियाल, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले के नसपुर स्थित समेकित जिला कार्यालय परिसर में गुरुवार को भगीरथ महर्षि जयंती उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला पिछड़ा वर्ग विकास विभाग की ओर से किया गया।

कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कुमार दीपक, अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) रामुलु, पिछड़ा वर्ग विकास अधिकारी भाग्यवती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने भगीरथ महर्षि के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि भगीरथ महर्षि ने अपने निरंतर प्रयास और अटूट समर्पण से असंभव कार्य को भी संभव कर दिखाया। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में लगन और दृढ़ निश्चय हो, तो वह कितनी भी कठिन परिस्थितियों में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि भगीरथ महर्षि की प्रेरणादायक गाथा आज भी हमें यही सिखाती है कि जब तक लक्ष्य पूरा न हो जाए, तब तक लगातार प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने यह भी संदेश दिया कि ऐसे महान व्यक्तित्वों के जीवन से प्रेरणा लेकर नई पीढ़ी को आगे बढ़ना चाहिए।कलेक्टर ने कहा कि सरकार द्वारा महापुरुषों की जयंती को आधिकारिक रूप से मनाना सराहनीय पहल है, जिससे उनकी प्रेरणादायक कहानियां आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचती रहेंगी। कार्यक्रम में अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

वी.सी. सज्जनार ने संभाला पदभार, डीजीपी रैंक में हैदराबाद के नए पुलिस कमिश्नर बने

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वी.सी. सज्जनार ने गुरुवार को महानिदेशक (डीजीपी) के रैंक में हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त (कमिश्नर) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

राज्य सरकार द्वारा हाल ही में उन्हें डीजीपी रैंक पर पदोन्नत किए जाने के बाद, उन्होंने बशीरबाग स्थित पुराने कमिश्नरेट कार्यालय में औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारियां संभालीं।

पदोन्नति के बाद नई जिम्मेदारी संभालते समय सज्जनार ने कार्यालय की परंपराओं के अनुसार पदभार ग्रहण करने की प्रक्रिया पूरी की। गौरतलब है कि सज्जनार अपनी सख्त कार्यशैली और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के अपने पिछले रिकॉर्ड के लिए जाने जाते हैं।

इस अवसर पर कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वी.सी. सज्जनार से मुलाकात की। अधिकारियों ने उन्हें गुलदस्ते भेंट किए और उनके नए कार्यकाल की शुरुआत पर अपनी शुभकामनाएं और बधाई संदेश दिए। पुलिस विभाग के भीतर इस नई नियुक्ति को शहर की सुरक्षा और प्रशासनिक मजबूती के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आरके धूत व्याख्यान माला में अश्विनी उपाध्याय का व्याख्यान 26 को

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा आरके धूत व्याख्यान माला के अंतर्गत रविवार, 26 अप्रैल को प्रातः 10:30 बजे उस्मानिया मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय सुरक्षित भारत विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे।

इस संदर्भ में आज आरोग्य हॉस्पिटल के प्रांगण में कार्यक्रम के चेयरमैन डॉ. मोहन गुप्ता के साथ संयोजक कैलाश मंत्री, आरजीए अध्यक्ष मनोज गोयल, मंत्री अजय कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष आनंद शर्मा, पूर्व अध्यक्ष नंदगोपाल भट्टड़ एवं गोपाल सारडा ने कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम चेयरमैन डॉ. मोहन गुप्ता ने संस्था के सदस्यों से विशेष रूप से कार्यक्रम में भाग लेने का निवेदन किया। वहीं संस्था के अध्यक्ष मनोज गोयल ने कहा कि अश्विनी उपाध्याय का संस्था में आगमन एक उपलब्धि है।

मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम विशेष, रोचक और ज्ञानवर्धक रहेगा।

अर्शपल्ली वेंकटराम रेड्डी बने एग्रीकल्चरल मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन

बांसवाड़ा, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुराने बांसवाड़ा से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्शपल्ली वेंकटराम रेड्डी ने एग्रीकल्चरल मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन का पद संभाल लिया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के एग्रीकल्चर एडवाइजर पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी का यह जिम्मेदारी देने के लिए विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। पदभार ग्रहण कार्यक्रम में मार्केट कमेटी की चेयरमैन मिनिस्टर अंजव्वा, तस्मा के प्रेसिडेंट पाशम राजिरेड्डी, अयप्पा मंदिर कमेटी के प्रेसिडेंट अर्शपल्ली साई रेड्डी, इब्राहिमपेट के पूर्व सरपंच मालेपु नारायण रेड्डी, मालेपु वेंकट रेड्डी, पापुवरम राजिरेड्डी तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मिनिस्टर गणेश सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अर्शपल्ली वेंकटराम रेड्डी ने कहा कि वे अपने नए दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करते हुए क्षेत्र के किसानों और बाजार व्यवस्था के विकास के लिए कार्य करेंगे।

वासावी माता जयंती को आधिकारिक मान्यता

बांसवाड़ा, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आर्य वैश्य के पूर्व ज़िला अध्यक्ष पाटा बालकृष्ण ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा है कि तेलंगाना सरकार आधिकारिक तौर पर वासावी माता जयंती मनाएगी। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना राज्य के पुनर्निर्माण में आर्य वैश्यों की अहम भूमिका की सराहना की।

उन्होंने आर्य वैश्यों की पूज्य देवी वासावी कन्याकापरमेश्वरी जयंती को राज्य में आधिकारिक त्योहार के रूप में मान्यता देने को संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस मौके पर पाटा बालकृष्ण ने कहा कि वासावी माता जयंती का जश्न पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर मनाया जा रहा है। उन्होंने इस निर्णय के लिए सरकार का आभार भी व्यक्त किया।

तेलंगाना में अगले 24 घंटे के दौरान आंधी-तूफान के आसार

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कई जिलों में अगले 48 घंटों के दौरान कुछ जगहों पर बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30 से 40 किमी प्रति घंटा) के साथ आंधी-तूफान आने के आसार हैं।

मौसम विभाग ने गुरुवार को जारी अपनी दैनिक मौसम रिपोर्ट में बताया कि मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, रंगारेड्डी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, कामारेड्डी, महबूबनगर और नागरकुरनूल सहित कई जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान ऐसी स्थितियां देखने को मिल सकती हैं।

वहीं, शुक्रवार को निज़ामाबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, कामारेड्डी और महबूबनगर जिलों में इसी तरह का मौसम बने रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले दो दिनों के दौरान राज्य भर में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने के

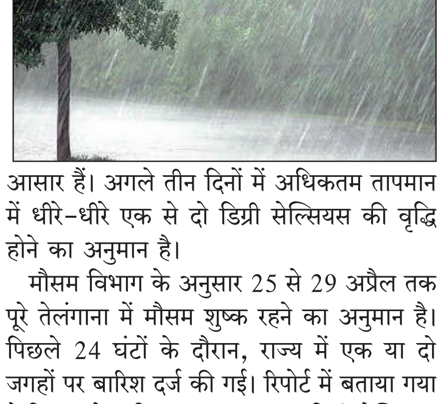

आसार हैं। अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे एक से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार 25 से 29 अप्रैल तक पूरे तेलंगाना में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। पिछले 24 घंटों के दौरान, राज्य में एक या दो जगहों पर बारिश दर्ज की गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे अधिक तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस आदिलाबाद में दर्ज किया गया।

आरटीसी हड़ताल: मंत्रियों ने शांति की अपील की, जेएसी के साथ वार्ता का आश्वासन

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर, दुदिल्ला श्रीधर बाबू, दामोदर राजा नरसिम्हा और कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के हड़ताली कर्मचारियों से शांत रहने और किसी भी चरम कदम से बचने की अपील की है।

मंत्रियों ने आश्वासन दिया कि सरकार संवाद के माध्यम से उनके मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कैबिनेट विचार-विमर्श के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, परिवहन मंत्री पोंनम प्रभाकर ने कहा कि सरकार ने श्रमिकों की शिकायतों को दूर करने के लिए एक मंत्रिस्तरीय उप-समिति का गठन किया है और शुक्रवार को जॉइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) के नेताओं के साथ चर्चा की जाएगी।

अफवाहों पर स्पष्टीकरण और प्रजा पालना का दृष्टिकोण

मंत्री प्रभाकर ने स्पष्ट किया कि इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत के कारण नौकरी जाने की अफवाहें पूरी तरह से निराधार हैं और उन्होंने कर्मचारी कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, श्रीधर बाबू ने कहा कि कैबिनेट ने औपचारिक एजेंडे से पहले ही आरटीसी से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जल्दबाजी में निर्णय न लेने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि सरकार ''प्रजा पालन'' दृष्टिकोण के तहत समाधान की दिशा में काम कर रही है।

दूसरे दिन भी थमे रहे पहिये, यात्री बेहाल

उल्लेखनीय है कि तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रहने से राज्य भर में सार्वजनिक सड़क परिवहन सेवाएं ठप रहीं। लगभग 40,000 कर्मचारी अपनी 32 मांगों के समर्थन में हड़ताल पर हैं, जिनमें टीजीए-सआरटीसी का सरकार में विलय और वेतन संशोधन प्रमुख हैं। इस हड़ताल के कारण राजधानी हैदराबाद और अन्य जिलों में हजारों यात्रियों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा, क्योंकि उन्हें अपने गंतव्य तक पहुँचने के लिए कैब, ऑटो-रिक्शा और निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ा।

वॉरंगल जिले के नरसांपेट कस्बे में, टीजीएसअ-ारटीसी के एक ड्राइवर शंकर गौड़ ने गुरुवार को आत्मदाह का प्रयास किया। उन्हें वारंगल के एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है जहाँ उनका इलाज चल रहा है। इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए, दामोदर राजा नरसिम्हा ने कहा कि सरकार संकट को हल करने में ईमानदार है और घायल कर्मचारी के लिए हैदराबाद में उन्नत चिकित्सा उपचार की व्यवस्था कर रही है।

कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने भी श्रमिकों से कड़े कदम न उठाने की अपील करते हुए याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार ने वित्तीय सहायता और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जैसे कल्याणकारी उपायों के माध्यम से आरटीसी का समर्थन किया है।

मंत्रियों ने सामूहिक रूप से आरटीसी कर्मचारियों से धैर्य बनाए रखने और चर्चा में भाग लेने का आग्रह किया।

कांग्रेस ने आरटीसी कर्मचारियों का किया समर्थन

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने गुरुवार को सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया और हड़ताल को समाप्त करने की अपील की है। तेलंगाना कांग्रेस महासचिव बी. नागेश ने गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आरटीसी कर्मचारियों ने तेलंगाना राज्य आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी और वे पहचान और समर्थन के हकदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री केसीआर ने उनके योगदान को कम करके आंका और एक समय तो यह भी कह दिया था कि आरटीसी खत्म हो चुकी है। इसके अलावा उन्होंने यूनियनों की भूमिका का भी विरोध किया था।

कांग्रेस नेता ने ट्रेड यूनियनों को जरूरी माना और जोर देकर कहा कि पार्टी तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) की सुरक्षा और मजबूती के लिए पूरी तरह से खड़ी है। उन्होंने श्री केसीआर के पहले के उस दावे का भी खंडन किया कि सरकार आरटीसी का वित्तीय बोझ नहीं उठा सकती।

श्री नागेश ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पहले ही कह चुके हैं कि हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे 'साजिश करने वालों' के बहकावे में न आएं और पिछली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार तथा मौजूदा कांग्रेस सरकार के बीच के अंतर को पहचानें। उन्होंने कल्याणकारी उपायों की चर्चा करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना को लेकर जनता ने सरकार की सराहना की है, जिसे बीआरएस स्वीकार नहीं कर पा रही है।

किशन रेड्डी ने आरटीसी हड़ताल और जांच पैनल को लेकर राज्य सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के कर्मचारियों की हड़ताल और एक जांच पैनल की रिपोर्ट सहित कई मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला।

श्री किशन रेड्डी ने नल्लाकुंटा फीवर अस्पताल में ईसीजी मशीनों और अन्य चिकित्सा उपकरणों को वितरित करने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत में राज्य सरकार द्वारा भ्रष्टाचार की जांच के लिए गठित पीसी घोष समिति की रिपोर्ट को अमान्य और गैर-कानूनी करार दिया।

उन्होंने उच्च न्यायालय की टिप्पणी को कि समिति ने स्थापित मानदंडों के अनुसार काम नहीं किया, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के साथ-साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए भी एक बड़ा झटका बताया।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस की चुनावी वादों को पूरा करने में विफलता के लिए भी आलोचना की, विशेष रूप से उस दावे के लिए जिसमें उसने कहा था कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के पिछले शासन के दौरान कालेश्वरम परियोजना में गबन किए गए एक लाख करोड़ रुपये की वसूली करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग दो वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद सरकार ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

श्री किशन रेड्डी ने कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) दोनों पर तेलंगाना की जनता को गुमराह करने के लिए आपस में मिलीभगत होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि इस तरह का राजनीतिक आचरण जनता के विश्वास को कम कर रहा है और उन्होंने इस मामले में ईमानदारी से कार्रवाई करने की मांग की।

उन्होंने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों की चल रही हड़ताल को सरकार की विफलता बताया और कहा कि कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी के रूप में समायोजित करने के अधूरे वादों के कारण आंदोलन करने पर मजबूर होना पड़ा है।

तलसानी ने किया आरटीसी हड़ताल का समर्थन, सरकार के खिलाफ तीव्र आंदोलन की चेतावनी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने गुरुवार को राज्य सरकार पर आरटीसी श्रमिकों की आजीविका को खतरे में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो विरोध प्रदर्शनों को और तेज किया जाएगा।

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारियों के आंदोलन में भाग लेते हुए, सनथ नगर के विधायक ने आरोप लगाया कि निगम प्रबंधन और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार श्रमिकों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है।

निजीकरण के प्रयासों और प्रबंधन के दबाव की आलोचना

मीडिया से बात करते हुए, तलसानी ने अधिकारियों से आरटीसी कर्मचारियों की वाजिब मांगों को तुरंत हल करने का आग्रह किया। उन्होंने आरटीसी के प्रबंध निदेशक की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि वे श्रमिकों को ड्यूटी पर लौटने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर निगम के निजीकरण की कोशिश करने का भी आरोप लगाया और मांग की कि इलेक्ट्रिक बसों का संचालन निजी एजेंसियों के बजाय आरटीसी ड्राइवरों द्वारा ही किया जाना चाहिए।

सचिवालय घेराव की दी चेतावनी

भारत राष्ट्र समिति की ओर से आरटीसी स्टाफ को पूर्ण समर्थन दोहराते हुए, उन्होंने मांग की कि इस मुद्दे को आगामी कैबिनेट बैठक में प्राथमिकता के साथ सुलझाया जाए। तलसानी ने चेतावनी दी कि यदि श्रमिकों को कठिनाइयों में धकेला गया तो पार्टी चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने सरकार को आगाह किया कि यदि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह विरोध प्रदर्शन ''सचिवालय घेराव'' के रूप में और उग्र हो सकता है।

श्रीधर बाबू की आरटीसी कर्मचारियों से हड़ताल खत्म करने की अपील, वार्ता का दिया भरोसा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने गुरुवार को तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के कर्मचारियों से अपनी चल रही हड़ताल वापस लेने की अपील की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उनकी चिंताओं को बातचीत के माध्यम से हल करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

एक आधिकारिक बयान में, मंत्री ने श्रमिकों से संयम बरतने और जल्दबाजी में कोई भी कठोर या चरम कदम उठाने से बचने का आग्रह किया। उन्होंने आगाह किया कि इस तरह के कार्यों का उनके परिवारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

भावुक फैसलों से बचने की सलाह

श्रीधर बाबू ने इस बात पर जोर दिया कि भावनात्मक तनाव में लिए गए निर्णय आगे चलकर और अधिक जटिलताएं पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें शांत रहने की सलाह दी और कहा कि समाधान केवल शांतिपूर्ण चर्चा से ही संभव है।

संवाद के लिए सरकार की प्रतिबद्धता

संवाद के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, श्रीधर बाबू ने ट्रेड यूनियन नेताओं से तत्काल चर्चा के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार आरटीसी कर्मचारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को सुलझाने के लिए खुले मन से तैयार है।

धैर्य और समाधान का मार्ग

मंत्री ने कर्मचारियों से अपील की कि वे धैर्य बनाए रखें और बातचीत के जरिए निकलने वाले समाधान पर विश्वास रखें। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता दे रही है और बातचीत के मेज पर बैठकर सभी लंबित मांगों पर विचार किया जा सकता है।

भाजपा ने सरकार से आरटीसी हड़ताल सुलझाने का आग्रह किया; विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की दी चेतावनी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने गुरुवार को राज्य सरकार से आरटीसी श्रमिकों की मांगों को तुरंत पूरा करने और जारी हड़ताल को समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मुद्दों का समाधान नहीं हुआ, तो भाजपा स्वयं इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होगी।

पार्टी कार्यालय में महर्षि भगीरथ की जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद राव ने कहा कि जॉइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) और श्रमिक नेताओं द्वारा उठाई गई मांगों पर बिना किसी देरी के कैबिनेट बैठक में चर्चा की जानी चाहिए।

सरकार पर देरी करने की रणनीति का आरोप

रामचंद्र राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया कि वह कैबिनेट चर्चा के बहाने देरी करने की रणनीति अपना रही है और तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारियों की मुख्य चिंताओं को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने दावा किया कि श्रमिकों ने 41 दिन पहले ही हड़ताल का नोटिस दे दिया था, इसके बावजूद सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिससे उन्हें आंदोलन का रास्ता चुनने के लिए मजबूर होना पड़ा।

निजीकरण की कोशिशों और वादों से पलटने पर घेरा

भाजपा नेता ने उन प्रयासों पर भी चिंता व्यक्त की, जिन्हें उन्होंने आरटीसी सेवाओं के निजीकरण की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कोई नई बसें नहीं खरीदी गई हैं, जबकि संचालन को निजी हाथों में सौंपने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने पिछले भारत राष्ट्र समिति शासन की भी आलोचना की और पूर्व में हुई कर्मचारियों की मौतों के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया।

टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने राहुल गांधी से की मुलाकात; राज्य के मुद्दों और पार्टी मामलों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने गुरुवार को नई दिल्ली के '10 जनपथ' पर राहुल गांधी से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान राज्य से जुड़े राजनीतिक और संगठनात्मक मामलों पर विस्तृत चर्चा की गई।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में तेलंगाना में चल रही विकास और कल्याणकारी पहलों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया गया। महेश कुमार गौड़ ने राहुल गांधी को जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों की नियुक्ति, जिला और मंडल समितियों के गठन और बूथ स्तर के एजेंटों (बीएलए) की तैनाती सहित पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

जाति जनगणना और चुनावी वादों पर चर्चा

महेश कुमार गौड़ ने राहुल गांधी को राज्य में हाल ही में आयोजित जाति जनगणना और उसके व्यापक डेटा जारी होने के बारे में भी सूचित किया। उन्होंने कहा कि यह कदम उठाकर पार्टी ने नेतृत्व द्वारा किए गए एक प्रमुख वादे को पूरा किया है। राहुल गांधी ने राज्य सरकार के इन प्रयासों की सराहना की।

पिछड़ा वर्ग आरक्षण और हैदराबाद में राष्ट्रीय बैठक का प्रस्ताव

बातचीत के दौरान, टीपीसीसी प्रमुख ने देश भर में लागू किए जा रहे महिला आरक्षण विधेयक में पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय ओबीसी सलाहकार परिषद की आगामी बैठक हैदराबाद में आयोजित की जाए, जिस पर राहुल गांधी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मिले राहुल गांधी

महेश कुमार गौड़ से मुलाकात के पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव और राज्यसभा सांसद अनिल यादव ने भी राहुल गांधी के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन मुलाकातों में भी तेलंगाना में पार्टी की मजबूती और भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया।

ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत साइबर धोखाधड़ी पर लगाम हैदराबाद पुलिस ने आयोजित किया बैंकिंग कॉन्क्लेव

हैदराबाद, 23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद शहर पुलिस ने गुरुवार को ऑपरेशन ऑक्टोपस के हिस्से के रूप में एक उच्च स्तरीय बैंकिंग समन्वय बैठक आयोजित की। यह संगठित साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क पर नकेल कसने के उद्देश्य से शुरू की गई एक प्रमुख पहल है।

पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के 45 बैंकों के 75 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य बैंक खातों के बढ़ते दुरुपयोग को रोकना और धोखाधड़ी निवारण उपायों को मजबूत करना था।

म्यूल अकाउंट्स को रोकने के लिए ट्विन-चैलेंज फ्रेमवर्क

अतिरिक्त सीपी (अपराध और एसआईटी) एम. श्रीनिवासुलु और आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक चिन्मय कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने इस चर्चा में भाग लिया। पुलिस ने बैंकों के लिए एक ट्विन-चैलेंज फ्रेमवर्क का प्रस्ताव रखाजिसमें यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी शाखा से जुड़ा कोई साइबर अपराध पीड़ित न हो और उस शाखा में कोई भी म्यूल अकाउंट (फर्जी खाता) न खोला जाए। अधिकारियों ने धोखाधड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त केवाईसी अनुपालन, रीयल-टाइम मॉनिटरिंग और बैंक कर्मचारियों की जवाबदेही पर जोर दिया।

अंतरराष्ट्रीय साइबर नेटवर्क पर पुलिस की नजर

कमिश्नर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अक्सर कंबोडिया, वियतनाम और दुबई जैसे देशों से संचालित होने वाले साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क स्थानीय बिचौलियों और कुछ मामलों में बैंकों के भीतर अंदरूनी मिलीभगत पर निर्भर करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बैंक कर्मचारी ऐसे गिरोहों की मदद करते पाए गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वित्तीय सुरक्षा और जन-जागरूकता पर जोर

बैंकों को सलाह दी गई है कि वे अलर्ट के माध्यम से ग्राहकों को जागरूक करें, अपने आंतरिक ऑडिट को मजबूत करें और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ निकट समन्वय बनाए रखें। पुलिस बयान के अनुसार, हैदराबाद पुलिस ने दोहराया कि नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा की रक्षा करने और संगठित साइबर अपराध नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए ऑपरेशन ऑक्टोपस एक निरंतर प्रयास के रूप में जारी रहेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.